नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

• 15 अप्रैल 2025 मंगलवार • बोकारो संस्करण • वर्ष : 08 • अंक : 321 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

देश और दुनिया के इतिहास में आज की प्रमुख घटनाएं

1469 : सिख धर्म के संस्थापक गुरू नानक का जन्म हुआ।
1689 : फ्रांस ने स्पेन के खिलाफ युद्ध की घोषणा की।
1817 : अमेरिका में बधिर बच्चों के लिए पहला स्कूल खोला गया।
1895 : बाल गंगाधर तिलक ने रायगढ़ किले में शिवाजी उत्सव का उद्घाटन किया।
1994 : भारत सहित 109 देशों द्वारा 'गैट' समझौते की स्वीकृति।
2004 : राजीव गांधी हत्याकांड से जुड़े लिट्टे उग्रवादी वी. मुरलीधरन की कोलम्बो में हत्या की गयी।

अबुआ सरकार झारखंड के आम लोगों के हितों में ले रही फैसले : हेमंत सोरेन

झारखंड मुक्ति मोर्चा के दो दिवसीय केंद्रीय महाधिवेशन की रांची में हुई शुरूआत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सोमवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय महाधिवेशन में खूब गरजे। भारत के संविधान निर्माता बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की जयंती के दिन शुरू हुए झामुमो के 2 दिवसीय केंद्रीय महाधिवेशन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए हेमंत सोरेन ने कहा कि झारखंड की अदिवासी-मूलवासी, गरीब, दलित, पीड़ित, शोषित लोगों ने उत्पीड़न से परेशान होकर वर्ष 2019 में डबल इंजन की सरकार को सत्ता से बेदखल कर दिया था। उन्होंने कहा कि गुरुजी का लगाया पौधा आज विशाल वृक्ष का रूप धारण कर चुका है। उन्होंने कहा कि झारखंड राज्य के गठन के बाद से ही यहां के आदिवासियों, मूलवासियों, दलितों का शोषण और उत्पीड़न हो रहा था। हेमंत सोरेन ने कहा कि वर्ष 2019 में जब झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेतृत्व में महागठबंधन (झामुमो, कांग्रेस, राजद) की सरकार बनी, तो उसे परेशान और तबाह करने की कोशिश की गयी।

विपक्षी पार्टी की तमाम कोशिशों के बावजूद झारखंड की अबुआ सरकार ने झुकना स्वीकार नहीं किया। अबुआ सरकार झारखंड के आम लोगों के हितों में फैसले ले रही है। झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन ने कहा कि झारखंड राज्य का गठन होने के बाद सत्ता ऐसे लोगों के हाथ में चली गयी, जिनको आदिवासी-मूलवासी से कोई मतलब नहीं था। सरकार की नीतियों की वजह से आदिवासी-मूलवासी और किसान आत्महत्या करने के लिए मजबूर हो रहे थे। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार (हेमंत सोरेन की सरकार) आम लोगों के हित में काम कर रही है। आदिवासियों-मूलवासियों को उनका अधिकार दे रही है।

4 फरवरी 1972 को हुआ था पार्टी का गठन

बता दें कि झारखंड मुक्ति मोर्चा ने झारखंड आंदोलन से लेकर अब तक राजनीति का लंबा सफर तय किया है। 53 वर्षों के संघर्ष के बाद पार्टी लगातार दूसरी बार सत्ता में आयी है। झारखंड अलग राज्य निर्माण में झामुमो की अहम भूमिका रही। 4 फरवरी 1972 को झारखंड मुक्ति मोर्चा का गठन हुआ। एक वर्ष बाद 4 फरवरी 1973 को धनबाद में अपना पहला स्थापना दिवस मनाया और अपनी ताकत दिखायी। यहीं से झारखंड के मुद्दों को एक फलक मिला। झामुमो के गठन के लगभग 11 वर्ष बाद पहला महाधिवेशन 1 और 2 जनवरी 1983 को धनबाद में हुआ। इसमें झारखंड अलग राज्य गठन समेत 18 प्रस्ताव पारित किये गये थे। झारखंड की सत्ता में रहते में रांची में लगातार दूसरी बार झामुमो महाधिवेशन हो रहा है। रांची में अब इससे पहले 3 बार महाधिवेशन का आयोजन हुआ है। अब 14 और 15 अप्रैल को चौथी बार आयोजन हो रहा है। शिबू सोरेन, बिनोद बिहारी महतो और एके राय ने मिलकर झामुमो की नींव रखी थी। पार्टी का गठन 4 फरवरी 1972 को हुआ था।

बिहार में 30 जून तक शिक्षा सेवकों व तालीमी मरकज की चयन प्रक्रिया पूरी करने का निर्देश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ ने महादलित, दलित एवं अल्पसंख्यक अतिपिछड़ा वर्ग अक्षर आंचल योजना के तहत जिलों में शिक्षा सेवक और तालीमी मरकज के रिक्त पदों पर चल रही प्रक्रिया की धीमी गति पर नाराजगी जताई है। उन्होंने वर्क कैलेंडर के अनुसार इस चयन प्रक्रिया में हो रहे विलंब को लेकर नाराजगी जताते हुए सभी जिलों के डीएम को निर्देश दिया है कि जिलास्तर पर शिक्षा सेवक और शिक्षा सेवक (तालीमी मरकज) के चयन का काम निर्धारित समय-सीमा के अंदर ही पूर्ण किया जाए। अपर मुख्य सचिव ने जिलाधिकारियों को लिखे अपने पत्र में कहा है कि शिक्षा सेवक और तालीमी मरकज के रिक्त पदों पर चयन के लिए वर्क कैलेंडर भी उपलब्ध कराया गया था। परंतु अभी भी कतिपय कारणों से विभिन्न जिलों में शिक्षा सेवकों और तालीमी मरकज की चयन प्रक्रिया पूरी नहीं की गई है। इस चयन प्रक्रिया को पूरी करने के लिए अपर मुख्य सचिव ने 30 जून की समय-सीमा भी तय कर दी है। उन्होंने शिक्षा सेवक और तालीमी मरकज के रिक्त पदों पर शत-प्रतिशत चयन के लिए तय समय-सीमा के अनुसार जहां सर्वेक्षण का काम पूरा हो चुका है, वहां आगामी 15 जून तक और जहां सर्वेक्षण का अभी अधूरा है, वहां आगामी 30 जून तक चयन की प्रक्रिया को पूर्ण कर लेने का आदेश दिया है। डॉ. एस सिद्धार्थ ने जिलाधिकारियों को लिखे अपने पत्र में कहा है कि जिन जिलों में शिक्षा सेवक और तालीमी मरकज की रिक्ति से संबंधित जिलावार विवरणी में सामान्य जाति के शिक्षा सेवकों को हटाया गया है तथा ऐसे अन्य सभी मामले जिसमें चयन और सेवामुक्ति से संबंधित विवाद उच्च न्यायालय या अन्य सक्षम प्राधिकार के समक्ष लंबित है, उतने वादों एवं स्थान को सुरक्षित रखा जाए।

■ जहां सर्वेक्षण का काम पूरा हो चुका है, वहां आगामी 15 जून तक और जहां सर्वेक्षण का अभी अधूरा है, वहां आगामी 30 जून तक चयन की प्रक्रिया को पूर्ण कर लेने का दिया आदेश

कोल्हान में नक्सलियों के खिलाफ बड़े ऑपरेशन की तैयारी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। माओवादियों के खिलाफ सीआरपीएफ और पुलिस की चौतरफा घेराबंदी अब निर्णायक जंग की ओर बढ़ती दिख रही है। झारखंड के ज्यादातर जिलों से उखाड़ने के बाद कोल्हान के घने जंगल और पहाड़ियों का फायदा उठाकर लैंड माइंस की आड़ में छिपे टॉप माओवादियों को पकड़ने के लिए विशेष अभियान चलाने की तैयारी है। वहीं इस ऑपरेशन को अंजाम देने के लिए खुद डीजीपी अनुराग गुप्ता सुबह 9:30 अपनी टीम के साथ पहुंच चुके हैं। वह यहां शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। दरअसल कोल्हान क्षेत्र में ऑपरेशन के दौरान सुरक्षा बलों को नुकसान झेलना पड़ रहा है। 12 अप्रैल को आईईडी की चपेट में आने से झारखंड जगुआर के जवान सुनील धान शहीद हो गए थे। 13 अप्रैल को टेंडर ग्राम स्थित जगुआर मुख्यालय में श्रद्धांजलि देते वक्त मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने साफ कहा था नक्सलवाद पूरे देश की समस्या है, जो अब समाप्ति की ओर है। हमारे जवानों की आहुति जाया नहीं जाएगी।

माओवादियों के खिलाफ बड़े ऑपरेशन की तैयारी

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता बेसरा और केंद्रीय कमेटी सदस्य अनल दा उर्फ तूफान उर्फ पतिराम मांझी उर्फ पतिराम मरांडी के छिपे होने की संभावना है। दोनों टॉप माओवादी मूल रूप से गिरिडीह जिला के पीरटांड़ के रहने वाले हैं। दरअसल, माओवादियों ने कोल्हान के जंगलों में तरह-तरह के लैंड माइंस बिछा रखा है, जो सुरक्षा बलों के ऑपरेशन के दौरान बाधक बन रहे हैं। लिहाजा, बृहद ऑपरेशन चलाने की तैयारी की जा रही है। चाईबासा का दौरा कर सकते हैं। उनके साथ आईजी अभियान के अलावा दूसरे पुलिस अधिकारी भी रहेंगे। इस दौरान प्लान तैयार किया जाएगा कि जंगल, पहाड़ी और लैंड माइंस की आड़ में छुपकर बैठे टॉप माओवादियों को कैसे सरेंडर करने के लिए बाध्य किया जाए। क्योंकि इसी क्षेत्र में माओवादियों का पोलित ब्यूरो सदस्य और एक-एक करोड़ का इनामी मिसिर चाईबासा में 22 दिन के भीतर सुरक्षा बलों को दूसरा बड़ा नुकसान झेलना पड़ा है। 22 मार्च 2025 को चाईबासा में ही नक्सलियों से लोहा लेते हुए सीआरपीएफ के सब इंस्पेक्टर सुनील मंडल वीरगति को प्राप्त हुए थे। छोटानागरा थाना क्षेत्र के जंगली क्षेत्र में पूर्व में लगाए गए आईईडी की चपेट में आए थे।

कश्मीर घाटी में विकास की पटरी पर दौड़ती यूएसबीआरएल परियोजना

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली/श्रीनगर। कश्मीर घाटी को देश के बाकी हिस्सों से स्थायी रूप से जोड़ने वाली उधमपुर- श्रीनगर- बारामुला रेलवे लिंक (यूएसबीआरएल) परियोजना केवल एक इंजीनियरिंग चमत्कार नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक बदलाव की मिसाल बनकर उभरी है। यह परियोजना दुर्गम पहाड़ियों, सुरंगों और पुलों के जरिये न केवल ट्रेनों की आवाजाही सुनिश्चित कर रही है, बल्कि हजारों लोगों के जीवन, रोजगार, व्यापार और सामुदायिक रिश्तों में नया रंग भर रही है। यूएसबीआरएल परियोजना का सपना पहली बार 1892 में महाराजा प्रताप सिंह ने देखा था। उसके बाद 1981 में जम्मू-उधमपुर रेल लिंक को मंजूरी मिली और 1994 में इस रेल नेटवर्क को श्रीनगर तक विस्तारित करने का निर्णय हुआ। 2002 में इसे राष्ट्रीय परियोजना घोषित

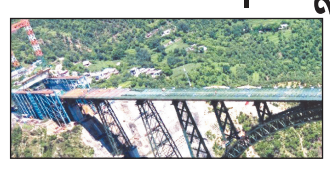

किया गया। 2024 तक कई खंड चालू हो चुके हैं, जिनमें सबसे हालिया बनिहाल-संगलदान सेक्शन 20 फरवरी 2024 को शुरू हुआ। इस परियोजना के चलते अब तक 804 लाभार्थियों को सरकारी नौकरियाँ दी गई हैं और करीब 14 हजार से अधिक स्थानीय लोगों को निर्माण कार्यों के दौरान रोजगार मिला। परियोजना ने 525 लाख मानव दिवस का रोजगार सृजन किया है। आधुनिक तकनीकों के प्रशिक्षण ने स्थानीय कारीगरों को नए अवसर दिए, जो अब देशभर के बड़े प्रोजेक्ट्स में कार्यरत हैं। इस रेल लिंक ने 70 से अधिक गांवों को सड़क से जोड़ा है, जिससे 1.5 लाख लोगों की जिंदगी में आमूलचूल परिवर्तन आया है। पहले जो लोग पगडंडियों या नावों के सहारे सफर करते थे, अब रेल और सड़क दोनों से जुड़ गए हैं। सेब, केसर और अन्य कृषि उत्पाद अब देश के विभिन्न बाजारों तक पहुंच पा रहे हैं। हस्तशिल्प और अन्य स्थानीय उत्पादों को भी नए बाज़ार मिले हैं। परियोजना ने दुर्गम इलाकों में सेना की पहुंच आसान की है, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा को भी मजबूती मिली है। साथ ही यह पर्यावरण के लिए भी अनुकूल साबित हो रही है, क्योंकि इसका विद्युतीकरण डीज़ल पर निर्भरता घटा रहा है। यूएसबीआरएल केवल रेल संपर्क की परियोजना नहीं, बल्कि यह जम्मू-कश्मीर में सामाजिक समरसता, आर्थिक प्रगति और राष्ट्रीय एकता की आधारशिला बन चुकी है। यह विकास की पटरी पर दौड़ती ऐसी पहल है, जो भविष्य में पूरे क्षेत्र की शक्ल बदलने की ताकत रखती है।

यूपी से बिहार में हो रही थी चांदी की तस्करी, तीन गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गोपालगंज। गोपालगंज पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। वाहन जांच के दौरान एक स्कॉर्पियो से पुलिस ने लाखों की चांदी बरामद की है। बरामद चांदी के साथ पुलिस ने तीन लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। घटना जिले के मीरगंज थाना क्षेत्र के सबेया पुलिस पिकेट के पास की है। असल में मीरगंज थाना पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि एक स्कॉर्पियो से भारी मात्रा में चांदी की तस्करी की जा रही है। सूचना के आधार पर मीरगंज थाना की पुलिस सबेया पुलिस पिकेट के पास वाहन जांच शुरू कर दी। इसी बीच एक काले रंग की स्कॉर्पियो गाड़ी को रोककर पुलिस ने तलाशी शुरू की तो स्कॉर्पियो

में बने तहखाने से 87 किलोग्राम चांदी बरामद की गई, जिसकी कीमत करीब 82 लाख बताई जा रही है। हिरासत में लिए गए अभियुक्तों में उत्तर प्रदेश के आगरा एटमर टोल निवासी बाली मित्तल का बेटा शुभम मित्तल, ब्रह्म दत्त यादव का बेटा राजकुमार और मयंक अग्रवाल शामिल है। मीरगंज थानाध्यक्ष अनिल कुमार ने बताया कि चांदी को स्कॉर्पियो से उत्तर प्रदेश के आगरा से मुजफ्फरपुर पहुंचाया जा रहा था।

भारतीय खाद्य निगम ने की रिकार्ड खरीद

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। रबी विपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीद लगातार जारी है। इसी क्रम में जहानाबाद जिले के हुलसगंज प्रखंड स्थित सरथुआ गांव के किसान राजीव नंदन ने 1000वें किसान के रूप में समर्थन मूल्य पर गेहूं विक्रय कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की। इस मौके पर भारतीय खाद्य निगम बिहार क्षेत्र के महाप्रबंधक अमित भूषण ने उन्हें सम्मानित किया। अमित भूषण ने कहा कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में किसानों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और उनकी सक्रिय भागीदारी देश की प्रगति का परिचायक है। 1000वें किसान से खरीद के बाद भा.खा.नि. द्वारा राज्य में अब तक 44 हजार क्विंटल से अधिक गेहूं की खरीद हो चुकी है। राज्य सरकार की एजेंसियों द्वारा की गई 12 सौ क्विंटल खरीद को जोड़ने पर कुल खरीद 56 हजार क्विंटल को पार कर गई है। अब तक 950 किसानों को दस करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान किया जा चुका है, जिसकी औसत अवधि छह घंटे से भी कम रही है। जबकि भुगतान की अधिकतम समय सीमा 48 घंटे निर्धारित है। राज्य सरकार द्वारा पैक्स एवं व्यापार मंडलों के माध्यम से 5,000 से अधिक खरीद केंद्र स्थापित किए गए हैं, जिनके माध्यम से अब तक 1,200 क्विंटल की ही खरीद हो सकी है। इसके विपरीत भा.खा.नि. के

153 खरीद केंद्रों पर 44 हजार क्विंटल गेहूं की खरीद हो चुकी है, जिससे स्पष्ट है कि त्वरित भुगतान प्रणाली से किसान संतुष्ट हैं। वर्तमान में गेहूं का समर्थन मूल्य 2,425 रुपये प्रति क्विंटल है, जो कि पिछले वर्ष की तुलना में 150 रुपये अधिक है। इस वर्ष की खरीद रफ्तार भी पिछली बार से कहीं बेहतर है। रबी विपणन वर्ष 2024-25 में आज की तिथि तक 12 हजार क्विंटल ही खरीदे गए थे, जबकि इस बार यह आंकड़ा 56,800 क्विंटल को पार कर चुका है। हालांकि राज्य के कुछ जिलों में हाल की बेमौसमी बारिश से खरीद प्रक्रिया थोड़ी प्रभावित हुई है, लेकिन मौसम सुधरने के साथ इसमें तेजी आने की उम्मीद है। राज्य में इस वर्ष 2 लाख टन गेहूं खरीद का लक्ष्य तय किया गया है। सरथुआ में आयोजित सम्मान समारोह में भा.खा.नि. के उप महाप्रबंधक आनंद कुमार, सुशील कुमार, गया मंडल के प्रबंधक शतनीक, सहायक महाप्रबंधक अजय कुमार सहित कई अधिकारी मौजूद थे। कार्यक्रम में नोआंव गेहूं खरीद केंद्र के क्रय प्रभारी सुमित कुमार और तकनीकी सहायक आतिश मंडल के प्रयासों की सराहना की गई। बाजार में निजी व्यापारियों द्वारा समर्थन मूल्य से अधिक भाव दिए जाने के बावजूद भा.खा.नि. का दूरदराज के क्षेत्रों तक पहुंच कर अधिकतम सरकारी खरीद सुनिश्चित करने का प्रयास सराहनीय है। इसका उद्देश्य यह है कि किसी भी किसान को समर्थन मूल्य से कम दर पर अपना गेहूं न बेचना पड़े। विदित हो कि बिहार में रबी फसलों की बुवाई का कुल क्षेत्रफल लगभग 40 लाख हेक्टेयर है जिसमें से 26 लाख हेक्टेयर में गेहूं की खेती होती है। एक अप्रैल से शुरू हुई खरीद प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और ऑनलाइन है। भा.खा.नि. द्वारा किसानों को उनके बैंक खाते में त्वरित भुगतान सुनिश्चित किया जा रहा है और इस व्यवस्था से किसान बेहद प्रसन्न नजर आ रहे हैं।

झमाझम बारिश से रांची का मौसम हुआ सुहाना

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड की राजधानी रांची में झमाझम बारिश से मौसम सुहाना हो गया है। इससे पहले हवाएं चल रही थीं। बादल गरज रहे थे। मौसम में बदलाव से लोगों को गर्मी से राहत मिली है। मौसम विभाग ने अपने पूर्वानुमान में बताया है कि देवघर, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, गढ़वा, गिरिडीह, हजारीबाग, लोहरदगा, पलामू और सरायकेला खरसावां जिले के कुछ भागों में अगले दो से तीन घंटे में मेघ गर्जन के साथ बारिश हो सकती है। इस दौरान वज्रपात भी हो सकता है। मौसम विभाग ने इस बाबत ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

बोकारो और रामगढ़ में बदलेगा मौसम

मौसम विभाग ने अपने पूर्वानुमान में बताया है कि बोकारो और रामगढ़ जिले में भी मौसम का मिजाज बदलेगा। कुछ ही

घंटे में वहां भी मेघ गर्जन के साथ बारिश हो सकती है। वज्रपात की भी आशंका है। मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है।

अधिकतम तापमान में कोई बड़े बदलाव की संभावना नहीं

झारखंड में अगले तीन दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में कोई बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। इसके बाद अगले दो दिनों में तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हो सकती है। आज राज्य में कुछ स्थानों पर तेज हवाएं भी चल सकती हैं। 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाओं के चलने का अनुमान है। अधिकतम रफ्तार 50 किलोमीटर प्रति घंटे हो सकती है।

मंगलवार को ओलावृष्टि और वज्रपात की चेतावनी

झारखंड में फिलहाल बारिश होती रहेगी। 15 अप्रैल मंगलवार को दक्षिण पूर्वी, निकटवर्ती मध्य और उत्तर पूर्वी भागों में कहीं-कहीं ओलावृष्टि, मेघ गर्जन और तेज हवाओं के झोंके चल सकते हैं। आंधी-तूफान के साथ बारिश हो सकती है। इस दौरान वज्रपात भी हो सकता है। इसे लेकर मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

20 अप्रैल तक बारिश के आसार

मौसम पूर्वानुमान के मुताबिक 20 अप्रैल तक राज्य में बारिश की संभावना है। आईएमडी ने 18 अप्रैल तक के लिए चेतावनी जारी की है। ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी कर लोगों से सावधान रहने की अपील की गयी है। तेज हवाएं, बारिश और वज्रपात को लेकर मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया है।

FOR REGISTRATION : ISO, TRADE MARK, PATENT

DESIGN AND COPYRIGHT, ATTORNEY

GLOBAL VISION

(A Complete Solution in Professional Services)

: Regd. Office/ Head Office :
Manaitand, Near Water Tank
Dhanbad, Jharkhand- 826001
Command Office : Jagat Trade Centre, Patna

Contact No.- 9835333441, 8210823092

E-Mail : globalvision96@yahoo.in

बिहार सरकार का छात्रों को बड़ा तोहफा

95 हजार लड़के-लड़कियों को स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना का लाभ देने की तैयारी

पटना, एजेंसी। बिहार में इस वित्तीय वर्ष (2025-26) में राज्य के 95 हजार नये विद्यार्थियों को स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के तहत लोन देने की तैयारी है। इसको लेकर नये लक्ष्य तय करने पर मंथन किया जा रहा है, जिसपर शीघ्र ही फैसला लिया जाएगा। राज्य सरकार ने इस वित्तीय वर्ष के लिए एक हजार करोड़ का प्रावधान अपने बजट में किया है।

पिछले वित्तीय वर्ष (2024-25) में स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के अंतर्गत 85 हजार विद्यार्थियों को लोन देने का लक्ष्य रखा गया था। शिक्षा विभाग के पदाधिकारी बताते हैं कि इस लक्ष्य में दस हजार की बढ़ोतरी करने पर विचार किया जा रहा है। पिछले वर्ष लक्ष्य के विरुद्ध 94 प्रतिशत विद्यार्थियों को लोन स्वीकृत हुए। राज्यभर से पिछले साल 84 हजार 155 आवेदन आये, जिनमें 80 हजार विद्यार्थियों के लोन की स्वीकृति दी गई। इन विद्यार्थियों को 1715 करोड़ के लोन वितरित किये गये हैं। चालू वित्तीय वर्ष में इसे बढ़ाने पर फोकस है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सात निश्चय योजना के तहत छात्र छात्राओं को क्रेडिट कार्ड का लाभ दिया जा रहा है।

सबसे अधिक पटना के छात्रों को लाभ

सबसे अधिक पटना जिले में 6618 विद्यार्थियों के लोन स्वीकृत हुए है, जो लक्ष्य का 126 प्रतिशत है। लक्ष्य का सर्वाधिक 137 प्रतिशत विद्यार्थियों को लोन वैशाली जिले में दिये गये हैं। वैशाली जिले के लिए 2642 लक्ष्य के विरुद्ध 3631 छात्र-छात्राओं के लोन स्वीकृति हुए हैं। इन दोनों के अलावा बेगूसराय, बक्सर, जहानाबाद, कैमूर, मुजफ्फरपुर, नालंदा, पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, समस्तीपुर, शेखपुरा और सुपौल जिले में लक्ष्य का सौ प्रतिशत विद्यार्थियों के लोन स्वीकृति किये गये हैं।

उच्च शिक्षा के लिए दिया जाता है लोन

इस योजना के तहत शुरू से अब-तक तीन लाख 59 हजार 424 विद्यार्थियों को उच्च शिक्षक ग्रहण करने के लिए लोन दिये गये हैं। इन विद्यार्थियों के बीच कुल 6943 करोड़ के लोन राज्य शिक्षा वित्त निगम के माध्यम से वितरित किये गये हैं। उच्च शिक्षा प्राप्त करने में पैसे की कमी रोड़ा नहीं बने, इसी मकसद से राज्य सरकार अपने कोष से लोन देती है।

मशरूम की खेती कर हर महीने कमा रही 25 हजार

पहली कमाई से खरीदी बाइक

बगहा /बेतिया, एजेंसी। बगहा के वाल्मीकि टाइगर रिजर्व से सटे नौरंगिया दोन गांव की एक महिला ने मेहनत और लगन से सफलता की नई मिसाल कायम की है। दरअसल निर्मला देवी ने अपने छोटे से छोपड़ी नुमा घर में मशरूम की खेती शुरू करने वाली निर्मला आज लखपति बनने की राह पर हैं। निर्मला ने कुछ साल पहले मशरूम उत्पादन की तकनीक सीखी। देसी जुगाड़ से घर में ही इसका उत्पादन शुरू किया। मशरूम बेचकर हर महीने 20 से 25 हजार रुपए की कमाई कर रही हैं। पहली कमाई से उन्होंने एक बाइक खरीदी।

पहले निर्मला के पति बाहर मजदूरी करते थे। अब वे भी मशरूम की खेती में जुट गए हैं। पति-पत्नी मिलकर उत्पादन और बिक्री का काम संभाल रहे हैं। पति भी मजदूरी छोड़ दे रहे साथ स्थानीय बाजार में निर्मला के मशरूम की गुणवत्ता इतनी अच्छी है कि ग्राहक खुद उनके घर आकर खरीदते हैं। अब वे आस-पास के इलाकों में भी बिक्री कर रही हैं।

सालाना 2.5 से 3 लाख रुपए कमा रही

मशरूम के साथ निर्मला सिक्की घास से पारंपरिक हस्तशिल्प उत्पाद भी बनाती हैं। टोकरी, डिब्बे और सजावटी सामान बनाने का उनका हुनर अतिरिक्त आमदनी का जरिया बन गया है। दोनों काम मिलाकर वे सालाना 2.5 से 3 लाख रुपए कमा रही हैं। निर्मला की सफलता गांव की अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणास्रोत बन चुकी है। उन्होंने साबित कर दिया है कि सीमित संसाधनों में भी सही दिशा में मेहनत करने से आत्मनिर्भरता का सपना साकार किया जा सकता है।

टिम्बर हाउस में लगी आग से 1 करोड़ का नुकसान

40 लोगों को रेस्क्यू किया गया

10 घर चपेट में आए फायर ब्रिगेड की 30 गाड़ियां पहुंची थी

पटना, एजेंसी। पटना में गांधी मैदान थाना क्षेत्र के पीरमुहानी के पास रविवार की देर रात विश्वकर्मा टिम्बर में आग लग गई। 1:30 में इसकी सूचना फायर कंट्रोल को मिली। इस आगजनी में करीब 1 करोड़ की लकड़ी का नुकसान हुआ है। 10 घर चपेट में आ गए थे। इसमें फंसे 40 लोगों को अग्निशमन के कर्मियों ने रेस्क्यू किया है। अग्निशमन पदाधिकारी मनोज नट ने भीषण अग्निकांड की जांच के लिए कमेटी बनाने की अनुशंसा की है। जांच रिपोर्ट के बाद कार्रवाई भी हो सकती है। पिछले 9 घंटे से कर्मियों ने कड़ी मशक्कत से आग पर काबू पाया है। पूरी रात कर्मी सोए नहीं हैं। जो भी छुट्टी में थे, उन्हें भी बुला लिया गया। आग कैसे लगी थी, अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है।

पास में घनी आबादी

पिछले 9 घंटे तक लगी आग के चलते आस पास के लोग भी दहशत में आ गए थे। टिम्बर हाउस से सटे घर और मार्केट है। पूरे इलाके में घनी आबादी है। इससे पहले भी यहां भीषण आग लगी थी। इसमें दम घुटने से एक कर्मी की मौत हो गई थी।

फायर ब्रिगेड की करीब 30 गाड़ियां मौजूद

फायर ब्रिगेड के पदाधिकारी अजित कुमार ने बताया कि मौके पर फायर ब्रिगेड की करीब 30 गाड़ियां मौजूद है। देर रात से फायर के लगभग 150 कर्मी काम कर रहे हैं। करीब 5 लाख लीटर से अधिक पानी भी खर्च हो चुका है। कंकड़बाग, लोदीपुर, पटना सिटी, सचिवालय और अन्य जगहों की भी गाड़ियों को बुलानी पड़ी है। देर रात से ही अग्निशमन के कर्मी सोए नहीं हैं। पूरी तरह से मुस्तैद हैं। टिम्बर हाउस के मालिक पीड़ित विजय के भाई नागेंद्र प्रसाद शर्मा ने बताया कि बेशकीमती सागवान की लकड़ी थी। करीब एक करोड़ से अधिक का नुकसान हुआ है। हमलोग घर पर थे, इसी बीच रात को स्थानीय लोगों ने घर पर आकर बताया कि टिम्बर के पिछले हिस्से में आग लग गई है। वहां पहुंचने के बाद फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई।

नवविवाहिता की हत्या मामले में पति और सास गिरफ्तार

शादी के बाद ससुराल वालों ने किया था डिमांड, महिला के गले पर मिला था निशान

आरा(भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर के उदवंतनगर थाना क्षेत्र के कसाप गांव में रविवार की सुबह एक विवाहिता की गला दबाकर हत्या कर दी गई। मृतका 21 वर्षीय सरिता कुमारी उदवंतनगर थाना क्षेत्र के कसाप गांव वार्ड नंबर छह निवासी मनीष सिंह की पत्नी थी।मृतक के गले पर वी आकर का निशान पाया गया है। मृतका के मायके वालों ने ससुराल वालों पर दहेज की मांग को लेकर हत्या करने का आरोप लगाया हैं। जिसे लेकर मृतका के पिता ने पति, सास और ससुर के विरुद्ध प्राथमिकी कराई है। पुलिस ने आरोपित सास कलावती देवी और पति मनीष को गिरफ्तार कर लिया है।

शादी के बाद दहेज के लिए करते थे प्रताड़ित: संदेश थाना क्षेत्र के बिछियांव गांव निवासी शिव शंकर सिंह की पुत्री सरिता की शादी 14 मई 2024 कओ उदवंतनगर थाना क्षेत्र के कसाप गांव वार्ड नंबर छह निवासी रमेश सिंह के पुत्र मनीष सिंह से लेनदेन के साथ और पूरे हिंदू रीति-रिवाज के साथ हुई थी। मृतका के भाई मनोज कुमार ने बताया कि शादी के चार माह बाद से ही ससुराल वालों ने दहेज में चार पहिया गाड़ी की मांग की जाने लगी थी। जिसके बाद उसके मायके वालों ने असमर्थता जताई थी। इस बात को लेकर ससुराल वालों प्रताड़ित किया जाता था और मारपीट भी की जाती थी। जिसको लेकर वह दो बार अपने ससुराल से भाग कर अपने मायके बिछियांव चली आई थी। जिसके बाद पंचायती कर उसे वापस ससुराल ले आए थे। इस बीच रविवार की सुबह स्थानीय ग्रामीण ने फोन कर उन्हें सूचना दी गई कि आपकी बहन के साथ अनहोनी हुई है। सूचना पर मृतका के मायके वाले ससुराल पहुंचे तो उन्होंने देखा कि वह मृत अवस्था में बरामदे में पड़ी है। ससुराल के अन्य लोग फरार है। इसके बाद उन्होंने इसकी सूचना स्थानीय थाना को दी। मृतका के भाई मनोज कुमार ने पति मनीष सिंह, ससुर रमेश सिंह और सास कलावती देवी पर दहेज में कार की मांग को लेकर गला दबाकर हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन कर रही है।

समस्तीपुर में रामजानकी मंदिर से अष्टधातु की मूर्तियों की लूट

समस्तीपुर, एजेंसी। समस्तीपुर जिले के विभूतिपुर थाना क्षेत्र स्थित भुसवर ठाकुरबाड़ी के रामजानकी मंदिर से 3 बदमाशों ने पिस्टल के बल पर अष्टधातु से निर्मित राम, सीता और लक्ष्मण की लगभग एक फीट ऊंची मूर्तियां, चांदी का मुकुट और सोने-चांदी की मटर माला लूट ली। घटना करीब सुबह 3 बजे की है। मंदिर में सो रहे पुजारी राम कैलाश दास को बदमाशों ने अचानक थप्पड़ मारते हुए जगाया और कान में पिस्टल सटाकर मंदिर की चाबी मांगी। पुजारी के विरोध करने पर जबरन चाबी छीनकर मंदिर का दरवाजा खोलकर मूर्तियों की लूट कर ली। पुजारी के शोर मचाने पर गांव के लोग जुटे लेकिन तब तक चोर फरार हो गए। मंदिर कमेटी के अध्यक्ष पूर्व मुखिया शिवदानी प्रसाद सिंह समेत अन्य सदस्यों ने बताया कि मूर्तियों और जेवरात की अनुमानित कीमत करीब एक करोड़ रुपए है। यह मूर्तियां सौ वर्षों से मंदिर में थीं, जिन्हें दो वर्ष पहले भव्य मंदिर निर्माण के बाद दोबारा स्थापित किया गया था। बताया गया है कि यह पहली बार नहीं है जब विभूतिपुर इलाके की ठाकुरबाड़ी में चोरी हुई हो। पूर्व में भी आलमपुर कोदरिया, नरहन और महथी बड़ी की ठाकुरबाड़ियों से अष्टधातु की मूर्तियां चुराई जा चुकी हैं। कुछ मामलों में तो चोरों ने विरोध करने पर सेवक की हत्या भी कर दी थी।

पीजी सत्रों में हुई गड़बड़ी ठीक करे विवि: छात्र राजद

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर, वरीय संवाददाता। छात्र राजद जिलाध्यक्ष अविनाश कुमार उर्फ राजा बाबू ने कहा कि बीआरएबीयू में छात्र संघ चुनाव की तारीख की घोषणा जल्द होनी चाहिए। इसके अभाव में छात्र हित का काम नहीं हो पा रहा है। उन्होंने विवि प्रेस को पुनः चालू करने और पीजी सत्रों में हुई गड़बड़ी को दूर करने और पैट-2023 के आवेदन के लिए पोर्टल अविलंब खोलने की मांग कुलपति से की है। जूरन छपरा स्थित पार्टी कार्यालय में रविवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि विवि की गतिविधियां ठीक नहीं हुई तो छात्र राजद आन्दोलन को विवश होगा। विवि अध्यक्ष हैदर निजामी ने कहा कि अपना प्रेस होते हुए भी विवि सारा काम निजी प्रिंटिंग प्रेस से करवा रहा है। मौके पर अजीत कुमार, दीपू, चंदन यदुवंशी, केशव किशोर, सूरज सिंह, मो.अमीर, वारिश अली, विकेश कुमार, सुबोध कुमार, विक्रम कुमार, आशीष कुमार, प्रकाश कश्यप, उज्वल झा व अन्य थे।

तंत्र-मंत्र का भय दिखाकर 2 लाख के जेवर की ठगी: चंदा मांगने आया था युवक

1 घंटे तक पूजा करवाई; वीडियो बनाने पर धमकी

बेगूसराय, एजेंसी। बेगूसराय में तंत्र-मंत्र का भय दिखाकर 2 लाख का जेवर लेकर फरार होने का मामला सामने आया है। पूरा मामला जिले के गढ़पुरा थाना क्षेत्र के धरमपुर वार्ड नंबर-दो का है। जहां यज्ञ का चंदा मांगने आए युवकों ने पहले महिला को उसके बारे में कुछ बातें बताकर भरोसा दिलाया, जिसके बाद मौका मिलते ही उसके गहने लेकर फरार हो गए। पीड़ित महिला धरमपुर निवासी रंजना कुमारी है। जिसने बताया कि रविवार की दोपहर एक बाइक पर सवार तीन युवक दरवाजे पर पहुंचा और सहरसा जिले के कारू बाबा स्थान में यज्ञ होने की बात कह कर बैठ गया। जिसके बाद बैठे युवकों ने 1 घंटे तक घर में पूजा करवाया और प्रसाद बांटने की बात कहकर सभी फरार हो गए। जानकारी के अनुसार, ठगों ने महिला के घर में 1 घंटे तक पूजा करवाई और लोगों में प्रसाद बांटने को कहा। इस दौरान मौजूद लोगों ने वीडियो बनाया तो उसके फोन को तोड़ने की धमकी देते हुए वीडियो डिलीट करवा दिया।

पीड़िता बोली- काल का साया कहकर करवाया पूजा फिर गहने लेकर फरार : रंजना कुमारी ने बताया कि यज्ञ के नाम पर चंदा लेने के बात कहकर तीनों लड़के मेरे दरवाजे पर बैठे। उनके बैठते ही हमलोग घर से बाहर आये तो एक युवक ने कहा कि तुम चार भाई चार-बहन थी। जिसमें तुम्हारी एक बहन की मृत्यु हो चुकी है। यह बात सच थी तो हम सब उसका पैर छूकर प्रणाम करने लगे। इसी दौरान एक युवक ने कहा कि तुम्हारे ऊपर काल सवार है। अगर तुम इस काल बचना चाहती हो तो कुछ पूजा पाठ करना पड़ेगा। इससे तुम्हारा काल लेकर चले जाएंगे, तुम ठीक हो जाओगी। हम उसके झांसे में आ गए तो युवक ने सबसे पहले एक लोटा पानी लाने को कहा। पानी में युवक ने कुछ मंत्र पढ़ कर फूंका और हमें भी फूंकने को कहा। इसके बाद एक कटोरी चावल मंगवाया। इस दौरान कटोरी के सामने हाथ रखकर पानी गिराने को कहा। उसने कहा कि अगर इसमें आग लग जाएगी तो तुम्हारे ऊपर काल का साया है और नहीं लगा तो कोई काल नहीं है। पानी गिराते ही हाथ पर आग जलने लगा तो ठग ने कहा कि तुम्हारे ऊपर काल का साया है।

वीडियो बनाने पर मोबाइल फोड़ने की धमकी : उसने काल का साया भगाने की बात कहकर अगरबत्ती मंगवाया। हमारी सास गीता देवी और गोतनी स्मिता कुमारी और मनीषा कुमारी को भी हाथ में अगरबत्ती देकर पूजा कराने लगा। मौके पर आसपास के भी लोग जमा हो गए तथा कुछ लोगों ने वीडियो बनाने लगे। जिस पर ठगों ने विरोध करते हुए कहा की वीडियो बनाओगे तो मोबाइल फोड़ देंगे। उसने काले पॉलिथीन में घर का सभी जेवर भी मंगवा लिया। इसके बाद हमारे हाथ में चावल देकर उसे एक कोना में जमीन में गाड़ने को कहा और घर के बाहर प्रसाद देने की बात कही।

डेढ़ लाख रूपए में महिला को बेचा, 5 अरेस्ट: सीवान से किडनैप महिला मथुरा में मिली

बदमाशों ने बहला कर कराई थी शादी

सीवान, एजेंसी। सीवान में मानव तस्करी का एक मामला सामने आया है। पुलिस ने मैरवा थाना क्षेत्र से अपहृत महिला (35) को शनिवार को उत्तर प्रदेश के मथुरा से बरामद किया है। पुलिस पीड़िता को रविवार को सीवान लेकर पहुंची। इस मामले में पांच लोगों की गिरफ्तारी हुई है, जिनमें दो महिलाएं शामिल हैं। इन्होंने महिला को डेढ़ लाख रूपए में बेच दिया था। मैरवा के एसडीपीओ चंदन कुमार ने बताया कि सिसवा खुर्द गांव निवासी राजेश कुशवाहा की पत्नी अचानक लापता हो गई थी। पति ने 17 फरवरी 2025 को गांव की महिला लीलावती देवी (35) के खिलाफ अपहरण का मुकदमा दर्ज कराया था।

आरोपी लीलावती देवी ने अन्य 4 आरोपी की दी जानकारी

पुलिस ने मामले की जांच के लिए विशेष टीम बनाई। टीम ने 3 दिन पहले मैरवा थाना क्षेत्र के बॉर्डर से आरोपी लीलावती देवी को गिरफ्तार किया। उसकी निशानदेही पर मथुरा से चार और आरोपियों को पकड़ा गया। 2 महिलाओं को पुलिस ने रविवार को गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार लोगों की पहचान

- मथुरा जिला के गोवर्धन थाना क्षेत्र के वृज किशोर ठाकुर के बेटे लवकेश ठाकुर(30)
- देवरिया थाना क्षेत्र के मुन्ना पटेल के बेटे कृपाशंकर(27)
- मथुरा जिले के जैत थाना क्षेत्र के दीना सिंह के बेटे परतोष ठाकुर(38)
- आगरा जिला के शाहाबाद थाना क्षेत्र के राजेश चौहान की पत्नी लवली देवी(35)
- गोरखपुर जिले के चौरी चौरा थाना क्षेत्र के बबलू प्रसाद की पत्नी अनु देवी(30)

पूछताछ में पता चला कि लीलावती ने बहला फुसला कर पैसों की लालच में पीड़िता को मथुरा के एक व्यक्ति को डेढ़ लाख रुपए में बेच दिया था। पीड़िता की मथुरा में किसी अन्य व्यक्ति से शादी भी करा दी गई। पुलिस अब गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर रही है। जांच में यह पता लगाया जा रहा है कि इस गिरोह ने अब तक कितने लोगों की तस्करी की है और इसमें कौन-कौन शामिल हैं।

एक सर्टिफिकेट पर बिहार पुलिस में 41 साल नौकरी करते रहे फुफेरे भाई, रिटायरमेंट के बाद हुआ खुलासा

पटना, एजेंसी। बिहार पुलिस में एक ही नाम, पता, जन्म तिथि, पैन कार्ड और शारीरिक माप पर दो फुफेरे-ममेरे भाइयों के सिपाही पद पर बहाल होने का रोचक मामला आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) ने दर्ज किया है। दोनों भाइयों ने अलग-अलग जिलों में करीब 41 साल नौकरी करते हुए दारोगा से रिटायरमेंट ली। मामले का खुलासा तब हुआ जब दूसरे भाई ने पेंशन के लिए शिवहर कोषागार में दस्तावेज जमा किए, जबकि एक भाई पहले ही रोहतास कोषागार से पेंशन उठा रहा था। अब ईओयू मामले से जुड़े जालसाजों व सरकारी कर्मियों की पहचान करेगा। दरअसल, रोहतास के चौडीहरा गांव के विक्रमा सिंह ने 1982 में कटिहार जीआरपी के साथ ही रोहतास जिला बल की सिपाही बहाली में सफलता हासिल की थी। मगर उन्होंने कटिहार जीआरपी में योगदान किया और 2023 में गया से रिटायर हुए। वहीं, शिवहर से भी विक्रमा सिंह नामक दारोगा रिटायर हुए हैं, जिनके पिता का नाम, स्थाई पता, जन्म तिथि, पैन नंबर, ऊंचाई व छाती का माप आदि बिलकुल समान है। सिर्फ दोनों के आधार नंबर, बैंक खाता नंबर और प्रथम योगदान स्थल में अंतर दिखा। शिवहर से रिटायर हुए विक्रमा सिंह की प्रथम नियुक्ति रोहतास जिला बल में सिपाही पद पर हुई थी। लेकिन, जांच में शिवहर से रिटायर विक्रमा सिंह की पहचान कैमूर के आटडीह गांव निवासी राजेंद्र सिंह के रूप में की गयी, जो कि रिश्ते में गया से रिटायर विक्रमा सिंह के ममेरे भाई निकले।

हिमालय की पहाड़ियों में समृद्धि की गूंज

भौगोलिक बाधाओं से जीता

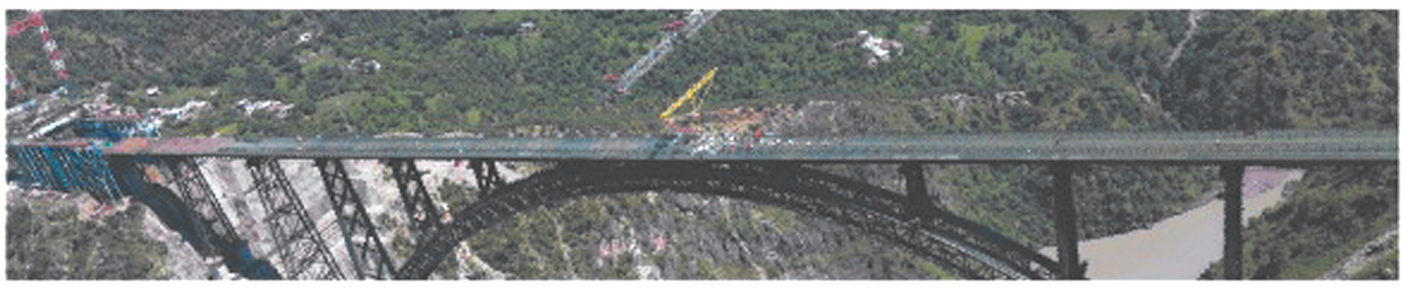

अनिल कुमार खंडेलवाल
पूर्व सदस्य इंफ्रास्ट्रक्चर
रेलवे बोर्ड

सदियों पुराना सपना

कश्मीर को भारतीय रेलवे नेटवर्क से जोड़ना सदियों पुराना सपना है। कश्मीर घाटी में नैरो गेज रेल लिंक बनाने का पहला विचार एक सदी पहले आया था, जब महाराजा प्रताप सिंह ने 1 मार्च 1892 को जम्मू-श्रीनगर रेल लिंक की आधारशिला रखी थी, बाद में 1898 में फिर काम शुरू हुआ और महाराजा रणबीर सिंह ने इसे आगे बढ़ाया। अविभाजित भारत में पंजाब को श्रीनगर और कश्मीर घाटी से जोड़ने के लिए चार व्यावहारिक रास्ते खोजे गए। जम्मू से बनिहाल, झेलम घाटी से पुंछ, रावलपिंडी से झेलम घाटी होकर पंजर और ऊपरी झेलम घाटी में हजारा के रास्ते कालाको सराय से एबटाबाद मार्ग। मीटर और ब्रॉड गेज ट्रैक के लिए विस्तृत सर्वेक्षण किए गए थे। हालाँकि, दुर्गम जलवायु, मुश्किल इलाके, सीमित संसाधन और इतिहास ने इस विचार को सर्वेक्षण रिपोर्टों और ट्राइंग बोर्ड तक ही सीमित कर दिया। 1905 में अंग्रेजों ने भी इस पर विचार किया और महाराजा प्रताप सिंह ने जम्मू और श्रीनगर के बीच वाया रियासी और मुगल रोड रेल लाइन के निर्माण पर सहमति जताई। इस योजना में पीर पंजाल रेंज को पार करने के लिए एक नैरो गेज ट्रैक की परिकल्पना की गई थी, लेकिन यह परियोजना केवल एक सपना बनकर रह गई। आजादी के बाद भी इस परियोजना पर कई बार विचार किया गया, लेकिन जम्मू-उधमपुर रेल संपर्क परियोजना को 1981 में मंजूरी मिल पाई। 1994-95 में उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला (यूएसबीआरएल) के बीच अंतिम रेल संपर्क को मंजूरी दी गई और वर्ष 2002 में केंद्र सरकार ने इस रेलवे लाइन को राष्ट्रीय परियोजना घोषित किया।

सामाजिक-आर्थिक विकास

रोजगार सृजन:

जमीन देने वालों को रेलवे द्वारा प्रत्यक्ष रोजगार: सरकार ने भूमि खोने वाले परिवारों के सदस्यों की नियुक्ति के लिए एक नीति जारी की। यह उन परिवारों के लिए थी जिनकी 75% से अधिक भूमि रेलवे द्वारा अधिग्रहित की गई। इस नीति के तहत, रेलवे द्वारा 804 पात्र लाभार्थियों को सरकारी नोकरी दी गई।

निष्पादन एजेंसियों के माध्यम से अप्रत्यक्ष रोजगार: इस परियोजना में, निर्माण अवधि के दौरान परियोजना निष्पादन एजेंसियों द्वारा 14069 रोजगार दिए गए। जिनमें से 65% रोजगार जम्मू और कश्मीर के स्थानीय लोगों को दिया गया।

इस परियोजना पर 525 लाख से अधिक मानव दिवस रोजगार सृजित किए गए हैं।

स्थानीय कारीगरों का कौशल विकास:

यूएसबीआरएल परियोजना के सभी कार्य - सुरंग निर्माण, पुल निर्माण, विद्युतीकरण, ट्रैक बिछाने, इलेक्ट्रो-मैकेनिकल कार्य - बहुत विशिष्ट हैं और अत्याधुनिक तकनीक और तरीकों के जरिए पूरा किए गए हैं। इससे स्थानीय कारीगरों और श्रमिकों का जबरदस्त कौशल विकास हुआ और अब ये श्रमिक देश की अन्य मूल्यवान परियोजनाओं पर प्रशिक्षित कुशल श्रमिकों के रूप में सफलतापूर्वक काम कर रहे हैं।

पहुंच वहां, जहां राह कठिन:

परियोजना स्थल अत्यधिक दुर्गम थे और स्थापना के समय उग्रवाद तेज हो गया था। इस परियोजना की शुरुआत के साथ ही इन दूरस्थ स्थानों पर पहुंच मार्ग का निर्माण शुरू हो गया। यूएसबीआरएल ने सुरंग और पुल स्थलों तक पहुंच प्रदान करने के लिए 215 किलोमीटर से अधिक पहुंच मार्गों का निर्माण किया है। कठिन जलवायु परिस्थितियों, खतरनाक इलाकों, अस्थिर हिमालयी भूविज्ञान और कानून व्यवस्था के मुद्दों के कारण इन पहुंच मार्गों का निर्माण अपने आप में बहुत चुनौतीपूर्ण है। डुग्गा और सावलकोट के बीच सुरुकोट गांव के पास 100 मीटर x 40 मीटर की भूमि को समतल करके टेबल टॉप हेलीपेड का निर्माण किया गया। इसके लिए सिर्फ हाथ से इस्तेमाल होने वाले औजारों का प्रयोग किया गया। भारी निर्माण मशीनों को हेली-लिफ्ट करने के लिए एमआई-26 हेलीकॉप्टरों का उपयोग किया गया, उड़ानें भरी गईं और 226 मीट्रिक टन भार को हवाई मार्ग से सुरुकोट पहुंचाया गया। इन सड़कों के पूरा होने से गुनी, फेर ग्रान, बटालगाला, बक्कल, दुग्गा, सावलकोट, संगलदान जैसे इलाकों के गांवों में ट्रांसपोर्ट कनेक्टिविटी बढ़ गई और जम्मू-कश्मीर की यातायात व्यवस्था में काफी सुधार हुआ। इससे 70 गांवों की 1.5 लाख आबादी को ट्रांसपोर्ट कनेक्टिविटी मिली। पहले इन गांवों तक पहुंचने के लिए मुख्य रूप से पगडंडियों या नाव का इस्तेमाल किया जाता था। स्थानीय लोग सबसे कठिन, उबड़-खाबड़ इलाकों की फिसलन भरी ढलानों और चट्टानी चोटियों पर चलकर शहर पहुंचते थे, जहां सड़कें और परिवहन के साधन थे, ताकि वे जिला मुख्यालय और अन्य स्थानों पर जा सकें। सड़कों की कमी के कारण ये गांव मुख्यधारा से कटे हुए थे। इन गांवों में बाजार, सड़क किनारे स्थानीय रेस्तरां (ढाबे) आदि खुलने से व्यावसायिक गतिविधियों के बदलते परिदृश्य को देखना सार्थक होगा। इसने दूरदराज की आबादी के लिए अवसरों के नए रास्ते और क्षितिज खोल दिए हैं। ये दूरदराज के गांव और कस्बे, जो पहले बुनियादी सुविधाओं से भी वंचित थे, अब शिक्षा और वाणिज्यिक गतिविधियों के केंद्र बन रहे हैं।

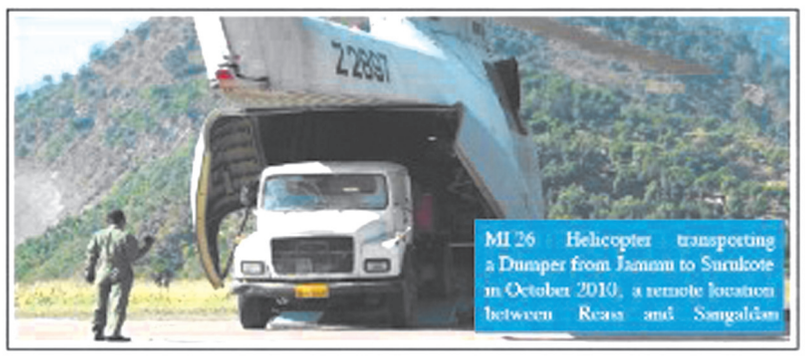

MI 26 Helicopter transporting a Dumper from Jammu to Surukote in October 2010, a remote location between Reasi and Sangaldan

Heli-lifting of Excavator to Surukot on 31.10.2010

कश्मीर घाटी को भारतीय रेलवे के नेटवर्क से जोड़ने के सपने को साकार करने की यात्रा में मील के पत्थर इस प्रकार हैं:

- 1981: जम्मू-उधमपुर रेल लिंक को मंजूरी दी गई।
- 1994: श्रीनगर तक रेल लिंक के विस्तार की घोषणा की गई।
- 1995: उधमपुर-कटड़ा रेल लिंक पर काम शुरू हुआ।
- 1999: काजीगुंड-बारामूला रेल लिंक पर काम शुरू हुआ।
- 2002: कटड़ा-काजीगुंड रेल लिंक पर काम शुरू हुआ।
- 13 अप्रैल 2005: जम्मू-उधमपुर सेक्शन खोला गया।
- 11 अक्टूबर 2008: मझोम-अनंतनाग सेक्शन खोला गया।
- 14 फरवरी 2009: बारामूला-मझोम सेक्शन खोला गया।
- 28 अक्टूबर 2009: अनंतनाग-काजीगुंड सेक्शन खोला गया।
- 26 जून 2013: बनिहाल-काजीगुंड सेक्शन खोला गया।
- 4 जुलाई 2014: उधमपुर-कटड़ा सेक्शन खोला गया।
- 20 फरवरी 2024: बनिहाल-संगलदान सेक्शन खोला गया।

बेहतर कनेक्टिविटी और आधुनिक परिवहन:

यूएसबीआरएल परियोजना तेज़ और अधिक विश्वसनीय परिवहन विकल्प प्रदान करती है, जिससे यात्रा का समय काफी कम हो जाता है। बेहतर कनेक्टिविटी से लोगों को लाभ होता है और दूरदराज के इलाकों से शहरी क्षेत्रों के बीच बेहतर आवाजाही संभव होती है। यह रेलवे लाइन श्री अमरनाथ गुफा मंदिर, हजरतबल तीर्थस्थल, चरार-ए-शरीफ जैसे प्रमुख तीर्थ स्थलों और खूबसूरत सुरम्य कश्मीर घाटी को जोड़ती है। इससे क्षेत्र में अधिक पर्यटकों के पहुंचने का रास्ता खुलता है। इससे स्थानीय होटलों, रेस्तरां और अन्य सेवाओं के व्यवसाय में वृद्धि होती है।

आर्थिक विकास:

स्थानीय व्यवसायों को बढ़ावा: राष्ट्रीय बाजारों तक बेहतर पहुंच के साथ, स्थानीय व्यवसाय, विशेष रूप से कृषि, हस्तशिल्प और स्थानीय उत्पादों से जुड़े व्यवसाय अब बड़े बाजारों तक पहुंच सकते हैं, जिससे बिक्री और राजस्व वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा।
औद्योगिक विकास: रेल संपर्क कच्चे माल और तैयार माल के परिवहन की सुविधा प्रदान करता है, जिससे नए उद्योगों की स्थापना को बढ़ावा मिलता है, विशेष रूप से विनिर्माण, कृषि और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में। इससे क्षेत्र में छोटे और मध्यम आकार के उद्यमों (एसएमई) का विकास हो सकता है।
कृषि और व्यापार को बढ़ावा: रेलवे नेटवर्क कश्मीर के कृषि उत्पादों जैसे केसर, सेब और हस्तशिल्प को अन्य क्षेत्रों में आसानी से पहुंचाने में मदद करेगा, जिससे कृषि उत्पादों के व्यापार और निर्यात को बढ़ावा मिलेगा।
राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच: किसान और स्थानीय व्यवसाय अपने उत्पादों को क्षेत्र से बाहर भी बेच सकेंगे, जिससे उन्हें बड़े बाजारों तक पहुंच मिलेगी और क्षेत्र में आर्थिक विविधता को बढ़ावा मिलेगा।

सामाजिक एकीकरण और समरसता

रेलवे लाइन विभिन्न समुदायों को जोड़ेगी, जिससे विभिन्न क्षेत्रों में सामाजिक एकीकरण और सामंजस्य को बढ़ावा मिलेगा। जम्मू और कश्मीर के विभिन्न हिस्सों के साथ अन्य राज्यों के लोगों के बीच सांस्कृतिक मेल-मिलाप को बढ़ावा मिलेगा। इससे राष्ट्रीय एकता की भावना मजबूत होगी।

राष्ट्रीय सुरक्षा और रणनीतिक महत्व

इस परियोजना के जरिए सैन्य साजो सामान की तेज आपूर्ति सुनिश्चित होगी। इससे रणनीतिक आवाजाही में सुधार होगा और राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूती मिलेगी। यह समग्र परियोजना सुरक्षा ढांचे को मजबूत करती है, जो निरंतर सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए आवश्यक है।

पर्यावरणीय लाभ

रेलवे लाइन का विद्युतीकरण कार्बन उत्सर्जन को कम करता है, साथ ही पर्यावरण के अनुकूल परिवहन का विकल्प भी प्रदान करता है। इससे क्षेत्र में प्रदूषण घटता है और समग्र कार्बन फुटप्रिंट्स कम करने में महत्वपूर्ण योगदान मिलता है। यह पहल स्वच्छ और टिकाऊ विकास की दिशा में एक बड़ा कदम है।

USBRL परियोजना में नई रेलवे लाइन के निर्माण से जम्मू और कश्मीर के सामाजिक-आर्थिक विकास पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ेगा। इससे बुनियादी ढांचे में सुधार होगा, रोजगार पैदा होगा, व्यापार को बढ़ावा मिलेगा और कनेक्टिविटी बढ़ेगी, जिससे दीर्घकालिक आर्थिक समृद्धि आएगा। यह बहुआयामी विकास सुनिश्चित करता है कि उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला परियोजना जम्मू और कश्मीर के सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

Page 3_16.12..2018 PAGE-04.qxd 14-04-2025 22:31 Page 1

बेमौसम बारिश ने बढ़ाई किसानों की परेशानी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार के कई जिलों में धूप छांव का खेल जारी है। आज पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सीवान, सीतामढ़ी, मधुबनी, दरभंगा, सुपौल, अररिया, किशनगंज, भागलपुर, बांका, जमुई, नवादा, नालंदा, शेखपुरा, पटना, जहानाबाद, अरवल, कैमूर, रोहतास, भोजपुर और बक्सर समेत 23 जिलों बारिश और वज्रपात का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने कहा कि इन जिलों में मध्यम दर्जे की मेघ गर्जन, वज्रपात, और बारिश के आसार है। इन जिलों में हवा की गति 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार चलने के आसार हैं। मौसम विभाग ने नालंदा, नवादा, शेखपुरा, लखीसराय, जमुई, बांका, भागलपुर, मुंगेर, बेगूसराय में रेड अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में वज्रपात और ओलावृष्टि के भी आसार जताए गए हैं। वहीं पटना समेत कई इलाके में आसमान में घने बादल छा गए। तेज हवा चलने लगे। शाम पांच बजते ही झमाझम बारिश होने लगी।

- कई जिलों में हुआ रेड अलर्ट जारी
- मौसम की बेरूखी से किसान मर्माहत
- फसलों को पहुंचा भारी नुकसान
- किसानों को सहायता की दरकार

वहीं पिछले 24 घंटे में सबसे अधिक बारिश 18.4 एमएम भागलपुर में हुई। इसके बाद पूर्णिया में 10.5 एमएम और गोपालगंज में 10 एमएम बारिश दर्ज की गई। इस कारण मक्के की फसल को काफी नुकसान पहुंचा। किसानों को गेहूं सुखाने में भी काफी परेशानी का सामना पड़ रहा है। पिछले 24 घंटे में सहरसा का तापमान 19.5 डिग्री रिकॉर्ड किया गा है।

पटना मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, बंगाल की खाड़ी और पश्चिमी विक्षोभ से अलग-अलग आ रहीं नम हवाओं की टकराहट से बिहार में आंधी, बारिश और वज्रपात हो रहा है। इससे बादल बनते रहेंगे। ऐसे मौसम में गरजने वाले बादल अधिक बनते हैं। 17 अप्रैल को एक और पश्चिमी विक्षोभ आने के बाद मौसम में बदलाव होगा। मौसम विज्ञान केंद्र ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि बारिश और वज्रापत को लेकर मौसम विभाग ने लोगों से अपील की है कि सभी लोग खराब मौसम में पूरी सतर्कता बरतें। खराब मौसम होने पर वज्रपात से बचाव के लिये आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा समय-समय पर जारी किये गये सुझावों का अनुपालन करें। खराब मौसम में घरों में रहें और सुरक्षित रहें। वहीं मौसम विभाग ने लोगों से अपील कि है कि खराब मौसम के दौरान अपने पशुधन और खुद को बाहर निकलने से बचें।

बम के धमाके से उड़ी छत

मोतिहारी। जिले के कुंडवा चैनपुर थाना क्षेत्र के जटवलिया गांव में शनिवार रात एक आवासीय घर में हुए बम विस्फोट से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। विस्फोट इतना जबरदस्त था कि कपिल देव दुबे के घर की दीवारें और एसीबेस्टस की छत उड़ गई। हालांकि, इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

घटना के बाद घर के सभी सदस्य फरार बताए जा रहे हैं। सूचना मिलते ही कुंडवा चैनपुर पुलिस मौके पर पहुंची और एफएसएल टीम के साथ जांच शुरू कर दी है। वहीं, बम निरोधक दस्ते को भी मौके पर बुलाने के लिए संपर्क किया गया है। गांव में डर और दहशत का माहौल है, और घटना स्थल पर पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

पढ़ें: सहरसा जंक्शन का एजीएम ने किया निरीक्षण, अमृत भारत योजना के तहत बन रहा स्टेशन भवन मई तक होगा तैयार जानकारी के अनुसार, विस्फोट से क्षतिग्रस्त हुआ घर कपिल देव दुबे का है। उनके पुत्र छोटेलाल दुबे पर दो महीने पहले गांव के ही नंद किशोर दुबे पर चाकू से हमला करने का आरोप है।

पुआल पर बिजली गिरने से एक ही परिवार के तीन सदस्यों की जलकर मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

करपी। अरवल जिले के वंशी थाना क्षेत्र के शादीपुर गांव में सोमवार की शाम दिल दहलाने वाली घटना हुई। आंधी-बारिश के बीच आसमानी बिजली गिरने से एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई। तीनों का शव भी धू-धूकर जल गया।

दरअसल, घटना से पूर्व पिता-मां व पुत्री तीनों मिलकर खेत में चना की फसल काट रहे थे। तभी तेज बारिश आने पर बचने के लिए कुछ दूरी पर पुआल के टाल की ओट में छिप गए थे। जहां आसमानी बिजली गिरने से पुआल में आग लग गई, जिसमें मौत के बाद तीनों का शव भी जल गया। मृतकों में शादीपुर गांव निवासी 48 वर्षीय अवधेश यादव, उनकी पत्नी 45 वर्षीय राधिका देवी तथा पुत्री 18 वर्षीय रिंकू कुमारी हैं।

घटनास्थल पर आग देख लोगों की भीड़ जुट गई। लोगों ने आनन फानन डायल 112 व अग्निशमन विभाग को सूचना दी, पुलिस व दमकल कर्मियों ने पहुंचकर बारिश के बीच काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

हालांकि तबतक तीनों का शव काफी जल चुका था, जिसे कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल अरवल भेजा गया।

ग्रामीणों ने बताया कि पिछले कई दिनों से मौसम खराब होने के कारण परिवार के तीनों सदस्य चना की कटनी करने में जुटे थे, तभी तेज आंधी-बारिश के बीच आसमानी बिजली गिरने से हृदयविदारक घटना हो गई।

ग्रामीणों ने बताया कि इसी 25 अप्रैल को रिंकू कुमारी की शादी थी। तीन बेटियों की पूर्व में शादी हो चुकी है। एक बेटा था, जिसकी मौत भी चार-पांच साल आग लगने से हो गई थी।

शादीपुर स्थित घर पर इस परिवार में अब कोई नहीं बचा। एक साथ पति-पत्नी व पुत्री की मौत से पूरे गांव में कोहराम मच गया।

जिन लोगों ने भी इस मंजर को देखा उनका कलेजा दहल उठा, शोरगुल से पूरे गांव में अफरा-तफरी मच गई।

पति-पत्नी के झगड़े में दो बच्चों की गयी जान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गया। थाना क्षेत्र के एक गांव में पति के द्वारा मारपीट करने के बाद पत्नी ने अपने दो बच्चों को जहर दे दिया और खुद भी खा ली। घटना सोमवार की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पति पेशे से ट्रक चालक है। वह रविवार को आया और पत्नी पर नाजायज संबंध का आरोप लगाते हुए मारपीट की। उसके बाद अपने बड़े बेटे के साथ वह अपने ट्रक को लेकर चला गया। इसी बात से गुस्से में आकर पत्नी ने सोमवार को अंडा में सल्फास डालकर अपनी बेटी (12 वर्ष) और पुत्र (10 वर्ष) को खिला दिया और खुद खा ली।

सल्फास खाने के बाद बेटी ने तुरंत दम तोड़ दिया, वहीं बेटा चिल्लाने लगा। जिसके बाद आस-पास के लोग मां और बेटा को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र डोभी ले गए।

जहां चिकित्सक डॉ ऋषि राज ने दोनों को प्राथमिक इलाज के बाद बेहतर इलाज के लिए मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से गया जाने के क्रम में रस्ते में ही संकेत ने दम तोड़ दिया।

वहीं, महिला का इलाज चल रहा है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में महिला ने 112 नंबर के पुलिसकर्मी को एक पत्र दिया है। जिसमें अपने पति पर नाजायज धंधा करवाने का आरोप लगाया है, जिसमें दस से पंद्रह आदमी का नाम लिखा गया है।

इधर घटना के बाद शेरघाटी टू संजीत प्रभात ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। एस आई सत्यम कुमार को एफएसएल की टीम से जांच करवाने का निर्देश दिया।

घर में अंडा का ऑमलेट पाया गया है। पुलिस बेटी के शव को पोस्टमार्टम हेतु मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजने के लिए पंचनामा कर रही है। वही, डीएसपी ने बताया कि नाजायज संबंध का मामला सामने आया है। महिला के पति को जानकारी दे दी गई है। पूर्व में भी इस घर में आगलगी की घटना घट चुकी है।

लव जिहाद में फंसी युवती ने प्रताड़ना से तंग आकर ली पुलिस की शरण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

लखीसराय। हिंदू लड़की भोग की वस्तु है। यदि पत्नी का हक चाहिए तो शादी से पहले मतांतरण जरूरी है। हिंदू रीति रिवाज को त्याग कर मुस्लिम धर्म की व्यवस्था को अपनाना होगा। गो मांस खाना होगा एवं अन्य लोगों से शारीरिक संबंध भी बनाने होंगे। शिक्षा विभाग का लिपिक कमाल अशरफ 16 वर्षीय किशोरी (वर्ष 2024 में बनी शिक्षा विभाग की बीपीएम) को प्रेम जाल में फंसाने के जब वह बालिग हुई और एक बच्चे की मां बनी तो उक्त बातों को लेकर दबाव बनाता था।

उसके साथ अमानवीय व्यवहार करता था। अपने साथी शिक्षक के साथ न सिर्फ शारीरिक संबंध बनाने को कहता था, बल्कि पूजा-पाठ सहित अन्य सनातनी परंपरा का विरोध करते हुए ऐसा करने से मना करता था। विरोध करने पर मारपीट करता था। 12 सितंबर 2024 को पूजा करने के लिए मंदिर

जाते देख बेरहमी से पीट दिया जिससे महिला बीपीएम का हाथ एवं पैर भी टूट गया।

लखीसराय के डॉक्टर पंकज के यहां उसने अपना इलाज कराया। शिक्षा विभाग की बीपीएम ने ये बातें अपनी प्राथमिकी एवं पुलिस को दिए बयान में कही है।

अशरफ ने सुमित कुमार बनकर फंसाया प्रेमजाल में

गौरतलब है कि कमाल अशरफ पब्लिक प्लस टू हाई स्कूल सूर्यगढ़ा में पदस्थापित एवं शिक्षा विभाग के डीपीओ स्थापना में प्रतिनियुक्त लिपिक है। वर्ष 2012 में उक्त लिपिक जनता उच्च विद्यालय अलीनगर में पदस्थापित था। इसी दौरान लिपिक कमाल अशरफ ने खुद को राजस्थान का सुमित कुमार बताकर 16 वर्षीय किशोरी को प्रेमजाल में फंसाया और अपने साथ ले भागा। इसके बाद बालिग होने तक किशोरी का जमुई, आसनसोल एवं मुंगेर में रखकर यौन शोषण करते रहा। लिपिक कमाल अशरफ ने लड़की के बालिग होने तक उसको खुद के मुस्लिम होने का पता नहीं चलने दिया।

वर्ष 2014 में गर्भवती होने पर लड़की ने कथित सुमित कुमार से गर्भपात कराने की इच्छा जताई, लेकिन उसने लड़की को पूरी तरह अपने कब्जे में करने के उद्देश्य से गर्भपात नहीं कराने दिया।

इतना ही नहीं, गर्भवती होने के साथ-साथ लड़की के बालिग होने पर कथित सुमित उसे लखीसराय न्यायालय लेकर आया और 164 के तहत दर्ज कराए। बयान में उसके साथ शादी करने की बात स्वीकार कराते हुए मामले को रफा-दफा करा दिया गया था। अब उसे न तो पुलिस का और न ही लड़की के स्वजन को भय रहा।

जनवरी 2015 में वह कुंवारी मां बन गई। इसके बाद शादी का दबाव डालने पर कथित सुमित ने लड़की को अपना असली परिचय देते हुए मतांतरण करने के लिए प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। लड़की पूरी तरह से कमाल अशरफ के जाल में फंस चुकी थी।

लिपिक कमाल अशरफ द्वारा कुरान पढ़ने, गो मांस खाने, प्राथमिक विद्यालय मकतब बालगुदर के शिक्षक इब्राहिम अहमद उर्फ शमशाद आलम के साथ शारीरिक संबंध बनाने एवं मतांतरण करने के लिए पीड़िता को हर तरह से प्रताड़ित किया जाने लगा।

हालांकि, तमाम प्रताड़ना सहने के बावजूद पीड़िता ने इस्लाम धर्म नहीं कबूला। अब वह लिपिक कमाल अशरफ एवं उसके सहयोगी को सजा दिलाने के लिए पुलिस की शरण में है।

पशुपति पारस ने तोड़ा एनडीए से नाता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। डॉ. बीआर आंबेडकर की जयंती पर सोमवार को पटना के बापू सभागार में राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी (रालोजपा) की ओर से आयोजित संकल्प महासम्मेलन असरदार दिखी। कार्यक्रम में आए सभी जिलाध्यक्षों और कार्यकताओं को संबोधित करते हुए पार्टी प्रमुख पशुपति कुमार पारस ने एनडीए से नाता तोड़ने की घोषणा की।

उन्होंने वक्फ संशोधन कानून को लेकर केंद्र सरकार और चौकीदार-दफादार में पासवान जाति की उपेक्षा को लेकर नीतीश सरकार पर जोरदार हमला बोला। कहा- भाजपा की नेतृत्व वाली केंद्र व राज्य की एनडीए सरकार घोर दलित और अल्पसंख्यक विरोधी है।

'मैं एनडीए से नाता तोड़ने की घोषणा करता हूं...'

पशुपति पारस ने कहा कि आज डॉ. आंबेडकर जयंती पर एनडीए से अपनी पार्टी का नाता तोड़ने की घोषणा करता हूं। हम अब एक नया बिहार बनाएंगे और सभी 243 विधानसभा सीटों पर पार्टी को मजबूत करेंगे, जो गठबंधन उचित सम्मान देगा, उसमें शामिल होंगे। पार्टी बड़े जन आंदोलन की तैयारी में है। दलितों, पिछड़ों, और वंचित वर्गों के लिए संघर्ष जारी रखेंगे।

उन्होंने रामविलास पासवान को भारत रत्न देने एवं निजी क्षेत्र की नौकरियों में आरक्षण लागू करने की मांग सरकार से की।

इस मौके पर पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता श्रवण कुमार अग्रवाल ने सभी अतिथियों व कार्यकताओं का स्वागत करते हुए कहा कि एक-एक कार्यकर्ता का सम्मान पार्टी का सम्मान है। रालोजपा विधानसभा चुनाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इसमें हमारे तमाम कार्यकताओं की बड़ी भूमिका होगी। हमारी पार्टी जनता के वोट से जनता के लिए काम करनेवाली सरकार बनाएगी। प्रधान महासचिव केशव सिंह ने कार्यक्रम का संचालन किया। लोक गायक आलोक पासवान ने रालोजपा की सदस्यता ग्रहण की।

सरकारी दफ्तरों पर बिचौलियों का कब्जा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अररिया। नरपतगंज क्षेत्र में प्रखंड मुख्यालय सह अंचल मुख्यालय से लेकर कई सरकारी विभाग के दफ्तरों में दलालों और बिचौलियों का वर्चस्व देखा जा रहा है। भूमि संबंधित अगर कोई काम चाहते हैं तो कर्मचारी के पास अनगिनत दलाल मौजूद रहते हैं।

पहले आपको दलाल ही कार्य का शुल्क बताएंगे, उनके मुताबिक अगर रुपया दे दिया तो आपका काम आसान हो जाएगा। अन्यथा आप प्रखंड व अंचल मुख्यालय का चक्कर लगाते रहें। उक्त बातें बजरंग दल के पूर्व जिला संयोजक मनोज सोनी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कही।

उन्होंने कहा सरकारी पंजी में सरकार के कर्मियों द्वारा ही लेखा-जोखा के रिकॉर्ड में की गई गड़बड़ी का सुधार करने के नाम पर उल्टे पीड़ित से ही मोटी रकम दलाल के माध्यम से ली जाती है।

उन्होंने कहा जरूरतमंद लोगों से ज्यादा अंचल मुख्यालय एवं अन्य कई सरकारी दफ्तर के आगे पीछे कार्यालय में दलाल लोग नजर आते हैं।

उनसे पूछताछ करने वाला कोई नहीं है। नरपतगंज प्रखंड की बदहाल स्थिति से लोग परेशान हो रहे हैं। सरकारी कार्य करने के लिए अंचल के चक्कर लगाते रहते हैं। वहीं, दलाल के माध्यम से काम आसानी से हो जाता है।

उन्होंने कहा आज से 40 साल पहले नरपतगंज के लोगों को जो परेशानी थी आज भी उसी परेशानी को झेल रहे हैं। आज भी बिना दलाल का कोई काम नहीं हो रहा है। छोटे-छोटे कार्य के लिए लोगों का चप्पल घिर जाता है और अधिकारी बराबर मीटिंग में व्यस्त रहते हैं।

नरपतगंज की एक किसान ने बताया कि परिमार्जन के नाम पर तीन से चार हजार राजस्व कर्मचारी द्वारा लिया गया, लेकिन कार्य नहीं किया गया। किसान ने बताया कि परिमार्जन, म्यूटेशन, दाखिल-खारिज, बंटवारा जैसे कार्य करने के लिए मोटी रकम की उगाही दलालों द्वारा की जाती है।

अगर जिले के वरीय अधिकारी औचक निरीक्षण करें तो कई ऐसे दलाल गिरफ्त में आ सकते हैं, लेकिन ऐसा किया नहीं जाता है। राजस्व कर्मचारी के पास चार से पांच दलाल बैठते हैं और रूम को बंद करके रखा जाता है। किसी बाहरी आदमी को अंदर प्रवेश नहीं करने दिया जाता है।

अगर कोई भूमि संबंधी सुधार के लिए प्रखंड सह अंचल कार्यालय जाता है तो उसको एक महीना लग जाता है। कभी पदाधिकारी नहीं मिलते हैं तो कभी राजस्व कर्मचारी ही नहीं मिलते हैं। अधिकतर राजस्व कर्मचारी क्षेत्र से गायब रहते हैं। कई बार इसको लेकर शिकायत भी की गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई।

नवाबगंज पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि अरुण यादव ने बताया कि नवाबगंज के हल्का कर्मचारी पंचायत में नहीं आते हैं, जिसको लेकर अंचल पदाधिकारी के पास शिकायत की गई है। शिकायत करने के बावजूद भी कोई सुधार नहीं किया गया।

भंगही पंचायत में जमाबंदी पंजी में छेड़छाड़ का मामला भी चर्चा में है, जो दबाने का प्रयास किया जा रहा है। इस संदर्भ में अंचल पदाधिकारी रविंद्र कुमार ने बताया कि इस तरह की जानकारी प्राप्त नहीं है अगर मिलेगी तो कार्रवाई की जाएगी।

मनायी गयी बाबा भीमराव अम्बेदकर जयंती

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शिवाजीनगर। प्रखंड के करियन पंचायत के भड़रिया गांव में बाबा साहब डॉक्टर भीम राव अंबेडकर की 135 वां जयंती समारोह बड़े हर्षोल्लास के साथ मनायी गयी। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रखंड प्रमुख डॉ गोबिंद कुमार, बीडीओ आलोक कुमार सिंह, पंचायत मुखिया संजीव कुमार पासवान सहित अन्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर किया।

कार्यक्रम दौरान उपस्थित अतिथियों ने अपने अपने विचारों को रखते हुए उनके पद चिन्हों पर चलने का संकल्प लिया। मौके पर रजौर रामभद्रपुर पंचायत मुखिया राम चंद्र सिंह, ईसर देव पासवान,राम कृपाल पासवान, रंजीत पासवान, किशोर पासवान, सूर्य नारायण पासवान, दीपक कुमार, सुजीत कुमार, अरुण कुमार, राज कुमार पासवान, दिव्यानी कुमारी, बुधन पासवान, घूरन यादव, प्रदीप कुमार पासवान, पूनम कुमारी, जय कांत, मदन प्रसाद ,चंदन कुमार, राहुल चौधरी, सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे।

जिले में 15 जगहों पर खुलेगा आयुष्मान आरोग्य मंदिर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर। आयुष मंत्रालय की पहल पर अब गांव में आयुष्मान आरोग्य मंदिर बन रहे हैं। पहले से स्थापित स्वास्थ्य केन्द्र के भवन को विकसित करते हुए वहां पर आयुष्मान आरोग्य मंदिर बनाया जा रहा है। इसके संचालन की जवाबदेही देसी चिकित्सा पदाधिकारी के अधीन की गई है।आयुष्मान आरोग्य मंदिर के लिए चिकित्सक की तैनाती हो गई है। पहले चरण में जिले के 15 सेंटर का चयन किया गया है। जहां पर होम्योपैथिक, यूनानी व आयुर्वेद के चिकित्सक तैनात किए गए हैं। जिला देसी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ.किरण शुक्ला ने कहा कि जिले में 15 सेंटर का चयन किया गया है। वहां पर आयुष चिकित्सक को तैनात किया गया है।

उन सेंटर पर फर्नीचर, आयुष से संबंधित दवा के साथ वहां पर आयुर्वेद पार्क भी बनेगा। केंद्र में गमले पर औषधीय पौधे लगाए जा रहे हैं। उसके महत्व को ग्रामीणों को बताया जाएगा। डॉ.शुक्ला ने कहा कि इस माह सब कुछ व्यवस्थित हो जाएगा।

राज्य मुख्यालय से दवा व फर्नीचर व अन्य जरूरी उपकरण वहां से आ रहे हैं। इसे हर सेंटर पर भेजा जा रहा है। पहले से देसी चिकित्सा पदाधिकारी के अधीन चलने वाले सेंटर के साथ-साथ अन्य सेंटर को भी इसमें रखा गया है। बताया कि आने वाले दिनों में गांव में हमारी पुरानी पद्धति से इलाज किया जाएगा।

स्वास्थ्य उपकेन्द्र कोदरिया मीनापुर, राजकीय होम्योपैथिक औषधालय बेदौल, राजकीय आयुर्वेद औषधालय चैनपुर मोतीपुर, राजकीय औषधालय सरैया, स्वास्थ्य केन्द्र कुलदीप सरैया, राजकीय आयुर्वेद औषधालय बरियापुर मुरौल, स्वास्थ्य उपकेन्द्र मधुबन प्रताप औराई। स्वास्थ्य उपेन्द्र गोपालपुर कांटी, स्वास्थ्य उपकेन्द्र शंकरपुर तेपरी बंदरा, स्वास्थ्य उपकेन्द्र बेलाही लच्छी, मीनापुर, स्वास्थ्य उपकेन्द्र हुस्सैपुर साहेबगंज, स्वास्थ्य उपकेन्द्र बाजिदपुर बोचहां, मथुरापुर मुकुंद सकरा, पिरौंछा गायघाट शामिल है।

अगलगी में मासूम की गयी जान

पूर्णिया। बिहार के पूर्णिया जिले में भवानीपुर प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत शहीदगंज पंचायत के वार्ड संख्या-4 में अचानक लगी आग ने एक गरीब परिवार की दुनिया उजाड़ दी।

इस दर्दनाक हादसे में छह वर्षीय बालक असीजम उर्फ अलीजाम की जलकर मौत हो गई, जबकि घर में रखा लाखों रुपये मूल्य का सामान जलकर खाक हो गया।

मृतक के पिता मोहम्मद नाजिम दो महीने पहले परिवार की आजीविका चलाने दिल्ली गए थे, जहां वह मजदूरी कर घर खर्च और बच्चों की पढ़ाई-पलन-पोषण का जिम्मा निभा रहे थे।

प्राथमिक शिक्षकों को ट्रेनिंग के हिसाब से मिलेगी सैलरी

उच्च न्यायालय का ऐतिहासिक फैसला

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार के प्राथमिक शिक्षकों को लेकर पटना हाई कोर्ट ने एक ऐतिहासिक और दूरगामी प्रभाव वाला निर्णय सुनाया है।

न्यायाधीश पी. बी. बजनथ्री और न्यायाधीश आलोक कुमार सिन्हा की खंडपीठ ने बिहार सरकार की अपील पर फैसला सुनाते हुए कहा कि राज्य के प्रशासनिक विलंब का खामियाजा शिक्षकों को नहीं भुगतना चाहिए।

इसके तहत वर्ष 2013-15 सत्र के प्रशिक्षित शिक्षकों को मई 2017 से प्रशिक्षित वेतनमान देने का आदेश दिया गया है।

कोर्ट ने स्पष्ट किया कि शिक्षकों ने मई 2017 में अपना प्रशिक्षण पूरा कर लिया था, लेकिन परीक्षा परिणामों में देरी के कारण उन्हें प्रशिक्षित वेतनमान से वंचित रखा गया।

न्यायालय ने इसे न केवल अनुचित बताया, बल्कि यह भी कहा कि कोई व्यक्ति अपनी गलती का लाभ नहीं उठा सकता और किसी के वास्तविक अधिकार को नकार नहीं सकता।

कोर्ट ने दोहराया कि शिक्षकों द्वारा निर्धारित समय पर प्रशिक्षण पूरा कर लेने के बावजूद केवल प्रशासनिक प्रक्रियाओं की देरी के कारण वेतन लाभ से वंचित करना पूरी तरह से अन्यायपूर्ण है।

पीड़ित शिक्षकों की ओर से पैरवी कर रहीं अधिवक्ता डॉ. शुचि भारती ने इस निर्णय पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा, यह कानूनी लड़ाई बहुत लंबी और कठिन रही, लेकिन अंततः न्याय मिला है। यह निर्णय समान परिस्थितियों में कार्यरत अन्य शिक्षकों पर भी समान रूप से लागू होगा, जिससे सेवा और आर्थिक लाभों में समानता सुनिश्चित होगी।

निजी कार्यक्रम में समस्तीपुर पहुंचे शक्तिमान

अभिनेता मुकेश खन्ना ने बिहार की शिक्षा और राजनीति पर दी नसीहतें

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

समस्तीपुर। धारावाहिक महाभारत में भीष्म पितामह व शक्तिमान का किरदार निभाने वाले अभिनेता मुकेश खन्ना सोमवार को समस्तीपुर पहुंचे। एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने बिहार की शिक्षा और राजनीति पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि कभी शिक्षा का गढ़ रहा बिहार आज अपने मूल्यों से भटक गया है।

उन्होंने कहा कि नालंदा जैसी विश्वविख्यात संस्था वाले राज्य में अब परीक्षा के दौरान खिड़कियों से नकल कराते अभिभावक नजर आते हैं, जो बेहद शर्मनाक है।

श्री खन्ना ने बताया कि हाल के दिनों में उन्होंने बिहार के कई स्कूलों का उद्घाटन किया है। इस दौरान उन्होंने शिक्षा को सबसे बड़ा दान बताते हुए कहा कि अगर जितने मंदिर खोले जाते हैं, उतने स्कूल भी खोले जाएं, तो देश की तस्वीर बदल सकती है।

राज्य की राजनीतिक स्थिति पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि बिहार आज भी लालू और आलू से ऊपर नहीं उठ पाया है। सड़कें नहीं बनीं, विकास ठप है।

उन्होंने याद किया कि एक बार लालू यादव ने बिहार की सड़कों की तुलना हेमा मालिनी के गालों से की थी, जो उन्हें अनुचित लगा। मुकेश खन्ना ने कहा कि बिहार में हर घर में कट्टा है। जनता को भी अब समझदारी दिखानी होगी और सही नेताओं का चुनाव करना होगा।

उन्होंने राजनीति को आम जनजीवन पर हावी बताते हुए कहा कि लोगों को पहले खुद सिविलाइज होना होगा।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री कहते हैं कि मेरा देश प्रगति पर है, तो फिर बिहार प्रगति पर क्यों नहीं है? यहां ट्रेनों में लोग लटक-लटककर सफर करते हैं। 50 और ट्रेनें चलाई जाएं, बुलेट ट्रेन जैसी योजनाएं बंद की जाएं जो आम जनता के काम की नहीं हैं। उन्होंने आगे कहा कि देश की राजनीति ऐसी हो गई है कि जो प्रधानमंत्री बनता है, उसे पूरे देश का राजा बना दिया जाता है। नहीं तो कोई कोलकाता से कहता है कि हम उसे यहां नहीं आने देंगे। देश किसी के बाप का नहीं है।

मुकेश खन्ना ने आगे सरदार वल्लभभाई पटेल का जिक्र करते हुए कहा कि पटेल जी ने रियासतों को जोड़कर राष्ट्र का निर्माण किया था, लेकिन आज फिर से रियासतें बन रही हैं।

उन्होंने कहा कि केरल अलग है, बिहार अलग है, पंजाब अलग हो गया है। मुकेश खन्ना ने कहा कि अकेले मोदी जी क्या कर सकते हैं? उनका प्रभाव वहीं तक सीमित है, जहां उनकी खुद की सरकार है। इसलिए लोगों को चाहिए कि विकास कार्यों के लिए केंद्र और राज्य दोनों जगह एक ही सरकार को चुना जाए, नहीं तो केजरीवाल जैसे हालात होंगे। पांच साल सिर्फ झगड़ा, काम कुछ नहीं।

कांग्रेस के बयान से राजनीति में आयी गर्माहट

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। कांग्रेस के एक नेता ने गठबंधन के खिलाफ बयान देकर राजनीतिक गर्माहट बढ़ा दी है। कांग्रेस नेता ने कहा है कि नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी का चेहरा उन्हें किसी भी हालत में स्वीकार नहीं है। कांग्रेस नेता ने तो यहां तक कह दिया कि तेजस्वी यादव पर एक आरोप है, जो चुनाव में जीत का बाधा बनेगा।

कांग्रेस नेता के इस बयान पर भाजपा नेता नीरज कुमार ने तंज कसते हुए कहा है कि हम लोग शुरू से कहते आ रहे हैं कि कांग्रेस तेजस्वी यादव को कभी भी मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित नहीं करेगी। क्योंकि उनका जो काला इतिहास है, उनका पीछा छोड़ नहीं रहा है। बिहार में जो राष्ट्रीय जनता दल का जंगल राज रहा है, इतिहास उसका पीछा छोड़ेगा नहीं। भाजपा नेता नीरज कुमार ने कहा कि यह महत्वाकांक्षी गठबंधन है, स्वार्थ से सना हुआ गठबंधन है। ऐसे गठबंधनों का हश्र यही होता है कि यह कितना भी बैठक उठक कर लें, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है। भाजपा नेता नीरज कुमार ने कहा कि यह चुनाव के पहले खत्म हो जाने वाला गठबंधन है। ये सभी अपने ही महत्वाकांक्षा के तले दब कर समाप्त हो जाएंगे।

दरअसल मिली जानकारी के मुताबिक कांग्रेस पार्टी के लीगल सेल के उपाध्यक्ष यशवंत कुमार ने तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनाये जाने पर आपत्ति जाहिर की है। उन्होंने अपनी यह बात पहले सोशल मीडिया पर पोस्ट की थी, जिसे बाद में उन्होंने डिलीट कर लिया था। फिर उन्होंने यह बात एक न्यूज चैनल पर बयान दिया कि नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव का चेहरा उन्हें किसी भी हालत में स्वीकार नहीं है। कांग्रेस नेता ने यह भी कहा कि तेजस्वी यादव पर एक आरोप है, जो चुनाव में जीत का बाधा बनेगा।

लीगल सेल के उपाध्यक्ष यशवंत कुमार के इस बयान के बाद कांग्रेस के खेमे ही हलचल बढ़ सी गई है। जानकार तो यह भी बता रहे हैं कि इसको लेकर बिहार के प्रदेश अध्यक्ष को दिल्ली बुलाया गया है। फिलहाल यशवंत कुमार के इस बयान से गठबंधन में हलचल जरुर मच गया है।

बिहार में प्रधानमंत्री आवास योजना की प्रतीक्षा सूची हुई समाप्त

मुख्यमंत्री की मांग पर केंद्र बिहार के लिए 5 लाख 20 हजार अतिरिक्त आवास स्वीकृत किए

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत बिहार में प्रतीक्षा सूची समाप्त हो गई है। केंद्रीय ग्रामीण मंत्रालय ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 5 लाख 20 हजार 742 अतिरिक्त संख्या में आवास आवंटित कर दिया है। इन अतिरिक्त आवासों के आवंटन से राज्य में पीएम आवास योजना की 2018 से चली आ रही प्रतीक्षा सूची तकरीबन समाप्त हो गई है। सूची में मौजूद लगभग सभी लाभुकों को आवास मिलने का रास्त साफ हो गया है। इस मामले को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने केंद्र सरकार से मांग की थी। इसके मद्देनजर ही केंद्र सरकार ने यह अतिरिक्त सुविधा प्रदान की है। केंद्रीय कृषि एवं किसान और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पत्र लिखकर पूरी स्थिति से अवगत कराया है। ग्रामीण विकास मंत्रालय के इस पत्र में कहा गया है कि केंद्रीय मंत्रिमंडल की 9 अगस्त 2024 को हुई बैठक में ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ती आवास की जरूरतों को पूरा करने के लिए 2 करोड़ अतिरिक्त घरों के निर्माण से संबंधित योजना को मंजूरी प्रदान करते हुए इस योजना का विस्तार आगामी 5 वर्षों 2029 तक करने की सहमति दी थी। इसके अनुसार इस योजना के शुरू होने से 2024-25 तक बिहार को 44 लाख 92 हजार 10 घर आवंटित किए गए हैं। ग्रामीण विकास मंत्रालय, देश के ग्रामीण क्षेत्रों में सभी के लिए आवास मुहैया कराने के उद्देश्य से 1 अप्रैल 2016 से प्रधानमंत्री आवास योजना की शुरूआत की थी जिसका क्रियान्वयन राज्यों के सहयोग से किया जा रहा है। इस पत्र में इस बात का खासतौर से उल्लेख किया गया है कि अतिरिक्त आवासों का आवंटन करने से प्रतीक्षा सूची को संतृप्त यानी पूरी कर दी गई है। अब तक की स्थिति के आधार पर राज्य में लाभुक की लंबित प्रतिक्षा सूची तकरीबन पूरी हो गई है। अब राज्य में नए स्तर से सर्वे करके कच्चे मकान में रहने वाले गरीबों की सूची तैयार की जाएगी।

अंबेडकर जयंती पर भाजपा कार्यालय में दी गई श्रद्धांजलि

वंचितों को हक दिलाने की दिशा में मोदी सरकार प्रतिबद्ध : प्रमोद सिंह चंद्रवंशी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

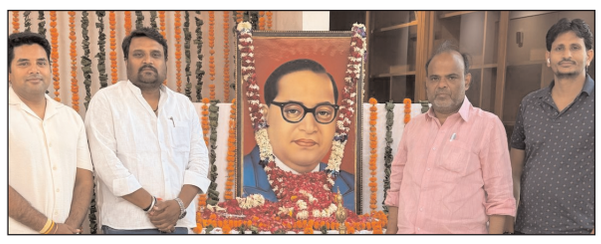

पटना/नयी दिल्ली। संविधान निर्माता बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में उनके तैल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। इस मौके पर भाजपा अति पिछड़ा प्रकोष्ठ बिहार प्रदेश के संयोजक प्रमोद सिंह चंद्रवंशी ने कहा कि अंबेडकर ने देश को केवल संविधान ही नहीं दिया, बल्कि वंचितों और शोषितों को आवाज भी दी। प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए चंद्रवंशी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अंबेडकर के रास्ते पर चलकर संविधान की शक्ति को धरातल पर उतारने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बाबासाहेब की दूरदर्शी सोच का ही परिणाम है कि आज समाज के वंचित वर्ग की उपस्थिति संसद के दोनों सदनों में है और वे अपने हकों की बात उठा रहे हैं। श्री चंद्रवंशी ने इस बात पर जोर दिया कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश को पहली बार अनुसूचित जनजाति की महिला राष्ट्रपति मिली हैं। इससे पहले भी राष्ट्रपति पद पर अनुसूचित जाति से आने वाले रामनाथ कोविंद की नियुक्ति हुई थी। यह सब अंबेडकर के सपनों को साकार करने की दिशा में अहम कदम हैं। अति पिछड़ा समाज की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने जस्टिस रोहिणी आयोग का गठन कर पिछड़े वर्गों की वास्तविक स्थिति को जानने का प्रयास किया है। आयोग की रिपोर्ट आ चुकी है और इसे शीघ्र लागू करने की जरूरत है ताकि अति पिछड़ा समाज को लोकसभा और विधानसभा में आरक्षण का लाभ मिल सके। श्री चंद्रवंशी ने प्रधानमंत्री से अनुरोध किया कि रोहिणी आयोग की सिफारिशों को शीघ्र लागू कर अंबेडकर के अधूरे सपनों को पूरा किया जाए। कार्यक्रम में भाजपा अति पिछड़ा प्रकोष्ठ के सह संयोजक विरेंद्र सिंह चंद्रवंशी, पवन ठाकुर, अमरजीत सिंह, लक्ष्मण सिंह चंद्रवंशी, डॉ. जनक कुमार और आजाद कुमार ने भी अपने विचार व्यक्त किए। सभी ने अंबेडकर के बताए रास्ते पर चलने

मुर्शिदाबाद से हिंदुओं का पलायन गम्भीर संकट का संकेत: मंगल पाण्डेय

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। स्वास्थ्य व विधि मंत्री तथा पश्चिम बंगाल भाजपा के प्रभारी मंगल पाण्डेय ने कहा है कि मुर्शिदाबाद से बड़ी संख्या में जान-माल की सुरक्षा के लिए हिंदुओं का पलायन गम्भीर संकट का संकेत है। यह एक तरह से कश्मीर घाटी की घटनाओं को दुहराने की साजिश है जब हजारों कश्मीरी पंडितों को आतंक की वजह से वहां से पलायन करने के लिए विवश होना पड़ा था। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में सांप्रदायिक हिंसा के बाद एक हजार से ज्यादा लोग जिनमें महिलाएं व बच्चे भी हैं, को पलायन कर मालदा में शरण लेनी पड़ी है। स्थानीय प्रशासन व ममता सरकार की पुलिस द्वारा सुरक्षा सुनिश्चित नहीं होने के कारण ही इतनी बड़ी संख्या में डरे-सहमे लोगों को रात के अंधेरे में नदी पार कर मालदा में आकर जान बचानी पड़ी है। यह पूरी घटना शर्मनाक व ममता सरकार के लिए कलंक है। श्री पाण्डेय ने कहा कि ममता बनर्जी चुनाव को नजदीक देख कर सुहरावर्दी की तरह अपने कैडरों व पुलिस को डायरेक्ट एक्शन का निर्देश दे रही है।

पाठकों से
पटना आसपास की
खबरें पृष्ठ 10 पर देखिये

तेजस्वी की आज दिल्ली में खड़गे के साथ बैठक

सीट शेयरिंग और मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर हो सकती है चर्चा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर महागठबंधन के घटक दलों की 17 अप्रैल को पटना में होने वाली बैठक से पहले मंगलवार को दिल्ली में कांग्रेस और राजद की अलग से एक बैठक होगी। यह बैठक कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और बिहार विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी यादव के बीच होगी। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक खड़गे के आवास पर होने वाली इस बैठक में पार्टी के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी शामिल हो सकते हैं। दरअसल बिहार विधानसभा चुनाव के पहले महागठबंधन में मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर कांग्रेस और राजद के बीच खींचतान चल रही है। एक ओर जहां राजद की ओर से तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री के चेहरे के तौर पर पेश किया जा रहा है तो दूसरी ओर कांग्रेस कह रही है कि चुनाव बाद यह तय होगा कि मुख्यमंत्री कौन बनेगा। ऐसे में किसके नेतृत्व में चुनाव लड़ा जाएगा, महागठबंधन में यह तय नही हो पाया है। इस बीच राजद ने सीट शेयरिंग के लिए 17 अप्रैल को महागठबंधन के सभी घटक दलों की पटना में बैठक बुलाई है। इस बैठक में सीटों के बंटवारे और मुख्यमंत्री के चेहरे सहित कई मुद्दों पर चर्चा होगी। इसमें प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम और कांग्रेस के बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरु भी मौजूद रहेंगे। बैठक में अल्लावरु की पहली मुलाकात होगी जिसमें वे चुनावी रणनीतियों पर चर्चा करेंगे।

राजद सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार तेजस्वी यादव मंगलवार को दिल्ली के लिए रवाना हो गए। दिल्ली में वह कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे से मुलाकात करेंगे। उनकी कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ भी एक महत्वपूर्ण बैठक होगी। तेजस्वी यादव की यह मुलाकात बिहार विधानसभा चुनाव से पहले अहम माना जा रहा है। जानकारी के अनुसार खडगे के दिल्ली स्थित आवास पर तेजस्वी यादव की मुलाकात होगी। इस दौरान लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी मौजूद रह सकते हैं। तीनों नेताओं में मंगलवार को आगामी बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर अहम चर्चा होगी। कई रणनीतियां बनाई जाएगी। सूत्रों के अनुसार सीट शेयरिंग और मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर भी राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खडगे और तेजस्वी यादव के बीच चर्चा हो सकती है। बता दें कि कांग्रेस के हाल के दिनों में दिखे तेवर के बाद राजद ने भी तेवर दिखाने शुरू कर दिए और तेजस्वी यादव ने खुद को एक तरह से मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित कर दिया। उल्लेखनीय है कि अभी हाल में ही बिहार कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के साथ कांग्रेस आलाकमान की बैठक हुई थी और बिहार में मिलकर चुनाव लड़ने की बात कही गई थी। हालांकि, मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के नाम पर अब तक कांग्रेस की ओर से तेजस्वी की यादव के नाम पर हामी नहीं भरी गई है।

2025 से 30 फिर से नीतीश : नीरज कुमार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के इस बयान के बाद सूबे की सियासत गर्मा गई है कि सम्राट चौधरी के नेतृत्व में बिहार में विजय का झंडा फहराया जाएगा। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के बयान के बाद जदयू सामने आई। जदयू के मुख्य प्रवक्ता एवं विधान पार्षद नीरज कुमार ने सोमवार को जारी बयान में कहा कि बिहार के सरजमी से एक ही बात निकलती है नीतीश है तो निश्चिंत हैं। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सार्वजनिक तौर पर यह कह दिया है कि अगला चुनाव नीतीश जी के नेतृत्व में ही लड़ेंगे। सम्राट चौधरी भी कई बार ऐसा कह चुके हैं। इस बार भी नीतीश कुमार के नाम पर एनडीए के पांचों घटक दलों की सहमति बन चुकी है। 2025 से 30 फिर से नीतीश। दरअसल, नई दिल्ली से सटे गुरुग्राम में रविवार को महात्मा ज्योतिबा फूले की जयंती मनाई गई। इस मौके पर ऑल इंडिया सैनी सेवा समाज कार्यक्रम द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सम्राट चौधरी के साथ हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी पहुंचे थे।

बाबा साहब के विचारों को वंचितों शोषितों तक पहुंचाएगी कांग्रेस : राजेश राम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार कांग्रेस के द्वारा संविधान निर्माता बाबा साहब भीमराव आंबेडकर के 135वीं जयंती पर भीम शक्ति संवाद का आयोजन प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम के अध्यक्षता में आयोजित किया गया।

भीम शक्ति संवाद को संबोधित करते हुए बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि बाबा साहब आंबेडकर ने आजीवन शोषित वंचित समाज के हक की लड़ाई लड़ी। उन्होंने लाखों यातनाओं को सहने के बावजूद परिस्थितियों के आगे कभी हथियार नहीं डाले और शिक्षा को हथियार बनाया जिसके दम पर उन्होंने भारतीय संविधान निर्माण की रूपरेखा और संरचना विकसित की। उनके जीवन दर्शन को सभी शोषित वंचित समाज को अपनाना चाहिए जिससे वे मजबूती से समाज के बेहतरी के लिए कार्य कर सकें। आज देश में सत्तारूढ़ भाजपा और उसके सहयोगी दल बाबा साहब के बनाए संविधान को खत्म करने में लगे हुए हैं ऐसे में कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेता राहुल गांधी संविधान रक्षा को देश में पदयात्रा निकाल कर दक्षिण से उत्तर और पूर्व से पश्चिम तक देश को जागरूक करने निकले। कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और प्रदेश अध्यक्ष दोनों दलित समुदाय से आते हैं और यह कांग्रेस की इस समाज के प्रति वचनबद्धता ही है जो भीम शक्ति संवाद के माध्यम से वंचित समाज के लिए हक उठा रही है। लगातार संविधान सुरक्षा कार्यक्रम के तहत हमारे शीर्ष नेता देश भर में भ्रमण कर रहे हैं। बिहार विधान परिषद में दल के नेता डॉ मदन मोहन झा ने कहा कि बाबा साहब का जीवन सभी वर्गों के लिए प्रेरणादायी है। उन्हें किसी एक वर्ग से जोड़कर नहीं देखे चाहिए। उन्होंने शिक्षा, संघर्ष और बौद्धिकता से खुद को भारतीय राजनीति में स्थापित किया। उनके संघर्ष का ही परिणाम रहा कि आज उन्हें महामानव के तर्ज पर हम सभी उनके विचारों को अपनाने की वकालत करते हैं। प्रदेश कांग्रेस के सह प्रभारी सुशील पासी ने कहा कि देश की पहली कैबिनेट में प्रथम प्रधानमंत्री पंडित नेहरू ने बाबा साहब आंबेडकर को उनकी विद्वता और शोषित समाज के लड़ाई लड़ने की उनकी क्षमता के लिए स्थान दिया था। बाबा साहब ने इस जिम्मेदारी का बखूबी निर्वहन किया और वंचितों को समाज में मुख्यधारा में लाने का काम किया।

अभाव का सामना कर रहे हैं बाढ़ रेलवे स्टेशन के यात्री

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बाढ़। दानापुर मंडल रेल के बाढ़ रेलवे स्टेशन राजस्व के लिहाज से एक बेहतर स्टेशन माना जाता है। प्रतिदिन 10000 से ज्यादा रेल यात्री एक स्थान से दूसरे स्थान यहां से आते जाते हैं। राजस्व के हिसाब से बाढ़ स्टेशन दानापुर मंडल के टॉप 10 स्टेशनों में आता है। इसके बावजूद भी प्लेटफार्म संख्या एक से लेकर चार तक एक भी शौचालय की व्यवस्था नहीं है। एक शौचालय प्लेटफार्म संख्या एक पर पुरानी पुल के पास हुआ करता था, लेकिन करीब 6 महीने से उसे भी बंद कर दिया गया। प्लेटफार्म के पूर्वी छोर पर एक नंबर प्लेटफॉर्म के बाहर एक पब्लिक शौचालय सरकारी तौर पर संचालित भी है, लेकिन रेल प्रबंधन के द्वारा तय किए गए शुल्क से 5 गुना ज्यादा पैसे यात्रियों से वसूले जाते हैं। सरकारी नियम के मुताबिक यूरिनल सेवा निशुल्क और बाथरूम जाने के लिए 2 का सेवा शुल्क देना अनिवार्य है लेकिन ठेकेदार के मनमानी का नतीजा है कि 2 की जगह उपभोग करने वाले से 10 की राशि वसूली जाती है।

टीचर्स ऑफ बिहार ने स्थापना के छह वर्ष किये पूरे

ए.एन.सिन्हा इंस्टीट्यूट में हुआ भव्य कार्यक्रम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राज्य के सरकारी विद्यालयों में शिक्षा को सशक्त बनाने वाली बिहार की सबसे बड़ी प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी टीचर्स ऑफ बिहार (टीओबी) ने स्थापना के छह वर्ष पूरे कर लिए। 13 अप्रैल 2025 रविवार को ए.एन.सिन्हा इंस्टीट्यूट के सभागार में इस मौके पर वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया। शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ.एस सिद्धार्थ कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि मौजूद रहे। साथ ही शिक्षा विभाग के सचिव अजय यादव, एससीईआरटी के निदेशक सज्जन.आर बतौर विशिष्ट अतिथि मौजूद रहे। सभी अतिथियों संग टीओबी के संस्थापक शिव कुमार एवं टेक्निकल टीम लीडर शिवेंद्र प्रकाश सुमन ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मौके पर डॉ.एस सिद्धार्थ ने कविता और कहानियों के संकलन गद्य गुंजन-पद्य पंकज, शिक्षकों के विचारों का मुखपत्र अभिमत का विमोचन किया। विशिष्ट अतिथियों ने टीचर्स ऑफ बिहार के नवाचारी परियोजनाओं का शुभारंभ किया। इसमें पीएम पोषण योजना गणक, द्रोण विद्या और प्रोजेक्ट शिक्षक साथी का शुभारंभ हुआ। शिक्षा विभाग के सचिव अजय यादव ने टीचर्स ऑफ बिहार के कार्यों की जमकर तारीफ की एवं शिक्षा हित में इनके द्वारा किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा करते हुए समूह के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

शक्तिधाम में गूंजेगा 27 अप्रैल को मंगलपाठ, 108 मीटर चुनरी यात्रा में उमड़ेगा आस्था का सैलाब

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। जीण माता सेवा समिति की ओर से रविवार 27 अप्रैल को बैंक रोड स्थित शक्तिधाम (अग्रसेन भवन, दादी मंदिर) में भव्य जीण माता मंगलपाठ एवं भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम दोपहर दो बजे से शुरू होगा। समिति के अध्यक्ष श्रवण गोयनका और सह सचिव सुभाष चौधरी ने सोमवार को बैठक में इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में कोलकाता से प्रसिद्ध भजन गायक केशव मधुकर अपनी टीम के साथ शिरकत करेंगे और जीण माता की स्तुति में भक्ति रस का संचार करेंगे।

कार्यक्रम की शुरूआत रविवार सुबह 7 बजे 108 मीटर लंबी चुनरी यात्रा से होगी। यह यात्रा पुष्प बिहार अपार्टमेंट एग्जीबिशन रोड से आरंभ होकर एसपी वर्मा रोड, होटल मौर्या, बिस्कोमान भवन होते हुए दादी मंदिर शक्तिधाम पहुंचेगी। यात्रा में सैकड़ों श्रद्धालु महिला-पुरुष पारंपरिक परिधान में भाग लेंगे।

सजेगा अग्रसेन भवन

श्रवण गोयनका ने बताया कि कार्यक्रम की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। अग्रसेन भवन को विशेष रूप से सजाया जा रहा है। मंगलपाठ और भजन संध्या के पश्चात सभी श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद वितरण की व्यवस्था की गई है। बिहार के विभिन्न जिलों से जीण माता के श्रद्धालु बड़ी संख्या में पटना पहुंचेंगे। तैयारी से जुड़ी बैठक के संबंध में एमपी जैन ने बताया कि आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी पदाधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई है। बैठक में सुभाष चौधरी, संजीव मुनका, अमर अग्रवाल, सुशील पंसारी, मनीष माखारिया, सुशील सुन्दरका, अरविंद सर्राफ, संजय मुनका, सौरव सिंघानिया, अक्षय अग्रवाल, राजेश गुप्ता, सज्जन मोदी सहित कई सदस्य मौजूद रहे।

नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अंबेडकर के सपने हो रहे हैं साकार : ऋतुराज सिन्हा

कांग्रेस ने डॉ. अंबेडकर के जीते जी उन्हें तिरस्कृत करने में कोई कसर नहीं छोड़ा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री ऋतुराज सिन्हा ने रविवार को भारत रत्न डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि डॉ. अंबेडकर ने हमेशा एक समतामूलक समाज का सपना देखा जहां न जाति, न धर्म के आधार पर कोई भेदभाव हो। डॉ. भीमराव अंबेडकर ने जिस समता के सपने को संविधान के माध्यम से संजोया था, वह तो आज भी आजादी के 77 साल भी लागू नहीं होने दिया गया। कांग्रेस ने डॉ. अंबेडकर के जीते जी उन्हें तिरस्कृत करने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

उन्होंने कहा कि उनके (डॉ. अंबेडकर) जाने के बाद उनके समतावादी विचारों को तोड़-मरोड़ कर कांग्रेस और इंडी एलायंस वालों ने सिर्फ राजनीतिक लाभ हेतु उनके नाम का दुरुपयोग किया है। 'समता प्राप्त कराने' की जो बात अंबडेकर निर्मित संविधान की प्रस्तावना में है, वह सिर्फ कांग्रेस की तुष्टिकरण की नीति से आज तक लागू नहीं हो सकी पर उनके आदर्शों को चलकर आज भाजपा का हर कार्यकर्ता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उनके सपने को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है। ऋतुराज सिन्हा ने कहा कि अजीब बात यह है कि डॉ. अंबेडकर के प्रति आस्था जताने का दावा करने वाली कांग्रेस समेत कई पार्टियां उनके समतावादी विजन के खिलाफ जाकर उसके विरोध में खड़ी नजर आ रही है। डॉ. अंबेडकर के विजन का विरोध कर रहे इन दलों और इनके नेताओं को देश देख रहा है। पिछले लोकसभा चुनाव से लेकर अब तक राहुल गांधी लाल रंग की एक छोटी डायरी के साथ संविधान की रक्षा का दावा करते फिर रहे हैं, किंतु कांग्रेस पार्टी का संविधान के साथ जो वास्तविक इतिहास रहा है, उसे भी भूलना नहीं चाहिए। इतिहास इस बात का भी साक्षी है कि कांग्रेस पार्टी ने 88 बार संविधान का उल्लंघन करते हुए विभिन्न राज्यों में निर्वाचित सरकारों को बर्खास्त कर राष्ट्रपति शासन लगाया। ऐसे में आज जब राहुल गांधी संविधान के रक्षक होने का दावा करते हैं, तो यह प्रश्न उठता है कि क्या वे वास्तव में इतिहास से परिचित हैं। अंबेडकर जी के दृष्टिकोण के विपरीत, पंडित नेहरू हिंदू कोड बिल लेकर आए जिसमें हिन्दू और मुसलमानों के लिए अलग-अलग कानून बनाए गए। इससे दोनों नेताओं के बीच कई विषयों पर मतभेद उत्पन्न हुए- जैसे धारा 370, कश्मीर को विशेष दर्जा देने का मुद्दा और भारत के अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण को लेकर। इसलिए राहुल गांधी को चाहिए कि वे खासकर बिहार जैसे राजनीतिक रूप से जागरूक राज्य में जहां जनता न केवल बुद्धिजीवी है बल्कि राजनैतिक चेतना से भी भरपूर है, संविधान जैसे गंभीर विषय पर वक्तव्य देने से पहले अध्ययन करें। अन्यथा मंच से ही उनका खंडन होना स्वाभाविक है। ऋतुराज सिन्हा ने कहा कि डा. भीमराव अंबेडकर की जयंती के इस अवसर पर हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि उनके बताए मार्ग पर जिस तरह से केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार चलते हुए उनके सपनों को साकार कर रही है वहीं प्रतिबद्धता हमें दिखाते हुए अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए ।

बिहार जूनियर फैशन शो सीजन 4 के ग्रैंड फिनाले में रैंप पर बच्चों ने बिखेरा जलवा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। इवेंटवाले बाबा द्वारा पाटलिपुत्र कॉलोनी स्थित कैफे 53 में बिहार जूनियर फैशन शो सीजन 4 का ग्रैंड फिनाले सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह भव्य आयोजन अभिनेत्री तनु अश्मी एवं प्रख्यात समाजसेविका बबीता सिन्हा के सहयोग से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 2 से 17 वर्ष के बच्चों ने विभिन्न ट्रेडिशनल और ट्रेंडी थीम कॉस्ट्यूम्स में रैंप पर अपना जलवा बिखेरा। सोशल मीडिया सेंसेशन इरा सिन्हा (ब्लिंकिट गर्ल) शोस्टॉपर रही। भारत में पहली बार बिहार जूनियर फैशन शो में बच्चे स्केटिंग करते हुए रैंप पर नजर आए। रानी लक्ष्मीबाई, दुर्गा माता, मिथिला पेंटिंग और बिहार की सांस्कृतिक पहचान को बच्चों ने पोशाकों और एक्टिंग के माध्यम से खूबसूरती से पेश किया। शो डायरेक्टर पंकज कुमार तिवारी ने कहा कि आज बिहार के फैशन इतिहास में एक नई इबारत लिखी जा रही है।

बिहार विद्यापीठ में अंबेडकर जयंती श्रद्धा के साथ मनाई गई

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार विद्यापीठ के देशरत्न राजेन्द्र प्रसाद शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में भारत के प्रथम विधि एवं न्याय मंत्री, संविधान निर्माता एवं सामाजिक न्याय के प्रखर पक्षधर डॉ. भीमराव रामजी अंबेडकर की 135वीं जयंती बहुत ही श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर बिहार विद्यापीठ के सचिव एवं भारतीय प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी डॉ. राणा अवधेश ने डॉ. आंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्हें बाबा साहेब कहे जाने की परंपरा पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा जैसे मोहनदास करमचंद गांधी को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी कहा जाता है, वैसे ही डॉ. भीमराव आंबेडकर को उनके अद्वितीय योगदान के लिए बाबा साहेब की उपाधि से विभूषित किया गया है। डॉ. अवधेश ने उनके मेधावी छात्र जीवन, संविधान सभा में उनके ऐतिहासिक योगदान तथा समतामूलक समाज की उनकी अवधारणा की विस्तृत व्याख्या करते हुए कहा कि भारतीय संविधान की उद्देशिका, डॉ. आंबेडकर की दृष्टि को प्रतिबिंबित करती है जो प्रत्येक नागरिक को गरिमा के साथ सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्पांजलि अर्पण से हुई जिसमें अपर सचिव श्यामानंद चौधरी, संयुक्त सचिव अवधेश के. नारायण, सीओओ प्रमोद कुमार कर्ण, प्रभारी प्राचार्य डॉ. मिताली मित्रा, सहायक प्राध्यापक चंद्रकांत आर्य एवं रीम्पल कुमारी सहित अन्य गणमान्य शिक्षकों एवं प्रशिक्षणार्थियों ने सहभागिता की। समारोह में डॉ. आंबेडकर के जीवन एवं संघर्ष पर आधारित डॉक्यूमेंट्री फिल्म प्रदर्शित की गई जिसे उपस्थित जनसमूह ने अत्यंत श्रद्धा और भावनात्मक एकाग्रता से देखा। इसके उपरांत उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने भारतीय संविधान की उद्देशिका का सामूहिक शपथ लिया। कार्यक्रम के समापन पर राष्ट्रगान के साथ सभी अतिथियों, प्राध्यापकों, बी.एड एवं डी.एल.एड प्रशिक्षणार्थियों, शिक्षणेत्तर कर्मियों तथा आयोजन से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े सभी व्यक्तियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

इस गरिमामयी कार्यक्रम का समन्वयन प्रभारी प्राचार्य डॉ. मिताली मित्रा एवं सहायक प्राध्यापक डॉ. शादमा शाहिन ने किया जबकि मंच संचालन की जिम्मेदारी चन्द्रकान्त आर्य ने प्रभावशाली रूप से निभाई।

स्वास्थ्य जागरूकता उन्मुखीकरण शिविर का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की 134 में जयंती के अवसर पर प्रगति ग्रामीण विकास समिति द्वारा वंचित एवं उपेक्षित समुदाय के किशोर किशोरियों का एकदिवसीय स्वास्थ्य जागरूकता उन्मुखीकरण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में 15 गांव की 40 किशोर किशोरियों भाग लिया ने भाग लिया। इस अवसर पर एकता परिषद के उपाध्यक्ष प्रदीप प्रियदर्शी ने सभी का स्वागत करते हुए डॉक्टर अंबेडकर के संघर्ष में जीवन पर प्रकाश डाला और किशोर किशोरियों को आह्वान किया कि वह अंधविश्वास में ना रहे और शिक्षा को ग्रहण करें शिक्षा कई बीमारियों का इलाज है जिसमें सामाजिक आर्थिक एवं शैक्षणिक जो कुरीतियां हैं उसको समाप्त करने में शिक्षा योगदान करता है साथ ही स्वास्थ्य एवं किशोर स्वास्थ्य को भी गहराई से समझने की जरूरत है। सामाजिक कार्यकर्ता एवं प्रशिक्षक तबस्सुम अली ने किशोरी एवं किशोर के जीवन में होने वाले शारीरिक और मानसिक बदलाव के दौरान जो मानसिक बीमारी होती है उसके बारे में चर्चा किया और सुलभ अगर कोई मित्र या दोस्त है तो वह माता-पिता से हर किसी और किशोरी को अपने शरीर और दिमाग में होने वाले परिवर्तन के बारे में क्या समस्या के बारे में माता-पिता से सबसे पहले चर्चा करनी चाहिए।

संपादकीय

वक्फ कानून से राजनीतिक टकराव बढ़ा

वक्फ संशोधन विधेयक बेशक अब कानून बन गया हो, पर इसके विरोध में आवाजें उठनी बंद नहीं हुई हैं। पश्चिम बंगाल में आगजनी और विरोध प्रदर्शन के बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस बयान को गंभीरता से लेने की जरूरत है कि वे इस कानून को अपने यहां लागू नहीं करेंगी। उन्होंने इस मुद्दे पर विरोध जता कर एक तरह से राजनीतिक टकराव की बुनियाद रख दी है। वक्फ के खिलाफ जिस तरह से सियासी और सामाजिक टकराव शुरू होता दिखा रहा है, वह लोकतंत्र की सेहत के लिए ठीक नहीं है।संसद में वक्फ संशोधन विधेयक लाने से पहले आम सहमति बनाई जाती, तो यह बेहतर होता।

तब शायद न तो शीर्ष अदालत में याचिकाएं दायर होतीं और न ही कश्मीर से लेकर मणिपुर तक लोग सड़कों पर उतरते। मुर्शिदाबाद जिले से पथराव और आंसू गैस छोड़े जाने की जो तस्वीरें आई, वे डराती हैं।यह दुखद है कि वक्फ कानून के समर्थन में बोलने वालों को पीटा गया। मणिपुर में एक नेता का घर जला दिया गया। जम्मू-कश्मीर में विरोध उस समय दिखा, जब विधानसभा में भारी हंगामे के बीच सत्ता पक्ष और विपक्ष के विधायक आमने-सामने आ गए। सदन में विवाद इतना बढ़ा कि नौबत हाथापाई तक पहुंच गई। दरअसल, विपक्ष लगातार यह आरोप लगाता रहा है कि वक्फ संशोधन विधेयक पर आपत्तियों का समुचित निराकरण नहीं किया गया। हालांकि सरकार ने इसके लिए संयुक्त संसदीय समिति गठित की थी, पर उसमें भी संतोषजनक बदलाव नहीं किए गए। दोनों सदनों में बहस के दौरान आपत्तियां उठती रहीं। कानून लागू करने से पहले अगर उसके सभी पहलुओं पर विचार कर लिया जाता, तो शायद इतना विवाद न होता।कोई भी कानून पूरे देश और आमजन के हितों को ध्यान में रखते हुए बनाया जाता है, मगर जब उसे सियासीहार-जीत का मुद्दा बना लिया जाता है, तो विवाद उठता ही है। इसीलिए इस कानून की संवैधानिकता पर सवाल उठाते हुए सर्वोच्च न्यायालय में गुहार भी लगाई गई है। किसी भी मसले पर सियासी मतभेद हो सकते हैं, लेकिन विचारधारा का ऐसा टकराव न हो, जिससे संघीय ढांचे पर चोट पहुंचे। इस समय वक्फ पर मचे घमासान में हमें इस तकाजे का ध्यान रखना जरूरी है।

स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच में असमानता और भारत की सेहत का आईना

भारत का कुल स्वास्थ्य बजट 2024-25 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का केवल 2.1 प्रतिशत है, जबकि डब्ल्यूएचओ का मानक न्यूनतम 5 प्रतिशत है। यह बजट अपेक्षाकृत कम है, खासकर तब जब हम देखते हैं कि भारत में एक बड़े हिस्से को अभी भी बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। गांवों में तो सरकारी अस्पताल अक्सर डॉक्टर, दवा और उपकरणों के अभाव में सिर्फ इमारत बनकर रह जाते हैं। भारत में स्वास्थ्य और गरीबी का संबंध इतना गहरा है कि अक्सर ये दोनों एक-दूसरे को जन्म देते हैं। जो लोग गरीब हैं, उन्हें पौष्टिक भोजन नहीं मिलता, वे अस्वच्छ माहौल में रहते हैं और चिकित्सा सुविधाओं तक उनकी पहुंच सीमित रहती है। जब वे बीमार पड़ते हैं, तो उनकी कमाई का बड़ा हिस्सा इलाज में चला जाता है, जिससे वे और गरीब हो जाते हैं। यह एक चक्रव्यूह है, जिससे निकलना आसान नहीं।

(जयसिंह रावत)

भारत का कुल स्वास्थ्य बजट 2024-25 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का केवल 2.1 प्रतिशत है, जबकि डब्ल्यूएचओ का मानक न्यूनतम 5 प्रतिशत है। यह बजट अपेक्षाकृत कम है, खासकर तब जब हम देखते हैं कि भारत में एक बड़े हिस्से को अभी भी बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं मिल रही हैं।

हर वर्ष 7 अप्रैल को जब विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है, तो यह अवसर केवल औपचारिकता नहीं होना चाहिए, बल्कि यह आत्ममंथन का दिन होना चाहिए। विशेष रूप से भारत जैसे देश के लिए जहां स्वास्थ्य सेवाएं आज भी बहुसंख्यक आबादी के लिए दुर्लभ और असमान हैं। एक ओर चमकते शहरों में आधुनिक अस्पताल हैं, तो दूसरी ओर करोड़ों गरीब नागरिक ऐसे हैं जो बुनियादी चिकित्सा सुविधा तक नहीं पहुंच पाते। भारत में स्वास्थ्य आज भी एक सेवा नहीं, संघर्ष है- गरीबी, कुपोषण, असमानता और उपेक्षा से जूझते लोगों के लिए यह दिवस एक चेतावनी है कि विकास की दौड़ में पीछे छूट गए लोगों की सेहत की सुध लेना अब टालना संभव नहीं।

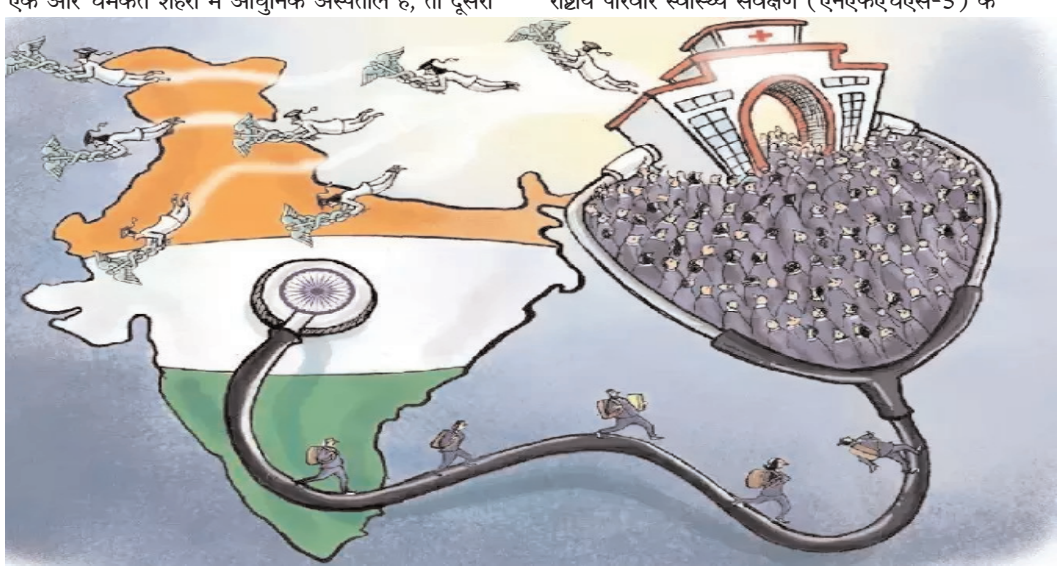

स्वास्थ्य सेवाओं में भारत की स्थिति- उपलब्धि और विडंबना- भारत ने पिछले कुछ दशकों में स्वास्थ्य के क्षेत्र में कई उपलब्धियां हासिल की हैं। पोलियो उन्मूलन, कोविड-19 के दौरान टीकाकरण अभियान और आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं के जरिए सरकार ने सार्वजनिक स्वास्थ्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई है। लेकिन ये सफलता की कहानियां केवल कहानी बन कर न रह जाएं, इसके लिए जरूरी है कि हम आंकड़ों की तह में जाकर असलियत को देखें। भारत का कुल स्वास्थ्य बजट 2024-25 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का केवल 2.1 प्रतिशत है, जबकि डब्ल्यूएचओ का मानक न्यूनतम 5 प्रतिशत है। यह बजट अपेक्षाकृत कम है, खासकर तब जब हम देखते हैं कि भारत में एक बड़े हिस्से को अभी भी बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। गांवों में तो सरकारी अस्पताल अक्सर डॉक्टर, दवा और उपकरणों के अभाव में सिर्फ इमारत बनकर रह जाते हैं।

भारत में स्वास्थ्य और गरीबी का संबंध इतना गहरा है कि अक्सर ये दोनों एक-दूसरे को जन्म देते हैं। जो लोग गरीब हैं, उन्हें पौष्टिक भोजन नहीं मिलता, वे अस्वच्छ माहौल में रहते हैं और चिकित्सा सुविधाओं तक उनकी पहुंच सीमित रहती है। जब वे बीमार पड़ते हैं, तो उनकी कमाई का बड़ा हिस्सा इलाज में चला जाता है, जिससे वे और गरीब हो जाते हैं। यह एक चक्रव्यूह है, जिससे निकलना आसान नहीं।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-5) के अनुसार, भारत की लगभग 35 प्रतिशत जनसंख्या अब भी कुपोषण से ग्रस्त है और बालकों में स्टंटिंग (लंबाई कम होना) और वेस्टिंग (वजन कम होना) जैसी समस्याएं आम हैं। इस कुपोषण का सीधा संबंध गरीबी से है, जो स्वास्थ्य सेवाओं की कमी के साथ मिलकर एक भयावह तस्वीर प्रस्तुत करता है।

बाल और मातृ मृत्यु दर- भारत ने बाल मृत्यु दर में कमी लाने के प्रयास किए हैं, लेकिन अब भी यह दर कई विकसित देशों की तुलना में बहुत अधिक है। एलएफएचएस-5 के अनुसार, भारत में प्रति 1000 जीवित जन्मों पर 28 शिशुओं की मृत्यु हो जाती है। मातृ मृत्यु दर भी चिंताजनक है–हर 100,000 जन्मों पर 97 महिलाओं की मृत्यु होती है, जो बताता है कि गर्भावस्था और प्रसव भारत में अब भी जोखिमपूर्ण अनुभव है।

इसका मुख्य कारण है- स्वास्थ्य केंद्रों की कमी, प्रसव पूर्व देखभाल का अभाव, प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों की उपलब्धता में कमी और समाज में महिला स्वास्थ्य के प्रति उपेक्षा। ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति और भी भयावह है जहां महिलाएं अक्सर बिना किसी चिकित्सीय मदद के घर पर ही प्रसव करने को मजबूर होती हैं।

स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच- शहर बनाम गांव- भारत की स्वास्थ्य सेवाओं में सबसे बड़ा अंतर शहरी और ग्रामीण इलाकों के बीच है। शहरों में निजी अस्पतालों की भरमार है, जो महंगे हैं, लेकिन आधुनिक सुविधाओं से लैस हैं। वहीं गांवों में सरकारी अस्पताल भी दूर-दराज हैं और वहां योग्य डॉक्टरों की भारी कमी है। ग्रामीण भारत की लगभग 70 प्रतिशत आबादी केवल 30 प्रतिशतडॉक्टरों पर निर्भर है। यही नहीं, भारत में प्रति 1000 लोगों पर केवल 0.8 डॉक्टर उपलब्ध हैं, जबकि डब्ल्यूएचओ का मानक 1.1000 है।

स्वास्थ्य सेवाएं कितनी सुलभ हैं, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि भारत में केवल 30 प्रतिशत लोग ही किसी न किसी प्रकार के स्वास्थ्य बीमा से कवर हैं। बाकी लोग बीमारी की स्थिति में जेब से खर्च करने को मजबूर होते हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में हर साल लगभग 6 करोड़ लोग सिर्फ इलाज पर खर्च के चलते गरीबी रेखा के नीचे चले जाते हैं। सरकार की आयुष्मान भारत योजना एक बड़ी पहल है, लेकिन जमीनी स्तर पर इसके लाभार्थियों को लेकर पारदर्शिता, अस्पतालों की भागीदारी और धोखाधड़ी की शिकायतें भी देखने को मिलती हैं।

क्या विश्व स्वास्थ्य दिवस केवल औपचारिकता है?- यह सवाल हर भारतीय को खुद से पूछना चाहिए। अगर यह दिवस केवल भाषण, रंगोली प्रतियोगिता और सेमिनारों तक सीमित रह गया, तो यह एक खोखली परंपरा बनकर रह जाएगा। लेकिन अगर इस दिन को स्वास्थ्य नीति पर पुनर्विचार, बजट में वृद्धि, और गरीबों के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं की बेहतरी की दिशा में उठाया गया कदम बना दिया जाए- तो इसका असल महत्व सिद्ध होगा।

यह दिवस एक अवसर है याद दिलाने का कि स्वास्थ्य कोई विलासिता नहीं, बल्कि मौलिक अधिकार है। भारत जैसे देश के लिए यह अवसर है सामाजिक विषमता के खिलाफ आवाज उठाने का, और एक ऐसे तंत्र को विकसित करने का जहां स्वास्थ्य सुविधा जाति, धर्म, वर्ग या क्षेत्र के आधार पर नहीं, बल्कि मानवता के आधार पर उपलब्ध हो।

भारत एक युवा देश है, लेकिन अगर उसकी युवा शक्ति कुपोषण, मानसिक तनाव, और स्वास्थ्य सेवाओं की कमी से जूझती रहेगी, तो यह जनसंख्या बोझ बन जाएगी। हमें याद रखना चाहिए कि केवल आर्थिक विकास, बुलेट ट्रेन या स्मार्ट सिटी नहीं, बल्कि एक स्वस्थ नागरिक ही किसी देश की असली ताकत होता है।

इस विश्व स्वास्थ्य दिवस पर हमें सिर्फ जागरूक होने की नहीं, जवाबदेही तय करने की जरूरत है- सरकार, समाज और स्वयं अपनी भी। क्योंकि जब तक भारत का आखिरी नागरिक भी स्वस्थ नहीं होगा, तब तक हम सच्चे अर्थों में एक विकसित राष्ट्र नहीं बन सकते।

मनोज कुमार की फिल्मी देशभक्ति ने तैयार की राष्ट्रवादी सत्ता की भावभूमि

(अजय बोकिल)

देशभक्ति की उनकी परिभाषा, सेल्युलाइड पर उसका चित्रण को भारत की बदलती राजनीतिक, सामाजिक चेतना के सदंर्भ में मनोज कुमार की भूमिका को हम किस रूप में याद करें? यह सवाल 87 वें साल में उनके निधन के बाद ज्यादा मौजूं हो गए हैं।

मनोज कुमार ने फिल्मों में अपनी आदर्शवादी, समावेशी देशभक्ति व राष्ट्रप्रेम के जरिए भविष्य में एक केन्द्रीय राजनीतिक विचार में तब्दील होने वाले प्रखर और काफी हद उग्र राष्ट्रवाद की शुरुआती जमीन तैयार की। मनोज कुमार कितने महान और वर्सटाइल अभिनेता थे, इस पर प्रश्नचिन्ह हैं, लेकिन वो एक निष्णात, डायरेक्टर, निर्माता संपादक और संवाद लेखक निस्संदेह थे।

मनोज कुमार ने देश की स्वतंत्रता के एक दशक बाद नैतिक मूल्यों का आदर्श कायम रखते हुए देश के लिए जीने-मरने का ऐसा संदेश दिया, जो उस जमाने में हावी समाजवादी सोच और धर्मनिरपेक्ष आग्रहों से थोड़ा अलग हटकर था। इस अर्थ में मनोज कुमार को निर्मल देशभक्ति और प्रखर राष्ट्रवाद के मिलन बिंदु पर खड़ा कलाकार कहा जा सकता है। जो रोमांस में भी राष्ट्रीय मूल्यों को सहेजता है और जो राष्ट्रीय मूल्यों में रोमांस को जीता है।

कुछ लोग मनोज कुमार की देशभक्ति को अति भावुकता से लबरेज और किसी हद तक अवास्तविकता से भरा मानते हैं। बावजूद इसके यह सचाई है कि मनोज कुमार ने यह फार्मूला व्यावसायिक तौर पर हिंदी फिल्मों में सफलता से अप्लाय किया और अपनी एक अलग छवि तैयार की।

फिल्म 'कांच की गुड़िया'(1961) से की शुरुआत

यूं मनोज कुमार ने अपना फिल्मी कॅरियर उनकी पहली फिल्म 'कांच की गुड़िया'(1961) से शुरू किया। लेकिन उस फिल्म के चाकलेटी चेहरे वाले हीरो मनोज कुमार का कोई खास नोटिस नहीं लिया गया। याद रहे कि मनोज कुमार का फिल्म इंडस्ट्री में आगमन उस जमाने में हुआ, जब एक तरफ देवदास तो दूसरी तरफ प्ले ब्वॉय या फिर समाजवादी विचार से प्रेरित फिल्मी नायकों का जोर था।

खुद मनोज कुमार जिनका असली नाम हरेकृष्ण गोस्वामी था, दिलीप कुमार के प्रशंसक थे। और दिलीप साहब की एक पुरानी फिल्म 'शबनम' में उनके किरदार 'मनोज कुमार' से प्रभावित होकर अपना फिल्मी नाम भी मनोज कुमार रख लिया था। फिल्मों में शुरूआती चार साल मनोज कुमार के संघर्ष के थे। हालांकि आंखें बंद कर डायलॉग बोलने की उनकी अदा जरूर नोटिस की गई थी।

1964 में आई राज खोसला की यादगार फिल्म 'वह कौन थी' में मनोज बतौर हीरो नमूदार हुए, लेकिन वह फिल्म चली हीरोइन साधना के अभिनय और मदन मोहन के अमर संगीत के कारण। आज भी इस फिल्म के लिए लताजी द्वारा गाया 'लग जा गले' लता दीदी के टॉप टेन सांग में शामिल करना ही पड़ता है।

लेकिन मनोज कुमार की फिल्मी कामयाबी और हिंदी फिल्म उद्योग में देशभक्ति को सफल व्यावसायिक फार्मूला बनाने की कहानी शहीद भगत सिंह पर बनी फिल्म 'शहीद' से शुरू होती है। इस फिल्म का संगीत आज भी लाजवाब है। इसी फिल्म को देखकर तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने मनोज कुमार को देशभक्ति और उनके अमर नारे ' जय जवान, जय किसान' पर केन्द्रित एक फिल्म बनाने का सुझाव दिया।

मनोज कुमार ने उस पर पूरी ईमानदारी से अमल किया और फिल्म 'उपकार' बनाई। मूलत- ये एक प्रचार फिल्म ही थी, लेकिन इसने रचनात्मकता, संवेदनशीलता, मैसेजिंग और बॉक्स आफिस पर कामयाबी का नया इतिहास रचा। इसीलिए देश में राजनीतिक एजेंडों पर जितनी भी फिल्में बनी हैं, उनमें 'उपकार' का मयार सबसे अलग और शाश्वत है। मनोज कुमार ने इसे दिल से बनाया था। यानी यह प्रचार फिल्म होकर भी देशप्रेम का सार्थक संदेश देने वाली अमर फिल्म बन गई।

शानदार पटकथा, कहानी, अभिनय, संवाद, पात्रों की संरचना, गीत और संगीत ने भी इस फिल्म को हिंदी की श्रेष्ठ फिल्मों में स्थापित कर दिया। इस फिल्म के निर्माण के दौरान हुए भारत-पाक युद्ध के दौरान उभरे राष्ट्रप्रेम, युद्ध के कुछ समय बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की असमय और रहस्यमय मौत ने इस फिल्म की प्रासंगिकता को और बढ़ा दिया।

सामाजिक क्रांति के महानायक थे डॉ अम्बेडकर

डॉ मणिकांत झा

आज अंबेडकर की 134 वीं जयंती पर देशभर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन हो रहा है इसके पीछे चाहे जो भी कारण हो पर इतना तो अवश्य है कि इन आयोजनों की सार्थकता तभी होगी जब बाबा साहब के सिद्धांतों को आत्मसात कर उसे व्यवहारिक आधार दिया जाए।

वास्तव में महापुरुष का अपना एक स्वतंत्र परिवेश होता है जिसमें वह फूलता फलता है और निकटवर्ती वातावरण से अपने जीवन की उपयोगिता को सिद्ध करने में जुट जाता है। परिस्थितियों की भयावह स्थिति की बावजूद धार्मिक सांस्कृतिक राजनीतिक और सामाजिक क्रांति का पुरोधा बनकर सामुदायिक चेतना को जन्म देता है और वैचारिक क्रांति के माध्यम से समूचे स्तर को नया आयाम देने के लिए कमर कस लेता है। कुछ ऐसे ही कालजयी क्रांतिकारी महापुरुष थे डॉ बाबासाहेब अंबेडकर जिन्होंने दलित एवं शोषितों के उद्धार के लिए अपनी सारी जिंदगी ही आहुति कर दी।

महार जाति में जन्मे बालक भीमराव प्रारंभ से ही कुशाग्र बुद्धि के थे अछूतों के लिए स्वतंत्रता समानता और भारतीय भावना पाने के अधिकारों की जोरदार पेशकश की। सिर्फ इतना ही नहीं इसे राष्ट्रीय व्रत मानकर सक्रिय प्रयास किया और सफल भी रहे। उन्होंने माना कि बिना राजनीतिक सत्ता के लक्ष्य की प्राप्ति नहीं हो सकती और उन्होंने विधान परिषद की सदस्यता स्वीकार कर इस क्षेत्र में कदम बढ़ा दी। कृषक व मजदूर वर्ग की समस्या से वे अच्छी तरह परिचित थे। बेगार प्रथा, भूमि दासता आदि शोषण प्रथाओं पर जमकर प्रहार किया। देश की स्वतंत्रता के साथ-साथ दलित एवं शोषितों की स्वतंत्रता के प्रबल पक्षधर भी रहे। वे विश्व के सभी धर्म का तुलनात्मक अध्ययन कर बौद्ध धर्म को अधिक उपयुक्त समझा तभी तो संविधान में सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक क्षमता का समावेश किया। धर्म के प्रति उनका स्पष्ट सोच रहा कि धर्म मनुष्य के लिए है मनुष्य धर्म के लिए नहीं। जो सभी को परस्पर एक सूत्र में बांधकर रखें वही धर्म है। उन्हें दृढ़ विश्वास था कि मानव कल्याण और जाति कल्याण राजनीतिक चेतना के साथ ही धार्मिक प्रेरणा से ही संभव है। धर्म का संबंध आत्मिक विशुद्ध चेतना से होता है समानता और परतंत्रता से नहीं। उसका फल क्षमता और स्वतंत्रता होनी चाहिए भेदभाव और उच्च नीच का रूप नहीं। उनके अनुसार यही आदर्श समाज की कल्पना है इसमें व्यक्ति को निजी संपत्ति रखने के अधिकार के साथ-साथ कार्य स्वतंत्रता हो, राजनीतिक दलों को मान्यता हो और हो क्षमता का व्यावहारिक रूप। अंबेडकर के इस आदर्श समाज में सभी को पूरा न्याय मिलेगा मानवता के आधार पर सभी का व्यवहार होगा कानून और संविधान के ऊपर कोई नहीं होगा सही मायने में अंबेडकर सुशिक्षा और बौद्धिकता के भी पक्षधर रहे थे। वही जातिवाद के उन्मूलन के लिए आजीवन संघर्ष करते रहे।

डॉ आंबेडकर साम्यवादी विचारधारा से प्रभावित रहे थे। श्रमिक वर्ग के उत्थान के लिए वे जहां लेनिन के प्रशंसक रहे वहीं कार्ल मार्क्स के विचारों से मतभेद रखते थे । वे समाज में स्थाई शांति के पक्षधर थे। वे समाज के नैतिक विकास में धर्म की भूमिका को महत्वपूर्ण मानते रहे। उनका यह भी तर्क था कि मार्क्स का सिद्धांत इसे तिरस्कृत करने वाला है। उनका मानना था कि मार्क्सवाद आर्थिक परिवर्तन को ही सामाजिक उत्थान का मूल कारण मानता है जबकि बाबा साहेब की दृष्टि में भारतीय समाज व्यवस्था समाज संबंधों पर ही निर्भर नहीं है बल्कि आर्थिक शक्ति से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है धर्म की शक्ति। मार्क्सवाद में नैतिकता सर्वहारा वर्ग के हितों की रक्षा करती है पर डॉक्टर अंबेडकर का यह सिद्धांत मान्य नहीं था उनके अनुसार वर्ग नैतिकताएं समाज के पतन का कारण बन सकती है वहां ईमानदारी समाप्त हो जाती है इसलिए वे सभी जातियों और समाजके समान नैतिकता पर विश्वास करते थे। मार्क्सवाद सर्वहारावर्ग के अधिनायकत्व और एक दलीय पद्धति में विश्वास करता है ।जबकि वे संसदीय प्रजातंत्र तथा व्यक्तिक स्वतंत्रता की पक्षधर दिखते हैं। उनकी सोच में विश्व के लिए शांति और सहयोग की आवश्यकता है। अहिंसात्मक जनतांत्रिक और जनवादी प्रक्रिया मार्क्सवाद में कहीं दिखाई नहीं देती ।बाबा साहब ऐसे पुरोधा रहे जो समाज की सर्वांगीण विकास में अपना अनुपम योगदान दिया। शिक्षित बनो संगठित रहो और संघर्ष करो यह उनका अजर अमर वाक्य जीवन का अमर संदेश देता रहेगा। आज भी उनके सिद्धांत देश व समाजिक शांति एवं विकास के लिए प्रासंगिक हो गया है। तभी तो आज सभी सामाजिक संस्थाएं एवं सभी राजनीतिक दल उनके आदर्श पर चलकर नए समाज निर्माण की सीख दे रहा है।(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं)

आधुनिक भारत के निर्माता डा. अम्बेडकर और उनका अखंड राष्ट्रवाद

पंकज कुमार

आधुनिक भारत के निर्माता और 19वीं सदी के महानायक के डा. अम्बेडकर के अनुसार राष्ट्र के निर्माण के लिए भूमि, *वहां का समाज तथा समाज की श्रेष्ठ परम्परा, यह तीनों अनिवार्य अंग हैं। राष्ट्र केवल भौतिक ईकाई नहीं है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र एक जीवित आत्मा हैं।* मुम्बई विधान परिषद् द्वारा साइमन कमीशन को दी गई रिपोर्ट पर बाबा साहेब ने हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया और 17 मई 1929 को उन्होंने अपनी एक स्वतन्त्र रिपोर्ट दी । उस रिपोर्ट का एक छोटा सा अंश उनकी अखंड-अक्षुण्ण राष्टभक्ति का बोध कराता है, जो आज भी उतना ही प्रासंगिक है,जितना उस दौर में था ।

रिपोर्ट में उन्होंने कहा था कि- %मैं कर्नाटक को मुम्बई(तत्कालिन बम्बई) से अलग करने के विरुद्ध हूं,क्योंकि एक भाषा एक प्रान्त का सिद्धांत अमल में लाने के योग्य नहीं है। आज की सबसे बड़ी आवश्यकता यह है कि लोगों में संयुक्त राष्ट्रीयता का आभास उत्पन्न हो। उनमें यह भावना हो कि सर्वप्रथम वे भारतीय है और बाद में हिन्दू, मुसलमान, सिंधी और कर्नाटकी हैं ।

यह भावना कि वह प्रथमत- और अंतत- भारतीय हैं,यह उत्पन्न की जाए। यदि यह आदर्श हो तो फिर ऐसी कोई बात नहीं करनी चाहिए, जिससे क्षेत्रीयतावाद और पृथक-पृथक समूह चेतनाओं का उदय हो। एक व्यक्ति की भांति राष्ट्र भूतकालीन लोगों द्वारा किए गए सतत् प्रयत्न, ने हमें बनाया है। वीरतापूर्ण भूतकाल, श्रेष्ठ पूर्वज और उनकी महान यश गाथाएं हमारी सामाजिक पूंजी के ढांचे का निर्माण करती हैं, जिस पर हम अपने राष्ट्र की रचना कर सकते हैं। राष्ट्र किसी भी धर्म से ऊपर है,उन्होनें सपष्ट कहा ÷मैं अपने जन्म के धर्म को अस्वीकार करते हुए पुनर्जन्म लेता हूँ। मैं उस धर्म का त्याग करता हूँ जो मानवता के विकास के लिए रुकावट पैदा करता है और जो मुझे एक नीच के रूप में मानता है।÷ इसलिये सामाजिक स्तर पर शिक्षा, भौतिक स्तर पर आजीविका के नए साधन, राजनीतिक स्तर पर राजनीतिक संगठन और आध्यात्मिक स्तर पर आत्म-विश्वास का होना नितांत आवश्यक है ।

सांप्रदायिक ध्रुवीकरण और राजनीति के सांप्रदायिकरण का उन्मूलन आवश्यक है राष्ट्रवाद प्रथम और अंतिम सिद्धांत के लिए, संवैधानिक नैतिकता की अंबेडकर की दृष्टि को भारतीय संविधान में स्थायी क्षति से बचाने के लिये धार्मिक नैतिकता का समर्थन किया जाना चाहिए।

डॉ अंबेडकर के अर्थशास्त्र पर रिसर्च पेपर में ब्रिटिश राज की नीतियों की धारदार आलोचना करते हुए तथ्यों और आंकड़ों की मदद से साबित किया है कि ब्रिटेन की आर्थिक नीतियों ने भारतीय जनता को किस तरह बर्बाद करने का काम किया है. उन्होंने यह भी बताया है कि अंग्रेजी राज 'ट्रिब्यूट'' और 'ट्रांसफर' के नाम पर किस तरह भारतीय संपदा की लूट हो रही है. अंबेडकर ने इस लेख में ईस्ट इंडिया कंपनी के हाथों भारतीय जनता के शोषण को जिस तरह ठोस आर्थिक दलीलों के जरिये साबित किया है, वह उनकी गहरी और शुद्ध राष्ट्रीयता का बेजोड़ मिसाल है। इतिहासकार आर.सी. गुहा के अनुसार, डॉ. बी.आर. अंबेडकर अधिकांश विपरीत परिस्थितियों में भी राष्ट्रीयता का अनूठा उदाहरण हैं। आज भारत जातिवाद, सांप्रदायिकता, अलगाववाद, लैंगिग असमानता आदि जैसी कई सामाजिक-आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहा है। हमें अपने भीतर अंबेडकर की भावना को खोजने की ज़रूरत है, ताकि हम इन चुनौतियों से खुद को बाहर निकाल सकें और हम राष्ट्रवाद प्रथमत- और अंतत- के लक्ष्य को प्राप्त कर सके ।

(लेखक पतरातू विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (एनटीपीसी) में वरिष्ठ प्रबंधक हैं)

संक्षिप्त समाचार

कामधेनु सालाना डीलर सम्मलेन संपन्न

पटना/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। कामधेनु कलर मैक्स कलर कोटेड रूफिंग शीट्स, कामधेनु श्रेष्ठ जी सी शीट्स एवं कामधेनु बिल्ड टेक प्रे फैब का सालाना डीलर सम्मलेन होटल मौर्या पटना में संपन्न हुआ, जिसमे पूरे बिहार से सकड़ों की संख्या में डीलर ,कंपनी के कैंट्री हेड भास्कर चौधरी जी और फ्रैंचाइजी डायरेक्ट बासु सराफ उपस्थित हुए एवं सेल्स प्रोत्साहन के लिए अपने विचार रक्खे। इस सम्मेलन में उत्कृष्ट सेल्स के लिए अनेक डीलरों को उत्कृष्ट डीलर को ट्रॉफी, बाइक, टेलिविजन लैपटॉप और मोबाइल फोन आदि पुरस्कार दे कर सम्मानित किया गया। इस शुभ अवसर पर ग्रुप के नई पीढ़ी के डायरेक्ट संकल्प सराफ और रोहिणी सराफ भी उपस्थित रही. कामधेनु की विनय पांडे के नेतृत्व वाली मार्केटिंग टीम को भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कृत किया गया। इस शुभ अवसर पर रंगारंग कार्यक्रम भी हुए ।उपस्थिति डीलरों और मार्केटिंग टीम ने इस वित्तीय वर्ष में और बड़े लक्ष्य के साथ काम करने का संकल्प लिया।

घाघरा में आज निकलेगी सरहुल शोभायात्रा

घाघरा/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। घाघरा प्रखंड मुख्यालय में 15 अप्रैल को सरहुल पर्व का आयोजन होगा। मौके विशाल शोभायात्रा निकलेगी। सरहुल संचालन समिति के पदाधिकारी व सदस्य तैयारी को अंतिम रूप देने में लगे है। 15 अप्रैल को सभी खोड़हा दल नेतरहाट रोड स्थित सरना स्थल पर जुटेंगे और पूजा के उपरांत शोभायात्रा पुराना पेट्रोल पम्प के समीप करमडीपा तक जाएगी।

लापता भाई को खोजने की लगाई गुहार

गुमला/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। सदर थाना क्षेत्र के सांवरिया गांव निवासी दिनेश गोप ने अपने छोटे भाई अग्नू गोप के लापता होने की शिकायत सदर थाना में दर्ज कराई है। दिए गए आवेदन में दिनेश ने बताया कि उनका भाई बाहर काम करने गया था, और लौटते समय गुमला आ रहा था। इसी दौरान वह रास्ते से लापता हो गया है। दिनेश ने पुलिस से अपने भाई की तलाश में मदद की गुहार लगाई है।

भरनो में लाईफ केयर अस्पताल का उद्घाटन

गुमला/भरनो/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। चट्टी रोड पर अमनपुर के समीप रविवार को लाईफ केयर अस्पताल का उद्घाटन प्रखंड प्रमुख पारसनाथ उरांव,थाना प्रभारी कंचन प्रजापति, भाजपा प्रखंड अध्यक्ष हरि शंकर साही,कांग्रेस उपाध्यक्ष अजहर अली और संचालक साहिल अली ने संयुक्त रूप से किया। इस अस्पताल में 247 ओपीडी, इमरजेंसी, डिजिटल एक्सरे, ऑपरेशन थियेटर और दवा दुकान की सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। अस्पताल के डायरेक्टर साहिल अली ने बताया कि रांची के डॉक्टर भी यहां उपलब्ध होंगे।

बीरु में हृदय जांच शिविर का आयोजन

सिमडेगा/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। शांति भवन मेडिकल सेंटर बीरु में दो दिनी हृदय जांच शिविर का आयोजन 14 अप्रैल से होगा। पीआरओ प्रवीण तिवारी ने बताया कि वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ जेम्स थॉमस मरीजो का इलाज करेंगे। उन्होंने बताया कि सुबह नौ बजे से शाम के पांच बजे तक मरीजो का इलाज किया जाएगा।

तेली सम्मेलन और जिला कमेटी का चुनाव जून तक टला

लोहरदगा/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। छोटानागपुरिया तेली उत्थान समाज, लोहरदगा कोर कमेटी की बैठक रविवार को कोर कमेटी संयोजक प्रो शिवदयाल साहू की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने प्रस्तावित 27 मई को होने वाली तेली सम्मेलन सह कमेटी चुनाव पर चर्चा करते हुए वैवाहिक माह होने के कारण उक्त तिथि को रद्द करने पर सहमति बनी। तेली सम्मेलन सह कमेटी का चुनाव अब जून 2025 के प्रथम सप्ताह में कराने पर सहमति बनी। कोर कमेटी की अगली बैठक की सूचना जल्द ही दे दी जाएगी। बैठक में जिला कार्यवाहक अध्यक्ष मनोज साहू, लखपति साहू, बलराम साहू, विदेशी साहू, नन्दकिशोर साहू, मुन्ना, सत्यनारायण साहू, बिनोद साहू आदि मौजूद थे।

जेएनवी में छात्रा को शिक्षिका ने पीटा

लोहरदगा/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। पीएमश्री जवाहर नवोदय विद्यालय जोगना, लोहरदगा में एक शिक्षिका के द्वारा सातवीं कक्षा के एक छात्रा की कथित पिटाई का मामला प्रकाश में आया है। पिटाई से छात्रा के कान से खून निकलने की जानकी मिलने पर परिजनों ने रविवार को विद्यालय पहुंच विद्यालय प्रबंधन से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है। बताया जाता है कि परिजनों द्वारा शिकायत करने के बाद छात्रा माया राणा को इलाज के लिए सामुदायिक केंद्र सेन्हा ले जाया गया। जहां छात्रा का प्राथमिक उपचार किया गया। छात्रा माया राणा का कान में चोट लगी है। जिससे हल्की ब्लीडिंग होने लगी थी। घटना के बाद परिजन विद्यालय के प्रबंधक से मिलकर शिक्षिका सीमा जायसवाल के खिलाफ करवाई करने का मांग की है। विद्यालय प्रबंधन की ओर से पूरे मामले की जांच की जा रही है। फिलहाल मामले को लेकर स्कूल प्रबंधन ने चुप्पी साध ली है।

दो दोस्त आपस में भिड़े, चाकू हमले में एक गंभीर

लातेहार/चंदवा/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। शहर से सटे तिलैयाटांड़ मोहल्ले में रविवार की शाम दो दोस्त किसी बात को लेकर आपस में भीड़ गये। जिसमें मंजर कुरैशी नामक युवक ने मो. कैफ उर्फ भोलू को धारदार हथियार (चाकू) से वार कर दिया। जिसमें कैफ के गर्दन व बाएं हाथ में गंभीर चोट आयी है। युवक को आनन फानन में ग्रामीणों के सहयोग से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चंदवा लाया गया। जहां प्रभारी डॉ नीलिमा कुमारी ने युवक का प्राथमिक उपचार किया। युवक की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे रिम्स रेफर किया गया। सूचना पाकर चंदवा पुलिस घटनास्थल पर पहुंच मामले की पड़ताल कर रही है।

गारु में आदिवासी केसरी चन्डी जतरा मेला का आयोजन

लातेहार/गारू/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। प्रखंड के कोटाम पंचायत के आदिवासियों ने पारंपरिक रूप से पेड़ पौधे जंगल झाड़ की पूजा कर केसरी चन्डी जतरा मेला का आयोजन किया गया। मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में विधायक रामचंद्र सिंह मौजूद थे । इस अवसर पर विधायक ने मेले की खासियत पर प्रकाश डाला। अन्य वक्ताओं ने कहा कि कोटाम के साल्वे गांव के नजदीक पहाड़ी में आदिवासी रीति रिवाज से गांव के बैगा के द्वारा पूजा पाठ कर पहाड़ से नाचते गाते नृत्य मंडलियों के द्वारा चौक तक आते हैं। फिर मेला का आयोजन किया जाता है,जिसमें दर्जनों नृत्य मंडलियों के द्वारा नाच गान एवं आदिवासी संस्कृति की व्याख्यान की जाती है।

बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

खूँटी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। भारतीय संविधान के निमार्ता, महान समाज सुधारक एवं भारत रत्न से सम्मानित बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी की जयंती के अवसर पर आज समाहरणालय स्थित सभागार में एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर उप विकास आयुक्त श्री श्याम नारायण राम, डीसीएलआर श्री अरविंद कुमार सहित अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारियों एवं कर्मियों द्वारा बाबा साहेब की तसवीर पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किया गया। बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर न केवल भारतीय संविधान के प्रमुख शिल्पी थे, बल्कि वे एक प्रखर अर्थशास्त्री, विधिवेता और समाज सुधारक भी थे। उन्होंने जीवन भर सामाजिक भेदभाव के विरुद्ध संघर्ष किया और समता, स्वतंत्रता तथा बंधुत्व पर आधारित समाज की स्थापना के लिए कार्य किया। उनका सम्पूर्ण जीवन वंचित वर्गों को अधिकार दिलाने एवं समाज में न्यायसंगत व्यवस्था स्थापित करने के लिए समर्पित रहा। सभा के दौरान उप विकास आयुक्त ने बाबा साहेब के योगदानों को स्मरण करते हुए उनके आदर्शों एवं विचारों को जन-जन तक पहुंचाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि डॉ. अम्बेडकर का जीवन सामाजिक न्याय, समानता एवं लोकतंत्र के मूल्यों का प्रतीक है, जो आज भी प्रेरणा का स्रोत है। इस अवसर पर जिला प्रशासन के अधिकारीगण एवं कर्मीगण द्वारा बाबा साहेब के विचारों को आत्मसात करने का संकल्प लिया गया।

भारत रत्न डॉ भीमराव अम्बेडकर की जयन्ती मनाई गई, निकाली जय भीम पदयात्रा

टुंडी/धनबाद/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। टुंडी, डायमंड ऑफ टुंडी संघ एवं मेरा युवा भारत धनबाद के द्वारा टुंडी मुख्यालय में भारत रत्न डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर की जयंती मनाई गई । कार्यक्रम में अतिथि के रूप में स्थानीय मुखिया श्रीमती रेखा देवी एवं उनके प्रतिनिधि नन्द किशोर रविदास,उपमुखिया संतुलाल किस्कू एवं शिक्षाविद् सह समाजसेवी नवीन चन्द्र सिंह, सोनू जायसवाल,विकास मराण्डी समेत सैकड़ों ग्रामीण युवाओं ने भाग लिया । माल्यार्पण के बाद गांव के विभिन्न कस्बों से होते हुए जयभीम पद यात्रा निकाल कर बाबा साहेब के प्रेरणादायी कथनों से ग्रामीणों , युवाओं एवं जन जन से अवगत कराया गया। कार्यक्रम के दौरान बाबा साहेब जी को याद करते हुए सामाजिक न्याय के प्रति उनकी प्रतिबद्धता एवं संविधान निर्माण , समाज सुधारक के रूप में उनके द्वारा किए गए कार्यों से युवाओं को अवगत कराया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं को बाबा साहेब जैसे जननायको के आदर्शों से अवगत करना था। स्थानीय मुखिया ने कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस तरह का कार्यक्रम होने से बाबा साहेब जैसे भारत रत्न से अभिज्ञ होने का अवसर प्राप्त होता है। डॉट संघ युवा मंडल टुंडी के अध्यक्ष नव कुमार दत्ता, राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक विकास मराण्डी ने शपथ दिलाकर कार्यक्रम का समापन किया।

सफाई कर्मियों को उनका अधिकार दिलाना ही बाबा साहब के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि : कुमार अमित

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। अखिल भारतीय सफाई मजदूर संघ बोकारो जिला के तत्वाधान में भारत रत्न डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती सेक्टर 4 मैदान में मनायी गई। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए संघ के जिला संरक्षक कुमार अमित ने कहा कि बोकारो के बीएसएल और चास नगर निगम सहित अन्य संस्थानों में कार्यरत सफाई कर्मचारियों को उनका अधिकार दिला कर उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाना हीं बाबा साहब के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। प्रदेश अध्यक्ष राकेश कुमार राम ने सभी सफाई कर्मचारियों से इस संघ को मजबूत करने की अपील की। इस अवसर पर संघ के प्रदेश अध्यक्ष राकेश कुमार राम जी, जिला अध्यक्ष देवेंद्र कुमार आनंद, महानगर अध्यक्ष कृष्ण कालिंदी, महासचिव जीतू कालिंदी, कोषाध्यक्ष जितेंद्र कुमार, चंद्रप्रकाश, लालबाबू, संजीव रजवार, मनोज कुमार, श्री राम, महासचिव कुंदन कालिंदी, विनोद, जितन कुमार के अलावे बड़ी संख्या में पुरुष और महिला सफाई कर्मचारी भी उपस्थित रहीं।

अंबेडकर जयंती पर महादलित टोला में विशेष विकास शिविर का आयोजन

छपरा (सारण)। डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर सोमवार को सदर प्रखंड के तेनुआ पंचायत अंतर्गत महतो मुसहरी महादलित टोला में डॉ. अंबेडकर समग्र सेवा अभियान के तहत विशेष विकास शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन प्रभारी जिलाधिकारी सह उप विकास आयुक्त यतेंद्र कुमार पाल ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने बाबा साहेब की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उनके सामाजिक योगदान को याद किया। इस अवसर पर पात्र लाभार्थियों के बीच ई-श्रम कार्ड, आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र, जॉब कार्ड, विवाह सहायता योजना के डमी चेक, चश्मा, मुख्यमंत्री लघु उद्यमी योजना के स्वीकृति पत्र सहित 22 प्रकार की योजनाओं का लाभ वितरित किया गया। शिविर में डीआरडीए निदेशक, जिला कल्याण पदाधिकारी, शिक्षा पदाधिकारी, श्रम अधीक्षक, डीपीओ-आईसीडीएस समेत कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

संविधान के माध्यम से देश का लोकतंत्र जिंदा है : राधा कृष्ण किशोर

बंटोगे तो कटोगे नारे से देश के युवाओं को जाति और धर्म के नाम पर भड़काया जा रहा है : मंत्री

मेदिनीनगर (पलामू)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर रचित संविधान की ही देन है कि एक दलित का बेटा राज्य का मंत्री है। देश में आईएएस व आईपीएस से लेकर राज्य स्तरीय बनने वाले पदाधिकारी को संविधान ने ही आरक्षण दिया है। संविधान के माध्यम से ही इस देश का लोकतंत्र जिंदा है। उक्त बातें सूबे के वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने कही। वे सोमवार को छतरपुर के ठाकुरबारी फुलवारी मैदान में डा भीमराव अंबेडकर की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। मंत्री किशोर ने कहा कि देश में आजकल गलत परिपाटी का दौर चल रहा है। बंटोगे तो कटोगे जैसे नारा से देश के युवाओं को जातीयता धर्म के नाम पर भड़काया जा रहा है। इससे एक बुरी स्थिति बन रही है। इससे एक गलत परिपाटी की शुरूआत हुई है। कहा कि संविधान सभी धर्म को समानता का अधिकार देता है। हम सभी संविधान की बदौलत ही यहां हैं। कहा कि छतरपुर के सभी पंचायत में विधायक निधि की राशि से भारत रत्न भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा की स्थापना की जाएगी।कहा कि पूर्व की नीतियों पर चल रहे पदाधिकारी व कर्मचारी अपनी कार्यशैली में बदलाव लाएं। अन्यथा यही संविधान उन्हें बदलने का भी अधिकार देता है।कहा कि जमीन पर हो रहे खेल में कर्मचारियों की मिलीभगत से बढ़ रहे झगड़े पर 15 दिन के अंदर लगाम लगाने का कार्य किया जाए। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्रशांत किशोर ने कहा कि बाबा साहब अंबेडकर की जयंती हमें एक होने की ताकत देती है। हम सभी को एक ही रहना है। कार्यक्रम में मोहन जायसवाल, शत्रुघन कुमार शत्रु, वरुण कुमार गुप्ता, गोपाल सिंह, राम जन्म राम समेत कई मौजूद थे।

रामाधार सिंह टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज में राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित

शिक्षा विशेषज्ञों ने शिक्षक-छात्र संबंधों, नैतिक मूल्यों व वैदिक परंपरा की महत्ता पर रखे विचार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

छपरा (सारण)। सोमवार को रामाधार सिंह टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज एकमा के डॉ. राजेंद्र प्रसाद सभागार में "वैदिक शिक्षा के आलोक में शिक्षक शिक्षा को नया आकार देना" विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज के सचिव इंजीनियर जयप्रकाश सिंह ने की। मंच संचालन प्रशिक्षु छात्राएं मानसी कुमारी व प्रियंका कुमारी एवं धन्यवाद ज्ञापन कॉलेज के प्राचार्य डॉ सत्प्रकाश दास ने किया। स्वागत गीत छात्राएं सोनम, निशा, रश्मि रेखा व कुल गीत आर्या, सुजाता, रश्मि व गुंजा ने प्रस्तुत किया। सेमिनार में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जयप्रकाश विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डॉ अशोक कुमार मिश्रा ने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षक व छात्र के संबंधों में गिरावट आ रही है। ऐसे में शिक्षकों में त्याग, अनुशासन व चरित्र का होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रशिक्षण अवधि में कम से कम 75% उपस्थिति अनिवार्य है। यदि उपस्थिति इससे कम होती है, तो विश्वविद्यालय द्वारा उनका परीक्षा फॉर्म स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन समय पर परीक्षा आयोजित कराने व परिणाम प्रकाशन के लिए लगातार प्रयासरत है, लेकिन इसके लिए छात्रों की नियमित उपस्थिति भी आवश्यक है। मुख्य वक्ता डॉ. मोहिनी कुमारी, व्याख्याता, इतिहास विभाग, सबौर कॉलेज, भागलपुर ने कहा कि आधुनिक शिक्षा में नैतिक, सामाजिक व बौद्धिक क्षरण हो रहा है, जिसे वैदिक शिक्षा के माध्यम से सुधारा जा सकता है। बीएचयू वाराणसी के शिक्षा शास्त्र के व्याख्याता डॉ. आकाश रंजन ने कहा कि वैदिक शिक्षा ही हमारी प्राचीन और आधुनिक शिक्षा प्रणाली का सेतु है। इसके माध्यम से भारत फिर से विश्व गुरु बन सकता है। आरजीएम कॉलेज, सहरसा के गणित विभाग के व्याख्याता डॉ. मृगेंद्र कुमार ने कहा कि आधुनिक शिक्षा में नैतिकता की कमी स्पष्ट है। वैदिक शिक्षा के समावेश से नैतिक, बौद्धिक व सामाजिक विकास संभव है। उन्होंने चरित्र निर्माण को शिक्षा का मूल आधार बताया।

समाज को एकजुट करने में प्रार्थना सभा का अहम योगदान:मनी

लोहरदगा/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। लोहरदगा सदर प्रखंड के बाघा सिंगपुर गांव में रविवार को राजी पड़हा सरना प्रार्थना सभा भारत के द्वारा प्रार्थना सभा आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत कड़सा में दीप जलाकर हुई। ग्राम प्रधान संजीव उरांव ने कहा कि समाज को जागृत करने के लिए ग्राम प्रधान का अहम योगदान रहता है। विशिष्ट अतिथि मनी उरांव ने कहा कि सरना समाज को नशा से दूर रहने की जरूरत है। समाज को एकजुट करने में प्रार्थना सभा का अहम योगदान रहता है। अतिथि सुखदेव उरांव ने कहा कि सात पड़हा बाघा को मजबूती प्रदान करना जरूरी है। आदिवासियों को शिक्षित करने की आवश्यकता है। सोमदेव उरांव ने कहा कि किसी भी परिस्थिति में समाज को एकजुट रखना जरूरी है। जिला धरम गुरु फुलेश्वर उरांव ने कहा कि आदिवासी प्रकृति के नजदीक हैं। मंच संचालन हरीश उरांव और महेश्वर उरांव ने किया।

सरस्वती विद्या मंदिर में मनाई गई बाबा साहेब की जयंती

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सरस्वती विद्या मंदिर 3 सी में बाबा साहब की जयंती मनाई गई। विद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से बाबा भीमराव अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण व दीपार्चन किया गया। प्रधानाचार्य ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ अंबेडकर को भारतीय संविधान की पिता के रूप में सम्मानित किया गया। क्योंकि उनकी अध्यक्षता में ही दुनिया का सबसे लंबा लिखित संविधान तैयार किया गया । उन्होंने कहा की जातिगत भेदभाव और उत्पीड़न जैसी सामाजिक बुराइयों से लड़ने में न्यायविद के समर्पण को याद करना है। डॉक्टर अंबेडकर ने एक ऐसे भारत की कल्पना की जहां सभी नागरिकों को कानून के तहत समान माना जाए। वहीं विद्यालय के छात्र छात्राएं एवं शिक्षकों ने कोठार स्थित बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पार्चन कर उनके आदर्शों एवं बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। इसी अवसर पर अपने विद्यालय के तीन भैया सम्मानित हुए। चिन्मय मिशन बोकारो द्वारा आयोजित गीता चांटिंग कंपटीशन आयोजित हुआ था जिसमें इंद्रजीत कुमार उदित रंजन और भैया विश्वनाथ भट्टाचार्य क्रमशः प्रथम एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। विद्यालय के लिए सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार प्राप्त हुआ। सभी आचार्य दीदी, कर्मचारी बंधू भगिनी उपस्थित रहे।

तनिष्क ने मधुबनी कला से प्रेरित वेडिंग ज्वेलरी कलेक्शन 'रिवाह बाय' किया लॉच

बिहार की कलात्मक विरासत के सम्मान में, आज की दुल्हन के लिए रची सोने के आभूषणों की नयी परिभाषा

पटना/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। भारत का सबसे बड़ा ज्वेलरी रिटेल ब्रांड और टाटा परिवार का एक सदस्य, तनिष्क ने अपने वेडिंग-एक्सक्लूसिव सब-ब्रांड, रिवाह के तहत लॉन्च किया है अपना खास वेडिंग ज्वेलरी कलेक्शन - मैथिली सोने के आभूषणों की खरीदारी के लिए शुभ माना जाने वाला अक्षय तृतीया का पर्व नजदीक आ रहा है, समर वेडिंग सीजन भी धूमधाम से चल रहा है, ऐसे सही समय पर लॉन्च किया गया ह्यमैथिलीह्ल कलेक्शन परंपरा और आधुनिक शान को बहुत ही खूबसूरती से मिलाकर बिहार की कला विरासत को सम्मानित करता है। लॉन्च के अवसर पर, टाइटन कंपनी लिमिटेड के रीजनल बिजनेस हेड श्री सोमप्रभ सिंग ने कहा, ह्यबिहार और झारखंड हमारे लिए हमेशा से ही सबसे बढ़िया परफॉर्मेंस देने वाले मार्केट रहे हैं। इन क्षेत्रों में सोने के आभूषणों का सांस्कृतिक और भावनिक महत्व काफी ज्यादा है, खासकर वेडिंग सीजन में उनकी अहमियत कई गुना बढ़ जाती है। भारत के नेशनल लोकल ज्वेलर होने के नाते, हमने हमेशा से ही स्थानीय संस्कृतियों को सोच-समझकर बनाए गए डिजाइन्स के साथ सम्मानित किया है। इस क्षेत्र की दुल्हनों के लिए खास तौर पर बनाया गया अनोखा वेडिंग ज्वेलरी कलेक्शन प्रस्तुत करते हुए हमें बहुत खुशी हो रही है। मधुबनी कला के जियोमेट्रिक पैटर्न्स से प्रेरित होकर बनाया गया यह कलेक्शन विरासत की ऐसी नयी परिभाषा रचता है जो जड़ों के साथ जुड़े रहते हुए भी आधुनिक दुल्हन के लिए अनुरूप है। मिथिला क्षेत्र की पहचान मानी जाने वाले, दुनिया भर में मशहूर मधुबनी चित्रों से प्रेरित होकर बनाए गए इस कलेक्शन में बिहार की परंपराओं को सम्मानित किया गया है। बहुत ही बारीकी से डिजाइन किए गए, हाथों से बनाए गए आभूषणों में इस क्षेत्र की प्राचीन काल से चली आ रही संस्कृति और कारीगरी को जीवंत किया गया है। इस कलेक्शन में मधुबनी के बहुत ही लुभावने मोटिफ्स को सोने के शानदार आभूषणों में नए सिरे से परिभाषित किया गया है। इसमें नाजूक फिलग्री काम और बांग्ला पत्ता कारीगरी का उपयोग किया गया है। मिथिला की पारंपरिक कलाओं के सार को दशार्ने वाले यह डिजाइन वजन में हलके होने की वजह से गर्मियों के सीजन में हो रही शादियों के लिए परफेक्ट हैं। शानदार होने के बावजूद इस कलेक्शन के आभूषण पहनने के लिए बहुत ही सहज हैं। स्टेटमेंट नेकपीसेस, चोकर, इयररिंग्स और कंगनों के कई अलग-अलग डिजाइन इसमें शामिल हैं। मैथिली कलेक्शन बिहार की समृद्ध कलाओं से प्रेरित होकर बनाया गया है। हर आभूषण में परंपरा और शान का मिलाप है, गर्मियों में हो रही शादियों के लिए यह बेहतरीन है। मैथिली कलेक्शन आधुनिक दुल्हन की सोच, पसंद को बखूबी समझता है, वो दुल्हन जो अपनी जड़ों का मान रखती है, फिर भी अपनी वेडिंग ज्वेलरी में आधुनिक डिजाइन पहनने के सपने देखती है। भारत के अलग-अलग क्षेत्रों और संस्कृतियों के बारे में तनिष्क की गहरी समझ का प्रतिबिंब है मैथिली कलेक्शन। हर आभूषण मधुबनी की आइकोनिक इमेजरी को हम तक पहुंचाने की भाषा है - कोमल फूलों के बेल, पवित्र कलश मोटिफ्स और बहुत ही नाजुक लाइन वर्क आदि को हाथों से बनाए गए गोल्ड स्टाम्प और टेक्स्चर्ड वायरवर्क से जिवंत किया गया है। अनोखे टेक्निक और कलात्मक डिजाइन के इस सुसंगत मिलाप ने हर आभूषण को ऐसा मास्टरपीस बना दिया है, जो विशेष मौल्यवान माना जाएगा और हर पीढ़ी दर पीढ़ी सौंपा जाएगा। बिहार के सभी तनिष्क स्टोर्स में मैथिली कलेक्शन उपलब्ध है। यहां की दुल्हनों और परिवारों को ब्रांड आमंत्रित करता है कि वे यहां के एक से बढ़कर एक खूबसूरत डिजाइन देखें, तनिष्क की कारीगरी की विरासत और बिहार की सांस्कृतिक समृद्धि के मिलाप का अनुभव करें।

संविधान निर्माता बाबा साहब अंबेडकर का जीवन प्रेरणा का स्रोतः समरेंद्र बहादुर सिंह

छपरा (सारण)नवबिहार टाइम्स संवाददाता। भारतीय संविधान के शिल्पकार डॉ. भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि पर शिक्षक नेता समरेंद्र बहादुर सिंह ने शिक्षकों के साथ उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर समरेंद्र बहादुर सिंह ने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने अपने संघर्षशील जीवन से समाज में समानता, स्वतंत्रता, बंधुत्व व न्याय के मूल्य स्थापित किए। उन्होंने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे बाबा साहेब के विचारों को अपनाकर सामाजिक बदलाव में भागीदारी निभाएं। इस मौके पर जिला कार्यक्रम पदाधिकारी धनंजय पासवान, शैलेंद्र राम, हवलदार मांझी, विनोद विद्यार्थी, शौकत अली, रामचंद्र बिंद, पीयूष तिवारी समेत बड़ी संख्या में शिक्षक शामिल थे।

अंबेडकर जयंती पर निकाली गई मोटरसाइकिल यात्रा

मांझी (सारण) नवबिहार टाइम्स संवाददाता । भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में सोमवार को पकरभिंडा गांव में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बाबा साहेब की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए और उनके विचारों को स्मरण करते हुए सामाजिक समानता व शिक्षा के संदेश पर चर्चा की गई। इस अवसर पर एक मोटरसाइकिल यात्रा भी निकाली गई, जिसमें क्षेत्र के युवाओं और अंबेडकर विचारधारा से जुड़े लोगों ने उत्साह से भाग लिया। कार्यक्रम में जन सुराज नेता उदय शंकर सिंह, अनिल राम, चंद्रदेव मांझी, अशोक मांझी सहित कई सामाजिक कार्यकर्ता एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे। सभी ने बाबा साहेब के दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प दोहराया।

बेटी के लिए नहीं मिली गुड़िया तो खुद शुरू किया बनाना

हर महीने लाखों रुपये की कमाई

नईदिल्ली, एजेंसी। दुनिया में कई कारोबार सिर्फ जरूरत की वजह से शुरू हुए। ऐसा ही कारोबार बेंगलुरु की रहने वाली वीना पीटर का है। वीना लंबे बालों वाली गुड़िया बनाती हैं। उन्होंने यह कारोबार उस समय शुरू किया जब उन्हें अपनी बेटी तारा के लिए बाजार में लंबे बालों वाली गुड़िया नहीं मिली थी। वीना बताती हैं कि मार्केट में कुछ गुड़िया थीं, लेकिन उनकी क्वालिटी बहुत खराब थी। उनके बाल जल्दी टूट जाते

थे और गुड़िया भी बीच-बीच में से टूट जाती थीं। ऐसे में उन्होंने ऐसी गुड़िया बनाना शुरू किया जिसकी न केवल क्वालिटी अच्छी हो बल्कि वे टिकाऊ भी हों। एक जुनून के जरिए अपना कारोबार शुरू करने वाली वीना आज लाखों रुपये महीने कमा रही हैं। उनके ब्रांड का नाम तारा का डॉल हाउस है।

बच्चों की सेहत का भी ध्यान- वीना ने तारा का डॉल हाउस ब्रांड की शुरुआत दिसंबर 2022 में की थी। वह इस प्रकार की गुड़िया बनाती हैं जो न केवल पर्यावरण के अनुरूप हों बल्कि बच्चों की सेहत पर भी बुरा प्रभाव न पड़े। वीना बताती हैं कि सभी गुड़िया कपड़े से बनाई जाती हैं। उनके बालों को ऊन से बनाया जाता है। गुड़िया बनाने के लिए वीना देशभर के कई विक्रेताओं से कच्चा माल मंगवाती हैं।

गुड़िया के साथ डॉल हाउस भी- वीना अपने ब्रांड के तहत पारंपरिक गुड़िया के अलावा डॉल हाउस भी बेचती हैं। डॉल हाउस लकड़ी के बने होते हैं। इसकी वजह से ये बच्चों के लिए भी इको फ्रेंडली होते हैं।

10 का दम... रसना से लेकर मदर डेयरी तक

गर्मियों में धमाल मचाने के लिए कंपनियों का प्लान?

नईदिल्ली, एजेंसी। गर्मियों का मौसम आते ही कंज्यूमर गुड्स कंपनियों ने अपनी कमर कस ली है। कंपनियां छोटे पैकेट पर बड़ा दांव लगा रही हैं। खासकर 10 रुपये वाले पैकेट पर। टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक फूड कंपनियां इस कीमत में नए प्रोडक्ट और अलग-अलग तरह के सामान बाजार में ला रही हैं। वे छोटे पैकेट की मार्केटिंग और बेचने पर भी ध्यान दे रही हैं। इसका सबसे बड़ा कारण है कि छोटे पैकेट की डिमांड काफी रहती है। ऐसे में कंपनियां इस मौके को भुनाना चाहती हैं।

रसना ने 10 रुपये के पाउच में फ्रूट ड्रिंक कंसंट्रेट लॉन्च किया है। इससे तीन गिलास पेय बनाया जा सकता है। कंपनी के चेयरमैन पिरुज खंबाटा ने बताया कि इससे कम आय वाले लोग महंगे ब्रांड के मुकाबले सस्ता विकल्प पा सकेंगे। वहीं मदर डेयरी ने भी छोटे पैक उतारने की तैयारी कर ली है। मदर डेयरी ने 10 रुपये के पैकेट में मैंगो लस्सी और पुदीना छाछ जैसे प्रोडक्ट शामिल किए हैं। इनके अलावा पेप्सीको ने हैदराबाद में बिना चीनी वाला पेय 10 रुपये में पेश किया है।

कंपनियों क्यों आई छोटे पैकेट पर?- 10 रुपये के पैकेट हमेशा से कंपनियों की रणनीति का अहम हिस्सा रहे हैं। इससे उन्हें कम कीमत में सामान खरीदने वाले ग्राहकों को अपनी ओर खींचने में मदद मिलती है। लेकिन अब जब महंगाई बढ़ गई है तो मिडिल क्लास के परिवारों ने अपनी मर्जी से होने वाले खर्चों में कटौती कर दी है। इसलिए कंपनियां कम कीमत वाले छोटे पैकेट पर ज्यादा ध्यान दे रही हैं। रिलायंस ने कैम्पा कोला को 10 रुपये में लॉन्च करके सभी ब्रांड को अपनी रणनीति पर दोबारा सोचने पर मजबूर कर दिया है।

क्या कहना है एक्सपर्ट का?

एलारा कैपिटल के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट करण तौरानी ने कहा कि अभी माहौल थोड़ा मिला-जुला है। कंपनियां छोटे पैकेट को बढ़ावा दे रही हैं ताकि लोग बार-बार खरीदें। कैम्पा के आने के बाद 10 रुपये के पैकेट से कंपनियां मुकाबले में बनी रहेंगी। डाबर का कहना है कि 10 रुपये में मिलने वाले उसके जूस इस गर्मी में कंपनी के लिए बिक्री और बाजार में हिस्सेदारी बढ़ाने में मदद करेंगे। डाबर इंडिया में मार्केटिंग हेड (बेवरेज) मोनिशा पराशर ने कहा कि पेय पदार्थों के लिए 10 रुपये की कीमत भारतीय ग्राहकों को बहुत पसंद आती है। वे इसे घर से बाहर इस्तेमाल करने के लिए सबसे अच्छी कीमत मानते हैं। मदर डेयरी के मैनेजिंग डायरेक्टर मनीष बंदिश ने बताया कि गर्मी जल्दी शुरू होने से उनके पेय पदार्थ, आइसक्रीम और दही की मांग में पिछले साल के मुकाबले 30-40 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। वहीं, अमूल ने भी टू नाम से डेयरी से बने फ्रूट ड्रिंक को 10 रुपये में (150 द्रव्य) लॉन्च करके बाजार में मुकाबला तेज कर दिया है।

अक्षय तृतीया तक एक लाख के पार पहुंच सकता है सोने का भाव

टैरिफ के कारण लगातार बनी हुई है तेजी

नईदिल्ली, एजेंसी। लगातार नई ऊंचाई छू रहा सोना इस साल अक्षय तृतीया तक एक लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के पार पहुंच सकता है। इस समय यह 96,000 रुपये से ऊपर है। पिछले साल अक्षय तृतीया से लेकर अब तक सोने की कीमत में 32 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है।

विश्लेषकों का कहना है कि इस साल की शुरुआत से ही सोने में तेजी लगातार बनी हुई है। हर तीसरे दिन इसने नई ऊंचाई छुआ है। अब यह एक लाख रुपये का स्तर छूने की ओर बढ़ रहा है। मौजूदा वैश्विक हालात में यह किसी भी दिन इस मनोवैज्ञानिक स्तर को छू सकता है। शुक्रवार को सोने की कीमतों में 6,250 रुपये की बड़ी तेजी देखने को मिली थी, जिससे यह पहली बार 96,000 रुपये को पार कर गया।

दरअसल, कई देशों के बीच तनाव और अमेरिकी टैरिफ के कारण सुरक्षित मानी जाने वाली इस बहुमूल्य धातु की कीमतों में इस साल जबरदस्त तेजी दिखी है। सोना इस साल अब तक 22 फीसदी या

17,000 रुपये महंगा हो गया है। विश्लेषकों का कहना है कि अक्षय तृतीया के दिन सोना खरीदना शुभ माना जाता है। इसलिए, खुदरा कारोबारियों से लेकर खुदरा ग्राहकों में इस महीने भारी खरीदी देखी जा सकती है। ऐसे में मांग वृद्धि से कीमतें बढ़ सकती हैं। अक्षय तृतीया इस साल 30 अप्रैल को है। उसके बाद शादी-विवाह के भी शुभ मुहूर्त शुरू हो जाएंगे। ऐसे में यहां से सोने में लगातार खरीदारी का रुझान बना रहेगा। 10 मई, 2024 को अक्षय तृतीया के दिन सोने का भाव 73,000 रुपये प्रति 10 ग्राम रहा था। अब यह 96,000 रुपये के पार पहुंच गया है। हाल के समय में रुपया भी डॉलर की तुलना में अच्छा खासा सुधरा है। डॉलर पर बन रहे दबाव की वजह से भी पीली धातु की कीमतों में तेजी आने की उम्मीद है।

सोने ने अपने निवेशकों को छह साल में तीन गुना से ज्यादा रिटर्न दिया है। 2019 में अक्षय तृतीया के दिन 10 ग्राम सोने का भाव 31,729 रुपये था। 2020 में यह अक्षय तृतीया के दिन 32 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 46,000 रुपये के पार पहुंच गया। 2021 में 2.5 फीसदी की तेजी के साथ 47,000 रुपये के पार तो 2022 में 6 फीसदी के उछाल के साथ पहली बार 50,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के पार चला गया।

निवेश मंत्रा: एफडी पर घटने लगा ब्याज, फायदा उठाने का अंतिम अवसर

नईदिल्ली, एजेंसी। आरबीआई ने दो महीने में रेपो दर में 0.50 फीसदी की कटौती कर इसे 6 फीसदी पर ला दिया है। फरवरी में जब रेपो दर 0.25 फीसदी घटी थी, तब अधिकतर बैंकों ने न तो लोन पर ब्याज दर कम किया और न ही एफडी पर। इसका कारण यह था कि बैंकों के पास तरलता की भारी दिक्कत थी, जिसके कारण वे ज्यादा ब्याज दर के कारण जमाकर्ताओं को लुभाने का काम कर रहे थे। हालांकि, अप्रैल में जब फिर से रेपो दर 0.25 फीसदी घटी तो बैंकों ने अगले ही दिन से कर्ज और जमा पर दरें घटानी शुरू कर दी। इसका कारण यह है कि आरबीआई ने पिछले कुछ महीनों में बैंकिंग प्रणाली में 7 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम विभिन्न माध्यमों से डाली है।

तरलता बढ़ने से बैंकों ने दरें घटानी शुरू की- जब प्रणाली में अच्छी खासी तरलता आ गई है तो बैंक आगे भी एफडी पर ब्याज दरें घटाना जारी रखेंगे। आरबीआई अभी भी बैंकों में पैसा डालने के लिए तैयार है और 17 अप्रैल को 40,000 करोड़ रुपये बैंकों में डालेगा। हालांकि, हाल के समय में बैंकों की कर्ज की रफ्तार भी कम हो गई है। इससे ज्यादा जमा की जरूरत भी नहीं है। जिस तरह से आरबीआई ने अपने रुख को तटस्थ से बदलकर उदार अपनाया है, उससे आगे भी रेपो दर में कटौती होगी। जून और अगस्त में दो बार में 0.50 फीसदी कटौती की उम्मीद है। इससे बैंक फिर से जमा और कर्ज पर ब्याज दरें घटाएंगे, जिससे एफडी पर आपको कम फायदा मिलेगा।

जीटीआरआई की रिपोर्ट में दावा

अमेरिका पर चीन की सख्ती सुनहरा मौका

नईदिल्ली, एजेंसी। चीन से कम मूल्य वाले ई-कॉमर्स आयात पर अमेरिकी सख्ती बरतने से भारतीय ऑनलाइन निर्यातकों के लिए बड़े अवसर खुल गए हैं। शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने रविवार को यह बात कही। संस्थान ने कहा कि एक लाख से अधिक ई-कॉमर्स विक्रेताओं और पांच अरब डॉलर के मौजूदा निर्यात के साथ भारत, विशेष रूप से हस्तशिल्प, फैशन और घरेलू सामान जैसे छोटे उत्पादों के क्षेत्र में चीन की अनुपस्थिति को भरने की अच्छी स्थिति में है।

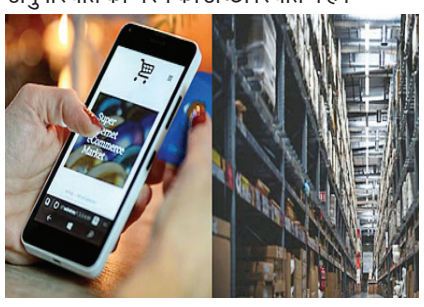

चीनी आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान, अन्य देशों के लिए द्वार खुलने की उम्मीद- संस्थान ने यह भी कहा कि अगर लालफीताशाही कम हो जाए और सरकार समय पर समर्थन प्रदान करे तो भारतीय ई-कॉमर्स विक्रेता इस कमी को पूरा कर सकते हैं। जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा कि अमेरिका में दो मई से 800 डॉलर से कम कीमत वाले चीनी और हांगकांग ई-कॉमर्स निर्यात पर 120 प्रतिशत का भारी आयात शुल्क लगेगा, जिससे उनका शुल्क-मुक्त प्रवेश समाप्त हो जाएगा। इस कदम से चीनी आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान उत्पन्न होने और अन्य देशों के लिए द्वार खुलने की उम्मीद है। **आरबीआई के नियम- 25 प्रतिशत का अंतर रखने की अनुमति-** चीनी फर्म शीन और टेमू इस क्षेत्र की प्रमुख कंपनी हैं। श्रीवास्तव ने कहा, भारत की मौजूदा व्यापार प्रणाली अभी भी बड़े, पारंपरिक निर्यातकों के लिए है, न कि छोटे ऑनलाइन विक्रेताओं के लिए।

सावधान! रोबोट अब फैक्ट्री में ही नहीं, घर तक में घुस आए हैं

बेंगलुरु। कर्नाटक की राजधानी है बेंगलुरु। यह शहर भारत का सिलिकॉन वैली कहलाता है। इस शहर में आईटी इंडस्ट्री से जुड़े अधिकतर कामगार हैं, इसलिए यहां लोगों को पगार अच्छी मिलती है। पगार अच्छी है तो लाइफस्टाइल भी महंगी है। मकान किराया तो ज्यादा है ही, घरों में काम करने वाली मेड या बाई भी महंगी मिलती है। इसलिए बेंगलुरु के लोग अब धीरे-धीरे बिना मेड के रहने का विकल्प चुन रहे हैं। खाना बनाने, झाड़ू-पोछा करने के लिए वे मेड के बदले रोबोट का इस्तेमाल करने लगे हैं।

कुक की जगह किचन रोबोट

हमारे सहयोगी टाइम्स ऑफ इंडिया में आई एक रिपोर्ट के मुताबिक घरों में रोबोट रखने का चलन बेंगलुरु में बढ़ता ही जा रहा है। अब हेब्बल में रहने वाली 35 साल की मनीषा रॉय को ही देखिए, उन्होंने सात महीने पहले अपने कुक की जगह एक किचन रोबोट को रख लिया। उनका कहना है कि अब वो पहले से ज्यादा आराम में हैं। रोबोट के आने के बाद से उनका बाहर खाना भी कम हो गया है। उनके पति नवीन और उनकी ढाई साल की बेटी नक्षत्र को रोबोट से बना पोहा, पाव भाजी और राजमा चावल बहुत पसंद है।

क्या-क्या काम करता है रोबोट- मनीषा बताती हैं, मेरा किचन रोबोट काट सकता है, भून सकता है, तल सकता है, चला सकता है, भाप दे सकता है और आटा भी गूंथ सकता है। इस ऑटोमैटिक मशीन में पहले से ही कई रेसिपी डाली हुई हैं। बस आपको बताए गए तरीके को फॉलो करना है, जरूरी चीजें डालनी हैं और सेटिंग चुननी है। इसके बाद मशीन अपने आप बाकी का काम कर लेती है। मनीषा रोबोट को मोबाइल ऐप से चलाती हैं। ऐप में सारे इंस्ट्रक्शन एक के बाद एक आते हैं। वो कहती हैं, मैं बस पैनल पर दिखाई देने वाली चीजें डाल देती हूं, रेसिपी के हिसाब से। मुझे तो ये भी देखने की जरूरत नहीं होती कि रोबोट सब्जियां काट रहा है या तल रहा है।

हो गई है आसानी- रोबोट की वजह से वो खाना बनाते वक्त दूसरे काम भी कर पाती हैं। मनीषा कहती हैं, पहले जब मैं खुद खाना बनाती थी, तो अगर कपड़े वगैरह फोल्ड करने लगती थी, तो खाना जल जाता था। अब मैं दूसरे काम भी कर लेती हूं, क्योंकि मुझे पता है कि खाना जलेगा नहीं।

क्यों बढ़ रही है रोबोट पर निर्भरता- टीओआई की रिपोर्ट के मुताबिक, आजकल घर में काम करने वाले लोग मिलना मुश्किल हो गया है। उनकी सैलरी भी बढ़ती जा रही है और उन्हें मैनेज करना भी एक झंझट है। इसलिए बहुत से लोग अब दूसरे ऑप्शन देख रहे हैं। ऑटोमैटिक मशीनें और रोबोट अब कमाल कर रहे हैं। ये मशीनें घर के काम जैसे फर्श की सफाई, खाना बनाना और बर्तन धोना जैसे काम कर रही हैं।

एक घर में दो रोबोट- बेंगलुरु की आर्किटेक्ट मीरा वासुदेव झाड़ू-पोछा के लिए दो तरह के रोबोट इस्तेमाल करती हैं। वो कहती हैं, हमारे पास एक वायरलेस वैक्यूम क्लीनर भी है। और खाना मैं खुद बनाती हूं। मीरा पिछले 18 महीनों से बिना मेड के रह रही हैं। उनका एक रोबोट ऊपर की धूल साफ करता है और कालीन पर भी चल सकता है। ये इधर-उधर पड़े सामान और फर्नीचर के नीचे से भी निकल जाता है और काम खत्म होने पर अपने आप चार्जिंग डॉक पर चला जाता है। हालांकि, मीरा का कहना है कि ये मोटे कालीन पर ठीक से काम नहीं करता। दूसरा रोबोट फर्श पर पोछा लगाता है। इसमें पानी का एक टैंक होता है जो फर्श पर पानी छोड़ता है और साथ में लगा कपड़ा पोछा लगाता है।

अमेरिका संग टैरिफ विवाद के बीच चीन के निर्यात में 12.4 प्रतिशत की वृद्धि

आयात में गिरावट आई

नईदिल्ली, एजेंसी। चीन के निर्यात में मार्च में एक साल पहले की तुलना में 12.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। कंपनियों ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की ओर से लगाए गए टैरिफ में वृद्धि से बचने के लिए निर्यात में जोर लगाया है, जिससे यह तेजी देखी गई। चीन की सरकार ने सोमवार को इसका एलान किया। चीन के सीमा शुल्क विभाग ने बताया कि आयात में 4.3 प्रतिशत की गिरावट आई।

बयान के अनुसार, विश्व की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से निर्यात वर्ष के पहले तीन महीनों में एक वर्ष पहले की तुलना में 5.8 प्रतिशत बढ़ा, जबकि आयात में 7 प्रतिशत की गिरावट आई। मार्च में चीन का अमेरिका के साथ व्यापार अधिशेष 27.6 बिलियन डॉलर रहा, जबकि इसके निर्यात में 4.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई। वर्ष की पहली तिमाही में अमेरिका के साथ चीन का व्यापार अधिशेष 76.6 अरब डॉलर रहा।

ट्रम्प की व्यापार नीतियों में हालिया संशोधनों के अनुसार, चीन को अमेरिका को किए जाने वाले अधिकांश निर्यातों पर 145 प्रतिशत टैरिफ का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि, निर्यात में सबसे अधिक वृद्धि चीन के दक्षिण-पूर्वी एशियाई पड़ोसियों को हुई, जहां मार्च में चीन से निर्यात में एक साल पहले की तुलना में लगभग 17 प्रतिशत की वृद्धि हुई। अफ्रीका को निर्यात में 11 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई।

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग सोमवार को क्षेत्रीय दौरे के तहत वियतनाम की यात्रा पर जा रहे हैं, जहां वे मलेशिया और कंबोडिया भी जाएंगे, जिससे उन्हें अन्य एशियाई देशों के साथ व्यापार संबंधों को मजबूत करने का अवसर मिलेगा, जो संभावित रूप से भारी टैरिफ का सामना कर रहे हैं, हालांकि पिछले सप्ताह ट्रम्प ने उन्हें लागू करने में 90 दिनों की देरी की थी। पिछले महीने वियतनाम को चीन का निर्यात एक वर्ष पहले की तुलना में लगभग 17 प्रतिशत बढ़ा, जबकि इसका आयात 2.7 प्रतिशत गिरा। सीमा शुल्क प्रशासन के प्रवक्ता ल्यू डालियांग ने कहा कि चीन एक जटिल और गंभीर बाहरी स्थिति का सामना कर रहा है, लेकिन आसमान नहीं गिरेगा। उन्होंने चीन के विविध निर्यात विकल्पों और विशाल घरेलू बाजार की ओर इशारा किया। जब उनसे चीनी आयात में गिरावट के बारे में पूछा गया तो उन्होंने संवाददाताओं को बताया कि चीन लगातार 16 वर्षों से विश्व का दूसरा सबसे बड़ा आयातक रहा है, और वैश्विक आयात में उसका हिस्सा लगभग 8 प्रतिशत से बढ़कर 10.5 प्रतिशत हो गया।

शंकर शर्मा के ट्वीट से मचा बवाल, मेक इन इंडिया की पोल खोल कर रख दी

मुंबई। जाने-माने निवेशक शंकर शर्मा का नाम आपने सुना ही होगा। वह जीक्वांट और फर्स्ट ग्लोबल के संस्थापक हैं। उन्होंने पिछले दिनों मुंबई की एक झुग्गी बस्ती का दौरा किया था। वहां उन्होंने एक छोटी सी वर्कशॉप देखी। उस वर्कशॉप में जिम के कुछ उपकरण बन रहे थे। उन उपकरणों की क्वालिटी और फिनिश काफी अच्छी दिख रही थी। ऐसा लग रहा था कि उन्हें खास तौर पर बनाया गया है। शर्मा को लगा कि भारत में अब मैन्युफैक्चरिंग का काम तेजी से बढ़ने वाला है। उन्होंने सोचा कि अब भारत भी चीजें बनाने में आगे बढ़ेगा। लेकिन, वह मुगालते में थे। उनका यह सोचना ज्यादा देर तक नहीं टिका। शर्मा ने सोशल मीडिया ङ्क पर लिखा, मैंने उस आदमी से पूछा, क्या तुम सच में यह सब बना सकते हो? शर्मा ने आगे लिखा, उसने जवाब दिया- सर, मैं चीन से इम्पोर्ट करता हूं और यहां पर उसे बस जोड़ता या असेंबल करता हूं। चीन की क्वालिटी, फिनिश और लुक का कोई मुकाबला नहीं है।

मेक इन इंडिया की हकीकत!- उस आदमी के जवाब ने शर्मा को भारत में मेक इन इंडिया की हकीकत दिखा दी। भारत में मैन्युफैक्चरिंग को लेकर जो बातें हो रही थीं, वह सब उस जवाब से फीकी पड़ गई। शर्मा ने कहा, यह कल की सच्ची कहानी है। बहुत से लोगों के लिए यह आज की भी कहानी है। ऊपर से देखने पर सब ठीक लगता है, लेकिन सच यह है कि हम अभी भी इम्पोर्ट पर निर्भर हैं।

लोगों ने दी अपनी राय- शंकर शर्मा की इस बात पर बहुत से लोगों ने अपनी राय दी। बहुत से लोगों ने अपनी परेशानी बताई। मेक इन इंडिया और चाइना+1 जैसे नारों के बावजूद, लोगों का कहना है कि असलियत में ज्यादा कुछ नहीं बदला है। एक यूजर ने जवाब दिया, मुझे लगता है कि दुनिया को चीन के प्रति अपना रवैया बदलने की जरूरत है। हमें यह मान लेना चाहिए कि चीन ने सबको हरा दिया है।

चीन जैसी क्वालिटी बना ही नहीं सकते- एक और यूजर ने लिखा, हम रोजमर्रा की चीजें भी चीन जैसी क्वालिटी की नहीं बना सकते। नेल कटर की बात करें, लगेज या बाथरूम में वजन मापने की मशीन। कार और इलेक्ट्रॉनिक्स तो बहुत दूर की बात है। यह निराशा बहुत गहरी है।

12_16.12..2018 PAGE-04.qxd 14-04-2025 22:42 Page 1

यज्ञ जुलूस के दौरान हुई झड़प

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग। झारखंड के हजारीबाग जिले के बड़कठा इलाके में दो समुदायों के बीच तनाव के बाद झड़प हो गई। झड़प के बाद क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। बताया जा रहा है कि एक समुदाय द्वारा यज्ञ का आयोजन किया जा रहा था, जिसके दौरान एक जुलूस भी निकाला जा रहा था।

इसी दौरान जुलूस के रास्ते में एक मस्जिद के पास पहुंचने पर दोनों समुदायों के बीच विवाद हुआ और देखते ही देखते पथराव शुरू हो गया। घटना के बाद कुछ लोगों ने वहां रखे भूसे के ढेर में आग लगा दी।

हजारीबाग के एसपी अरविंद कुमार सिंह ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया, रएक यज्ञ हो रहा था और उसी दौरान जुलूस निकाला जा रहा था। तभी मस्जिद के पास दोनों समुदायों के बीच झड़प हो गई, पथराव हुआ और फिर कुछ लोगों ने भूसे के ढेर में आग लगा दी। फिलहाल स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में है और जल्द ही एफआईआर दर्ज की जाएगी।

उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए पुलिस बल को तैनात कर दिया गया है और संवेदनशील इलाकों में कड़ी निगरानी रखी जा रही है।

- दोनों ओर से पत्थरबाजी
- स्थिति नियंत्रण में, पुलिस बल तैनात
- गुस्साये लोगों ने भूसे के ढेर में लगायी आग

कोडरमा फायर स्टेशन के हेड कॉन्स्टेबल एस.के. सिंह ने बताया, हमें सूचना मिली कि कुछ कमरों में आग लग गई है। मौके पर पहुंचने पर देखा कि चार से पांच कमरे जल रहे थे। हमारी टीम ने तुरंत आग पर काबू पा लिया। अब स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में है।

फायर ब्रिगेड की त्वरित कार्रवाई से आग को फैलने से पहले ही बुझा दिया गया, जिससे बड़ी क्षति टल गई। प्रशासन अब स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है।

निरिक्षण के दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने सिविल सर्जन की लगायी क्लास

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

टीकाकरण का देखा रजिस्टर, साफ-सफाई से हुए असंतुष्ट

धनबाद। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी सदर अस्पताल में औचक निरीक्षण पर पहुंचे। अस्पताल में व्यवस्था देखकर वह काफी नाराज हो गए। इसके बाद सिविल सर्जन डॉ. चंद्रभानु प्रतापन को जमकर फटकार लगाई।

निरीक्षण में स्वास्थ्य मंत्री ने पाया कि कई डॉक्टर और कर्मचारी ड्यूटी से गायब हैं, इस पर मंत्री नाराज हो गए। उन्होंने सिविल सर्जन से पूछा डॉक्टर काम करने के लिए है, कि छुट्टी लेने के लिए। उन्होंने कहा कि ऐसे डॉक्टरों को हटाइए। अस्पताल में ड्यूटी छोड़कर सभी प्राइवेट प्रैक्टिस करने में लगे हुए हैं।

उन्होंने कहा कि अस्पताल के डॉक्टर कहां है, सबको बुलाए। सिविल सर्जन कोई जवाब नहीं दे पाए। मंत्री ने कहा कि जितने भी डॉक्टर है उसका लिस्ट मुझे दीजिए, जो काम नहीं कर रहा मैं सबको हटाता हूं। मौके पर नोडल पदाधिकारी डॉ. राजकुमार सिंह भी मौजूद थे।

स्वास्थ्य मंत्री निरीक्षण के दौरान मरीजों के वार्ड में गए। यहां भर्ती मरीज से उन्होंने बातचीत की। इस दौरान मरीज का बेड काफी गंदा पाया गया। उसने यहां काम कर नर्स से पूछा कि बेड इतना गंदा कैसे हो गया है, बेड बदला नहीं जाता है क्या?

नर्स ने कहा कि बेड गंदा होने की जानकारी मैनेजर को दी थी, लेकिन बेड बदली नहीं गई। इस पर मंत्री ने सिविल सर्जन और अस्पताल के नोडल पदाधिकारी पर नाराजगी जताई।

मंत्री ने इस दौरान टीकाकरण केंद्र पहुंचकर खुद से रजिस्टर देखा। उन्होंने टीकाकरण में उपलब्ध मरीजों के नाम, टीका समेत अन्य चीजें देखी। इसके बाद इमरजेंसी विभाग पहुंचे। यहां पर डॉक्टर पीपी पांडे सेवा दे रहे थे। उन्होंने कहा कि और डाक्टर साहब कहां गए हैं, इसके बाद कोई स्पष्ट बताने वाला नहीं था।

इस दौरान पता चला कि स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग में डॉक्टर सुमन की ड्यूटी है। वह ऑन काल पर थी। मंत्री ने इस पर नाराजगी जताई और डॉ. सुमन को फोन किया।

उन्होंने डॉ. सुमन से पूछा कि आप कहां हैं, डॉ. सुमन ने बताया कि वह बाहर हैं, जैसे पता चला मंत्री फोन कर रहे हैं, डॉक्टर सकते में आ गई। मंत्री काफी नाराज हुए, उन्होंने कहा कि ऑन कॉल की ड्यूटी क्या होती है। बताया गया कि सदर अस्पताल में कई योजनाएं चल रही हैं, लेकिन नोडल पदाधिकारी को वित्तीय अधिकार नहीं मिला हुआ है, इस वजह से काम बाधित हो रहा है।

मंत्री ने कहा कि सिविल सर्जन को वित्तीय अधिकार हैं, तो सिविल सर्जन क्यों नहीं काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो भी परेशानी हो रही है, मैं इसे जल्द दूर कर दूंगा।

मंत्री ने कहा कि वित्तीय मामले के बीच मरीज को परेशानी नहीं आनी चाहिए, यह सोच लीजिए। उन्होंने बताया कि अब फाइल नहीं घूमने दूंगा, जो पदाधिकारी और कर्मी फाइल घुमाएगा, अब उसे मैं घुमा दूंगा।

सिविल सर्जन ने इस दौरान हाथ जोड़कर मंत्री से कहा कि सदर अस्पताल की कुछ बिल्डिंग बची हुई है, उसे बनवा दीजिए। इस पर मंत्री काफी नाराज हो गए।

उन्होंने कहा कि आप इससे पहले मेरे से रांची में मिले हैं, उस समय बिल्डिंग की बात क्यों नहीं की। उन्होंने कहा कि अभी मैं अस्पताल की व्यवस्था देखने आया हूं और इसे सुधारिए, नहीं तो कार्रवाई के लिए तैयार रहिए।

मोबाइल के लिए सगी बहनों में झगड़ा, दोनों ने खाया जहर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रनिया। रनिया थाना क्षेत्र के कराकेल सिरका लापा गांव में दो सगी बहनों ने कीटनाशक दवाइयां खाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। गंभीर अवस्था में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रनिया में दोनों बहनों का इलाज किया जा रहा है। घटना रविवार को सुबह 10 बजे की कराकेल सिरका लापा गांव की है। बीचु तोपनो की बेटी 15 वर्षीय बिनसरी तोपनो तथा 13 वर्षीय एतवारी तोपनो मोबाइल देख रही थी। अचानक से दोनों बहनें झगड़ने लगीं।

झगड़ते-झगड़ते घर में रखे खेतीबाड़ी में उपयोग होने वाले कीटनाशक दवाइयां दोनों बहनें खा गईं। इससे दोनों की हालत बिगड़ने लगी, तो तुरंत रनिया अस्पताल इलाज के लिए लाया गया। यहां दोनों बहनों का इलाज किया जा रहा है।वहीं, दूसरी ओर चाईबासा में घरेलू विवाद में टोंटो थाना अंतर्गत सानकुचिया गांव निवासी रसाय कारवा की पत्नी 32 वर्षीय तिरसी कारवा ने जहर खाकर जान दे दी। पुलिस ने गांव से शव बरामद किया और पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। बताया जा रहा है कि शनिवार को सुबह में किसी बात को लेकर तिरसी कारवा का अपने पति के साथ विवाद हो गया था।

विवाद के बाद उसका पति दूसरे गांव में काम करने के लिए चला गया। इस बीच दोपहर में खाना खाने के बाद महिला जंगल की ओर चली गई और वहां जहर खा लिया, जिससे उसकी स्थिति गंभीर हो गई। वह किसी तरह घर आकर सो गई। उसके नाक और मुंह से झाग निकलने लगा। यह देखकर उसके बच्चे आसपास के लोगों को बुलाकर लाये। महिला के पति को घटना की सूचना दी गई।

जब उसका पति घर आया तो पत्नी को मरा हुआ पाया। इसके बाद ग्रामीण मुंडा के द्वारा पुलिस को घटना की सूचना दी गई। पुलिस घटना स्थल पर आ कर शव को अपने कब्जे में लेकर थाना ले गयी। रविवार को शव का पोस्टमार्टम कराने के लिए पुलिस सदर अस्पताल लायी।

हेमंत सरकार को लगा झटका

हाई कोर्ट ने सरकार को लगाया 50 हजार रुपये का जुर्माना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड हाई कोर्ट ने एक जमीन को गैर हस्तांतरित बताते हुए उसके निबंधन पर रोक लगाने के आदेश को खारिज करते हुए राज्य सरकार पर 50 हजार का जुर्माना लगाया है।

हाई कोर्ट की खंडपीठ ने एकलपीठ के आदेश को सही बताया है। जुर्माने की राशि प्रतिवादी प्रबुद्ध नगर सहकारी गृह निर्माण समिति लिमिटेड को देने का निर्देश भी अदालत ने दिया है।

रांची डीसी ने 6 नवंबर 2020 को एक जमीन को गैर हस्तांतरित के श्रेणी में रखते हुए उसके निबंधन पर रोक लगाई थी। इस मामले में राज्य सरकार टाइटल सूट में हार गई थी। उसके बाद सरकार की प्रथम अपील 23 सितंबर 2015 को खारिज हो गई थी।

फिर सरकार ने द्वितीय अपील दाखिल की थी जो 20 दिसंबर 2019 को कोर्ट में सरकार के अधिवक्ता की उपस्थिति नहीं होने के कारण खारिज हो गई थी। इसके बाद भी रांची के उपायुक्त ने 6 नवंबर 2020 को उक्त जमीन को गैर हस्तांतरित श्रेणी में रखते हुए निबंधन पर रोक लगा दी थी।

जिसे प्रबुद्ध नगर सहकारी गृह निर्माण समिति लिमिटेड ने हाई कोर्ट में याचिका दाखिल कर चुनौती दी थी। हाई कोर्ट की एकल पीठ ने प्रबुद्ध नगर की सहकारी गृह निर्माण समिति के पक्ष में फैसला दिया।

इस फैसले के खिलाफ सरकार ने अपील दाखिल कर खंडपीठ में चुनौती दी थी। खंडपीठ ने सरकार की अपील याचिका खारिज करते हुए उस पर 50 हजार का हजार्ना लगाया।

अतिक्रमणकारियों को दिया गया नोटिस

धनबाद। धनबाद रेल मंडल के अंतर्गत आने वाले बोकारो थर्मल रेलवे स्टेशन के आसपास के अतिक्रमण को हटाने के लिए रेलवे ने नोटिस जारी किया है।

रेलवे ने नोटिस देकर सात दिनों में रेलवे की जमीन खाली करने की चेतावनी दी है। ऐसा नहीं करने वालों पर कार्रवाई करने की बात कही है।बोकारो थर्मल रेलवे स्टेशन के आसपास बस से कालोनियों जैसे सिक्स यूनिट, राजा बाजार, बिरसा नगर, सुभाष नगर समेत अन्य जगह को नोटिस दिया है।

नोटिस में कहा है कि रेलवे की जमीन पर अतिक्रमण किया गया है और वहां एस्बेस्टस हाउस के लिए अनधिकृत संरचना का निर्माण किया है जो सरकार की है। इसलिए संरचना को गिराकर जमीन को उसकी मूल स्थिति में बहाल करें और अनधिकृत रेलवे भूमि को खाली कर दें।नोटिस प्राप्त करने की तिथि से सात दिनों के भीतर जमीन को सौंप दें अन्यथा कानूनी कार्रवाई की जाएगी। धनबाद रेल मंडल के पीआरआई ललित पासवान ने कहा कि मामले की पूरी जानकारी फिलहाल मुझे नहीं है।

किसान को अज्ञात अपराधियों ने मारी गोली

दो हिरासत में

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नगड़ी। नगड़ी थाना क्षेत्र के साहेर गांव में रविवार को सुबह अज्ञात अपराधियों ने साहेर सेमर टोली निवासी किसान राजकुमार महतो को उसके खेत में ही गोली मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया।

रविवार को नगड़ी बाजार होने के कारण सुबह पौने पांच बजे किसान राजकुमार महतो अपने खेत में नेनुआ तोड़ रहा था। तभी वहां दो मोटरसाइकिल से चार अपराधी पहुंचे और बसिला गांव जाने का रास्ता पूछने लगे।

राजकुमार बोला कि इधर रास्ता नहीं है तो अपराधी उससे उलझ गए और रिवाल्वर निकाल कर राजकुमार को गोली मार दी। गोली लगने के बाद राजकुमार महतो ने एक अपराधी को पकड़ा और चिल्लाने लगा, तब अपराधी पिस्तौल के बट से राजकुमार के सिर में मारकर भाग गया।

घायल होने से पूर्व राजकुमार ने एक अपराधी को बगल के खेत से एक तरबूज उठाकर अपराधी को मारा और बचाओ बचाओ चिल्लाने लगा।

ग्रामीण उसकी आवाज पर दौड़े ही थे कि हड़बड़ी में अपराधी अपनी बिना नंबर एक पल्सर मोटरसाइकिल वहीं छोड़कर भाग गए। जिसे नगड़ी पुलिस ने जब्त कर लिया है।

नगड़ी पुलिस वहां पहुंची और घायल राजकुमार महतो को रिम्स में भेज दिया, जहां उसका इलाज आईसीयू में इलाज चल रहा है। घटना के बाद नगड़ी पुलिस ने पूछताछ के लिए साहेर गांव के ही दो लोगों को थाने लाई है।

उसने पुलिस को बताया कि तीन दिन पूर्व घर में किसी से झगड़ा हुआ था तब उसे जान से मरवाने की धमकी दी गई थी। इस संबंध में नगड़ी थाना प्रभारी अभिषेक राय ने कहा कि जल्द ही सभी अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

बाबा साहेब के बताए मार्ग पर चलने की आवश्यकता : संध्या देवी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू) । संविधान निर्माता भीमराव अंबेडकर एक महान पुरुष थे। उनके बताए मार्ग पर चलने की आवश्यकता है। उक्त बातें मानवाधिकार परिषद पलामू बोर्ड पश्चिमी सूदना की पलामू जिला अध्यक्ष संध्या देवी ने कही। वे स्थानीय अंबेडकर पार्क में भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रही थी। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर केवल संविधान निमार्ता ही नहीं बल्कि सामाजिक न्याय व समानता के सबसे बड़े प्रतीक थे। उनकी जयंती पर उन्हें याद करते हुए उनके विचारों को आगे बढ़ाने का संकल्प लेते हैं। इसके पूर्व उपस्थित लोगों ने बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

संगठन के लीगल को-ऑर्डिनेटर सह भाकपा जिला सचिव रुचिर तिवारी ने कहा कि बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की जयंती पूरा हिंदुस्तान मनाई जा रही है। बाबासाहेब अंबेडकर ने दलितों व पिछड़ों की आवाजों को बुलंद किया। वे एक महान समाज सुधारक के रूप में काम किया। भारत के संविधान का निर्माण किया। आज जरूरत है उनके विचारों को आत्मसात करने की। मानवाधिकार परिषद की संयुक्त सचिव किरण कुमारी ने कहा कि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के विचार आज भी प्रासंगिक है। जरूरत है उनके विचारों को आत्मसात करने की।

रामनाथ चंद्रवंशी ने कहा कि बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर गरीबों व दलितों के विकास के लिए कई काम किया। संविधान में उन्होंने कई ऐसे कानून दिए जिससे कि दलित व वंचित को कोई परेशान नहीं कर सके।

आज उनके विचारों को आप साथ करने की जरूरत है। मौके पर मानव अधिकार परिषद के महासचिव एमएन शर्मा, महिला विंग महासचिव मंजू कुमारी, लीगल कोऑर्डिनेटर रवि रंजन शुक्ला, अंकित कश्यप, जितेंद्र सिंह व राजेश पासवान ने अपने-अपने विचार प्रकट किए ।

गिरफ्तार साइबर ठग निकला उप्र के मुजफ्फरनगर का

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जामताड़ा। यूपी के मुजफ्फरनगर जिले के भोपा थाना क्षेत्र के गादला गांव का रहने वाला सागर उर्फ सागर नायक बांसपहाड़ी स्थित अपनी मासी के रहकर साइबर ठगी की वारदात को अंजाम दे रहा था।

विश्वस्त स्थानीय सूत्रों के अनुसार वह काफी अरसे से यहां रह रहा था और यहीं साइबर अपराधियों के संपर्क में आकर साइबर ठगी करना भी सीख गया। वह पिछले काफी समय से साइबर ठगी की वारदात में शामिल था।

जामताड़ा साइबर थाने की पुलिस ने बुधवार देर शाम नारायणपुर थाना क्षेत्र के बांसपहाड़ी स्थित पहाड़ी के किनारे बैठकर साइबर ठगी की वारदात को अंजाम देते हुए इन चारों को रंगेहाथों दबोचा है।

पुलिस के हत्थे चढ़ा शातिर सागर उर्फ सागर नायक अस्थाई तौर पर नारायणपुर थाना क्षेत्र के बांसपहाड़ी गांव में रह रहा था। जबकि पवन कुमार मंडल करमाटांड़ थाना क्षेत्र के महेशपुर, मनोज मंडल सिकरपोसनी और समद अंसारी अलगचुआं गांव का रहने वाला है। जामताड़ा एसपी एहतेशाम वकारिब ने बताया कि पुलिस को सूचना थी आरोपित वर्तमान में बांसपहाड़ी इलाके साइबर ठगी की वारदात को अंजाम दे रहे हैं।

साइबर थाने के इंस्पेक्टर देवेंद्र कुमार वर्मा की अगुवाई में टीम ने छापेमारी कर आरोपितों को रंगेहाथों धर दबोचा। सभी आरोपितों के खिलाफ केस दर्ज करने के बाद उन्हें जेल भेज दिया गया है।

एसपी ने बताया कि ये शातिर लोगों को बकाया बिजली बिल का भुगतान करने के नाम पर ठगी का शिकार बना रहे थे। छापेमारी के दौरान आरोपितों के पास से 1 बाइक, 10 मोबाइल और 14 सिम कार्ड बरामद हुए हैं।

इन दिनों दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल के लोग इन शातिरों के निशाने पर थे। पुलिस के हत्थे चढ़े मनोज मंडल पहले भी साइबर ठगी का आरोपित रह चुका है।

सुजीत सिन्हा गैंग के शातिर अपराधी हरि तिवारी सहित दो गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू) । अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में पलामू पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने कुख्यात अपराधी सरगना सुजीत सिन्हा गैंग से जुड़े एक शातिर अपराधी सहित दो अपराधियों को गिरफ्तार किया है। दोनों की गिरफ्तारी मेदिनीनगर शहरी क्षेत्र से हुई। उनके पास से दो हथियार, गोली, मोबाइल फोन, फर्जी आधार कार्ड आदि बरामद किए गए। सोमवार को दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। मेदिनीनगर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मणिभूषण प्रसाद ने सोमवार को प्रेस वार्ता में बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर कुख्यात अपराधी सरगना सुजीत सिन्हा गैंग से जुड़े स्थानीय बारालोटा निवासी हरि तिवारी उर्फ धीरेन्द्र कुमार तिवारी को गिरफ्तार किया गया है। हरि तिवारी पर 35 आपराधिक मामले दर्ज हैं। 2012 से हरि तिवारी आपराधिक घटनाओं को

अंजाम दे रहा था। जनवरी 2025 में मेदिनीनगर के बैरिया स्थित हाउसिंग कॉलोनी में केके मेमोरियल के बगल में अर्द्धनिर्मित मकान में अपराध की योजना बनाते छह अपराधी पकड़े गए थे। सभी अपराधियों को हरि तिवारी ने एकजुट किया था। साथ ही आपराधिक घटना को अंजाम देने वाला था। इस कांड में हरि तिवारी फरार चल रहा था। हरि तिवारी के पास से एक फर्जी आधार कार्ड, एटीएम कार्ड व दो मोबाइल फोन बरामद हुआ है।

इधर पुलिस ने एक अन्य मामले में डालटनगंज स्टेशन रोड में राहगिरों को लूटने की इरादे से बीती रात जमा हुए दो अपराधियों में से एक को गिरफ्तार किया है। उसकी पहचान दो नंबर टाउन कुम्हार टोली के चंदन कुमार वर्मा के रूप में हुई है। उसके पास से एक सिक्सर, एक देशी कट्टा, दो गोली बरामद की गयी है। चंदन का साथी कांदू मुहल्ला का नीतीश शर्मा मौके से फरार हो गया है। दोनों के खिलाफ हत्या, लूट सहित अन्य आपराधिक 14 मामले दर्ज हैं।

लोजपा ने मनाई बाबा साहेब की जयंती

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू) । सर्वसमावेशी, सर्वहितग्राही व उत्कृष्ट लोकतांत्रिक मूल्यों से भारत के इतिहास में जन्मे कई सारे महापुरुषों में से एक बड़ा नाम है बाबा साहब भीमराव अंबेडकर। बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर ने समाज में शिक्षा, राजनीति व न्याय व्यवस्था की दिशा में कई बदलाव किए। डॉ. भीमराव अंबेडकर एक महान विचारक, समाज सुधारक व संविधान निमार्ता थे।

उक्त बातें लोक जनशक्ति पार्टी (रा) के पलामू जिला अध्यक्ष सह मजदूर नेता राकेश सिंह ने कही। वे सोमवार को स्थानीय अंबेडकर पार्क स्थित बाबा की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के बाद संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि बाबा भीमराव अंबेडकर सदैव सर्व प्रमुख शिक्षा में समानता लाने पर बल दिया। इनके द्वारा रचित भारतीय संविधान के रक्षार्थ वे सभी सदैव खड़े हैं। इसके लिए जान की भी बाजी लगानी पड़े तो उनका सौभाग्य होगा। मौके पर शंभू प्रसाद, विशाल कुमार राय, रजत पासवान, गुड्डू खान, यासीन अंसारी, सिद्धार्थ पटेल, उपेंद्र राम सहित कई पार्टी के सदस्य मौजूद थे।

बदलते मौसम से किसान हलकान

जमशेदपुर। प्रदेश में पिछले कुछ दिनों से आसमान में आंशिक बादल छाए रहने के कारण मौसम में बदलाव हुआ है। लोगों को गर्मी से राहत मिली है। आज दिनभर आंशिक बादल छाए रहे। रात में ठंडी हवा बहने के कारण तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई है।

मौसम विज्ञान केंद्र रांची द्वारा जारी पूवार्नुमान की माने तो 14, 15 और 16 अप्रैल तक राज्य के देवघर, दुमका, गोड्डा, पाकुड़, जामताड़ा, धनबाद, गिरिडीह और साहिबगंज के अलावा पश्चिमी क्षेत्र यानी पूर्वी और पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा और सरायकेला खरसावां में 14 अप्रैल को जहां 40 से 50 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से हवा चलने, बारिश और बिजली गिरने की भी संभावना है।

इसके साथ-साथ निकटवर्ती मध्य भाग यानी रांची, रामगढ़, हजारीबाग, खूंटी, गुमला और बोकारो में भी 14 अप्रैल को जहां 40 से 50 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से हवा बहेगी तो दूसरी ओर वर्षापात के साथ साथ बिजली गिरने की भी संभावना है, इसे लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

पुलिसकर्मी पर शादी का लालच देकर यौन शोषण का आरोप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सरैयाहाट । सरैयाहाट थाना क्षेत्र की एक युवती ने थाना के सहायक पुलिस गौतम कुमार वैद्य पर यौन शौषण करने और दहेज की मांग करते हुए शादी करने से इनकार करने का आरोप लगाया है। युवती ने सहायक पुलिस के खिलाफ थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है।

इस मामले में पीड़िता ने बताया कि आरोपित करीब तीन साल से शादी का प्रलोभन देकर यौन शौषण करते आ रहा है, जब पीड़िता ने शादी करने का दबाव दिया तो अब वह शादी करने से इनकार कर रहा है।

साथ ही यह बताया जा रहा है कि शादी इसी शर्त पर करेंगे। जब पांच लाख नगद, एक भर का सोने का चेन, एक बाइक और पचास हजार का तिलक का सामान दहेज में मिलेगा।

पाड़िता ने बताया कि आरोपित सहायक पुलिस ने करीब पांच-छह बार तारापीठ ले जाकर कर उसके साथ होटल में यौन शौषण किया। बीते दिसंबर 2024 को आरोपित उसे तारापीठ ले गया और विश्वास दिलाने के लिए मांग में सिंदूर भर दिया।

उसके बाद से वह पत्नी का दर्जा देते हुए खर्च के लिए ऑनलाइन पैसे भी भेजा करता था, लेकिन अप्रैल महीने में पीड़िता को आरोपित की भाभी से पता चला कि उसकी शादी किसी दूसरे लड़की से तय हो गई है।

उसके बाद जब इस संबंध में आरोपित से पीड़िता ने पूछा तो उसने शादी करने से साफ इनकार कर दिया और कहा कि मेरी शादी कहीं और तय हो गई है। मैं अब तुमसे शादी नहीं करूंगा।

इसके बाद पीड़िता ने एसपी से न्याय करने की गुहार लगाई है। रविवार को इस मामले में थाने में आरोपित के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई गई। वहीं युवती को मेडिकल जांच एवं 164 बयान के लिए दुमका न्यायालय भेजा जाएगा। आरोपित अभी फरार बताया जा रहा है। पुलिस इस मामले की छानबीन करने में जुट गई है।

राज्य स्तरीय गतका शिविर में पलामू का रहा दबदबा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। गतका एसोसिएशन ऑफ झारखंड की अगुवाई में एमजीएम स्कूल बोकारो में दो दिवसीय झारखंड स्टेट गतका ट्रेनिंग कैंप का आयोजन किया गया। इसमें राष्ट्रीय गतका कोच सुखदीप सिंह व शिवम यदुवीर सिंह ने झारखंड के गतकाबाजों को ट्रेनिंग दिया। इस दौरान पलामू के गतकाबाजों की कौशलता को देखते हुए उनकी सराहाना की। समापन समारोह के दिन कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि जसमीत सिंह, हरपाल सिंह, झारखंड गतका संघ के को-ऑर्डिनेटर पप्पू सिंह, बोकारो गतका संघ के सचिव राजीव सिंह, पलामू के एसजीएफआई के खिलाड़ियो से मिलकर उनका हौसला बढ़ाया। मौके पर सुमित बर्मन ने कहा कि पलामू में खिलाड़ियों की संख्या अधिक है। परंतु खिलाड़ियों को सहयोग करने वालों की संख्या कम है। ऐसे में खिलाड़ी अपनी आर्थिक स्थिति से लड़ते हुए रिंग में प्रतिद्वंदी से लड़ते हैं। पलामू के गतकाबाजों ने गतका फेडरेशन ऑफ इंडिया के बदले हुए नई तकनीक की जानकारी ली। इससे दिल्ली में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय स्कूल गेम व बिहार के बोधगया में आयोजित होने वाले खेलो इंडिया में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकें। कैंप में पलामू जिले के 30 खिलाड़ियों ने भाग लिया। खिलाड़ियों के साथ कोच के रूप में अमरेश कुमार मेहता व पलामू गतका संघ के सचिव सुमित बर्मन बोकारो गए थे।

मुंबई इंडियंस की जीत के साथ टूटा तिलक वर्मा के साथ जुड़ा अनचाहे रिकॉर्ड का सिलसिला

आईपीएल 2025

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियंस के बीच इंडियन प्रीमियर लीग 2025 का मुकाबला कुछ दिलचस्प आंकड़ों का गवाह बना। इस मैच में मुंबई इंडियंस को 12 रनों से जीत मिली क्योंकि दिल्ली कैपिटल्स ने 206 रनों के टारगेट का पीछा करते हुए ऑलआउट होकर 193 ही रन बनाए। इसके साथ ही मुंबई इंडियंस का 200 या उससे ज्यादा के स्कोर को डिफेंड करने का रिकॉर्ड बरकरार है। मुंबई इंडियंस ने पहले बैटिंग करते हुए जब भी 200 प्लस का स्कोर बनाया है, उन्हें जीत मिली है। ऐसा करते हुए यह एमआई की 15वीं जीत थी। मुंबई इंडियंस ऐसी टीम है जिसने आईपीएल में विपक्षी टीमों को सबसे ज्यादा 37 बार ऑल आउट किया है। वहीं, दिल्ली कैपिटल्स की यह दिल्ली में 15वीं हार थी। आईपीएल में किसी भी टीम ने किसी एक जगह पर इतने ज्यादा मैच नहीं हारे हैं।

हालांकि एक मामले में मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स एक ही पेज पर हैं। दोनों ही टीमों ने अब तक 200 प्लस का टारगेट देते हुए कोई मैच नहीं गंवाया है। इस मुकाबले में डीसी की हार के कई कारण रहे। गेंद बदलना भी इनमें एक प्रमुख कारण रहा। इसके अलावा एक ही ओवर में तीन रन आउट भी टीम के पक्ष में नहीं गए। आईपीएल के इतिहास में ऐसा सिर्फ दूसरी बार हुआ है जब एक ओवर में किसी टीम के तीन बल्लेबाज रन आउट हुए हैं। मुंबई इंडियंस के बल्लेबाज तिलक वर्मा के नाम एक ऐसा दुर्योग था जो इस मैच में टूट गया। अब तक ऐसा एक बार भी नहीं हुआ था जब तिलक वर्मा ने अर्धशतकीय पारी खेली और उनकी टीम मुंबई इंडियंस को जीत मिली। लेकिन इस बार तिलक ने अपनी टीम की 12 रनों की जीत में अहम योगदान देते हुए 33 गेंदों पर 59 रनों की पारी खेली।

आईपीएल 2022 से अब तक तिलक ने विभिन्न टीमों के खिलाफ खेलते हुए सात मैचों में अर्धशतकीय पारी खेली है। इन सातों मैचों में मुंबई इंडियंस को हार मिली है। आखिरकार तिलक के लिए यह मिथक भी टूट गया है।

आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लिए तिलक वर्मा के 50 प्लस रन

2022 में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 61 रन - मैच हार गए
2022 में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ नाबाद 51 रन - मैच हार गए
2023 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ नाबाद 84 रन - मैच हार गए
2024 में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 64 रन - मैच हार गए
2024 में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 65 रन - मैच हार गए
2024 में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 64 रन - मैच हार गए
2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ 56 रन - मैच हार गए
2025 में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 59 रन - मैच जीत गए

आईपीएल 2025 में तिलक से आगे और बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है क्योंकि सीजन के शुरुआती चार मैचों में जहां उनका स्ट्राइक रेट केवल 113 का था, तो वहीं पिछले दो मैचों में उन्होंने 62 गेंदों पर 115 रन बनाए हैं, जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 185.5 रहा है।

बस मौके का इंतजार था...

मुंबई के खिलाफ आक्रमक अर्धशतक लगाकर बोले करूण नायर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली कैपिटल्स के लिए आक्रामक अर्धशतक लगाकर दो सत्र बाद आईपीएल में वापसी करने वाले करूण नायर मानसिक रूप से अपना पहला मैच खेलने के लिये पूरी तरह से तैयार थे और उन्हें पता था कि कैसे खेलना है । जीत के लिये 206 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए करूण के 40 गेंद में 89 रन की मदद से दिल्ली ने शानदार शुरूआत की लेकिन बीच के ओवरों में लगातार विकेट गंवाकर 12 रन से मैच गंवा दिया। एक ओवर में जसप्रीत बुमराह को दो छक्के लगाने का माद्दा बहुत बल्लेबाजों ने नहीं होता लेकिन करूण ने यह कर दिखाया। उनके इस प्रदर्शन का कारण घरेलू क्रिकेट का शानदार प्रदर्शन भी है जिसमें उन्होंने विदर्भ के लिए विभिन्न प्रारूपों में पिछले सत्र में 1870 रन बनाए। टेस्ट मैच में तिहरा शतक जड़ चुके करूण ने मैच के बाद मीडिया से कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो मुझे आईपीएल पहले खेल चुका होने के कारण आत्मविश्वास था। मुझे पता था कि कैसे खेलना है। मेरे लिए कुछ नया नहीं था। मेरे दिमाग में तैयारी पूरी थी। बस मौके का इंतजार था। कुछ गेंद खेलकर फिर लय में आने की बात थी। वर्ष 2022 में राजस्थान रॉयल्स का हिस्सा रहे करूण ने पावरप्ले के दौरान पारंपरिक शॉट्स खेलने के बारे में कहा, 'मैं खुद से यही कह रहा था कि खुद को समय दो, आम शॉट खेलो और उसके बाद तेजी से खेल सकते हो। सब कुछ वैसे ही हुआ लेकिन अगर टीम जीत जाती तो अधिक खुशी होती। पिछले चार मैचों में मौका नहीं मिलने के बावजूद उन्हें यकीन था कि उन्हें मौका मिलेगा और इसके लिए वह मानसिक रूप से तैयार थे। उन्होंने कहा, 'फाफ (डु प्लेसी) नहीं खेल रहे थे। हमें पता था कि अगर कोई खिलाड़ी बाहर होता है तो उसकी जगह कौन खेलेगा। मानसिक तौर पर मैं तैयार था। मेरा आत्मविश्वास बढा है और मुझे पता है कि मैं खेलने के लिए पूरी तरह से तैयार हूं।

अक्षर पटेल को सीजन की पहली हार के बाद मिली सजा, देना होगा बड़ा हर्जाना

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स ने इस सीजन में पहले चार मैच जीतकर शानदार शुरुआत की थी। रविवार को उनके विजयी अभियान पर ब्रेक लग गया। उन्हें रविवार को मुंबई इंडियंस के हाथों इस सीजन की पहली हार मिली। टीम के कप्तान अक्षर पटेल के लिए इतना दुख शायद काफी नहीं था। इसके बाद बीसीसीआई ने उन्हें सजा भी दी।

अक्षर पटेल पर लगा जुर्माना- अक्षर पटेल दिल्ली के कप्तान हैं। वह रविवार को यह सुनिश्चित नहीं कर सके कि टीम समय पर पारी के ओवर खत्म करके। स्लो-ओवर रेट के कारण ही उन्हें बीसीसीआई की ओर से सजा मिली है। बीसीसीआई ने अपने बयान में लिखा, 'यह आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत उनकी (पटेल की) टीम का इस सीजन का पहला अपराध था, जो न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित है, इसलिए पटेल पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया।

पहली हार से दुखी अक्षर पटेल

अक्षर पटेल मैच में हार के बाद काफी निराश हो गए। उन्होंने कहा, 'मैच हमारे हाथ में था। मध्यक्रम में कुछ खिलाड़ी खराब शॉट खेलकर आउट हो गए। आप हर बार निचले क्रम के बल्लेबाजों पर भरोसा नहीं कर सकते। ज़्यादा सोचने की ज़रूरत नहीं है, बस एक दिन ऐसा था। आधे समय में ही हम खुश थे। शुरुआत में गेंद रुक रही थी लेकिन फिर यह बेहतर हो गई। और फिर ओस ने हमारी मदद की। हमारे तीन स्पिनरों में से दो पावरप्ले और डेथ में भी गेंदबाजी कर सकते हैं। कुलदीप अविश्वसनीय रूप से अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं। बल्लेबाजी के दृष्टिकोण से इस खेल को भूल जाना चाहिए।'

सनराइजर्स हैदराबाद के होटल में लगी आग

आईपीएल 2025 के बीच बड़ा हादसा!

नई दिल्ली, एजेंसी। सनराइजर्स हैदराबाद का आईपीएल 2025 में अभी तक निराशाजनक प्रदर्शन देखने को मिला है. टीम का अगला मुकाबला मुंबई इंडियंस से 17 अप्रैल को है. इस बीच एक हैरान करने वाली खबर आयी है. एक रिपोर्ट के मुताबिक हैदराबाद के टीम होटल में

सोमवार सुबह आग गई. हालांकि अहम बात यह है कि सभी खिलाड़ी सुरक्षित हैं. सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाड़ी हैदराबाद के बंजारा हिल्स में रुके हुए हैं. एनडीटीवी की एक खबर के मुताब यहां के पार्क हयात होटल के एक फ्लोर पर आग लग गई. हालांकि मौके पर फायरब्रिगेड की गाड़ी पहुंच गई. इसके बाद आग पर काबू पा लिया गया. आग की वजह से होटल और उसके आसपास के एरिया में धुआँ फैल गया. अच्छी बात यह रही सभी खिलाड़ी सुरक्षित हैं.

खिलाड़ियों को दूसरे होटल में किया गया शिफ्ट

एक रिपोर्ट के मुताबिक आग लगने के बाद सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाड़ियों को दूसरे होटल में शिफ्ट कर दिया गया. आग लगने के बाद होटल के अंदर मौजूद लोग बाहर की तरफ दौड़कर आ गए थे. अहम बात यह रही कि फायरब्रिगेड के पहुंचने के बाद मामले को संभाल लिया गया.

मोटरसाइकिल है या विक्की?

भारत का एक्टिवा स्कूटर भी इसके सामने लगे मर्सेडीज

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान सुपर लीग अपने अनोखे तोहफों को लेकर चर्चा में है. ताज़ा में कराची किंग्स के लिए खेलने वाले जेम्स विंस को हाल ही में हेयर ड्रायर तोहफे में मिला था. मुल्तान सुल्तान के खिलाफ मैच में जेम्स ने 43 गेंदों में 101 रनों की तूफानी पारी खेली थी. अब एक नई तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है, जिसमें देखा जा सकता है कि मैदान में एक मोटरसाइकिल खड़ी है. इस मोटरसाइकिल को देख लोग अलग-अलग तरह के सवाल खड़ी करने लगे हैं.

पीएसएल फैंस के लिए नई स्कीम- यह तस्वीर उसी मैदान की है, जिसमें कराची किंग्स बनाम मुल्तान सुल्तान मैच खेला गया था. दरअसल मैदान में खड़ी मोटरसाइकिल किसी खिलाड़ी के लिए नहीं है बल्कि पाकिस्तान सुपर लीग ने फैंस के लिए एक नई पहल शुरू की है. इस नई स्कीम के तहत एक लकी विजेता को यह मोटरसाइकिल गिफ्ट की जाएगी, जो किसी विक्की से कम नहीं लग रही है. स्कीम के अनुसार मैदान में मैच को लाइव देखने पहुंचे लोगों में से किसी एक लकी विजेता को 70सीसी वाले इंजन की मोटरसाइकिल भेंट की जाएगी. पाकिस्तान के इतने बुरे हाल हैं कि वहां एक 70सीसी की बाइक की कीमत तकरीबन डेढ़ लाख रुपये है, जो भारतीय करेंसी में लगभग 46,000 रुपये के बराबर है. इस मोटरसाइकिल का ना तो डिजाइन अच्छा है और ना ही इसका इंजन बहुत तगड़ा प्रतीत हो रहा है.

मैच के अंत में मोटरसाइकिल भेंट की जाती है

लिथुआनिया के मायकोलास अलेक्ना का चक्का फेंक में विश्व रिकॉर्ड, 75.56 मीटर का रहा थ्रो

रमोना (अमेरिका), एजेंसी। पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाले ऑस्ट्रेलिया के मैट डेनी ने 74.78 मीटर की दूरी तक चक्का फेंक कर कुछ समय के लिए रिकॉर्ड अपने नाम किया, लेकिन 22 वर्षीय अलेक्ना ने जल्द ही फिर से उसे अपने नाम कर दिया। लिथुआनिया के मायकोलास अलेक्ना ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए चक्का फेंक में यहां अपने विश्व रिकॉर्ड को दो बार पीछे छोड़ा। उन्होंने ओक्लाहोमा थ्रोज सीरीज वर्ल्ड इनविटेशनल प्रतियोगिता में 247 फीट, नौ इंच (75.56 मीटर) चक्का फेंककर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया। इस स्टार खिलाड़ी में इससे पहले अपने शुरुआती प्रयास में 74.89 मीटर चक्का फेंककर अपने पिछले विश्व रिकॉर्ड को तोड़ा था।

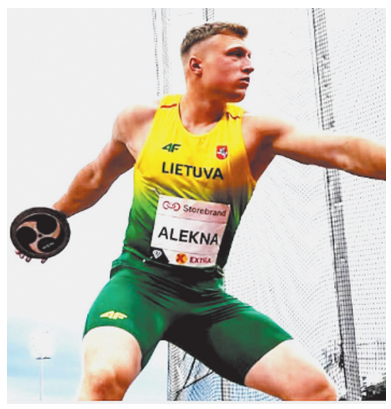

पिछले साल इसी प्रतियोगिता में उन्होंने 1986 से चला आ रहा विश्व रिकॉर्ड तोड़ा था। उन्होंने पेरिस ओलंपिक 2024 में रजत पदक जीता था। पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाले ऑस्ट्रेलिया के मैट डेनी ने 74.78 मीटर की दूरी तक चक्का फेंक कर कुछ समय के लिए रिकॉर्ड अपने नाम किया, लेकिन 22 वर्षीय अलेक्ना ने जल्द ही फिर से उसे अपने नाम कर दिया।

तीरंदाजी विश्व कप में धीरज ने व्यक्तिगत कांस्य जीता, पुरुष टीम को रजत पदक

ऑबर्नडेल (अमेरिका), एजेंसी। भारत ने रविवार को तीरंदाजी विश्व कप चरण एक में अपना अभियान चार पदकों के साथ समाप्त किया, जिसमें पुरुष रिकर्व टीम स्पर्धा में एक रजत और व्यक्तिगत रिकर्व वर्ग में धीरज बोम्मदेवरा का कांस्य पदक शामिल है। सेना के 23 वर्षीय तीरंदाज धीरज ने कांस्य पदक के लिए खेले गए मैच में जीत हासिल करने के लिए असाधारण धैर्य और संयम दिखाया। उन्होंने 2-4 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए स्पेन के एंड्रेस टेमिनो मेडिएल को पांच सेट के तनावपूर्ण मुकाबले में 6-4 से हराया। धीरज इससे पहले सेमीफाइनल में दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी और पेरिस ओलंपिक के रजत पदक विजेता जर्मनी के फ्लोरियन उनरुह से 1-7 से हार गए थे। इससे पहले दिन में धीरज अनुभवी तरूणदीप राय और अतनु दास के साथ उस भारतीय तिकड़ी का भी हिस्सा थे, जिसने टीम स्पर्धा के फाइनल में चीन से 1-5 से हारने के बाद रजत पदक जीता था। भारत ने इस तरह से इस प्रतियोगिता में चार पदक जीते। इससे पहले भारतीय कंपाउंड मिश्रित टीम ने स्वर्ण और कंपाउंड पुरुष टीम ने कांस्य पदक जीता था। भारत के अभियान में अभिषेक वर्मा पदक से चूक गए और कंपाउंड पुरुष व्यक्तिगत वर्ग में चौथे स्थान पर रहे।

14 साल के वैभव सूर्यवंशी को आईपीएल डेब्यू कराने की तैयारी में राजस्थान रॉयल्स?

नई दिल्ली, एजेंसी। 13 साल के थे जब राजस्थान रॉयल्स ने 1.10 करोड़ रुपये में वैभव सूर्यवंशी को खरीदकर खुद से जोड़ा था. अब हाल ही में 14वां जन्मदिन मनाने के बाद वो दिन दूर नहीं जब वैभव सूर्यवंशी का आईपीएल डेब्यू होता दिखेगा. वैभव सूर्यवंशी अपने आईपीएल डेब्यू के लिए कमर कसकर तैयार हैं. जोफ्रा आर्चर के खिलाफ किया उनका शक्ति प्रदर्शन उसी का प्रमाण है. हालांकि, आईपीएल में उनका डेब्यू पूरी तरह से राजस्थान रॉयल्स टीम के मैनेजमेंट का फैसला रहने वाला है.

जोफ्रा आर्चर की गेंदों को वैभव सूर्यवंशी ने नहीं बख्शा

अब राजस्थान की मैनेजमेंट टीम की खस्ती हालत के बीच क्या निर्णय लेती है, वो तो वक्त पर पता चल ही जाएगा, लेकिन, उससे पहले जोफ्रा आर्चर की गेंदों को एक के बाद एक ठिकाने लगाते हुए

वैभव सूर्यवंशी को जिसने भी देखा, वो बस उनका कायल होता दिखा. वैभव और जोफ्रा के बीच हुए आमना-सामना का ये वीडियो इंस्टाग्राम पर राजस्थान रॉयल्स ने शेयर किया है.

8 में से 6 गेंदों को लगाया ठिकाने!

वीडियो में आप देख सकते हैं 14 साल के वैभव सूर्यवंशी कितनी दिलेरी से जोफ्रा आर्चर की गेंदों का सामना कर रहे हैं. वो उनकी कुल 8 गेंदें खेलते हैं और उतने में ही आर्चर को लाचार और बेबस सा महसूस करा देते हैं. जोफ्रा आर्चर अपनी सिर्फ 2 गेंदों पर ही वैभव को बीट कर पाते हैं. उसके अलावा बाकी 6 गेंदों को वैभव ठिकाने लगा देते हैं.

6 गेंदों पर ठोके थे 27 रन

ये कोई पहली बार नहीं जब वैभव सूर्यवंशी ने राजस्थान रॉयल्स के नेट्स पर ऐसी धमाकेदार बैटिंग का ट्रेलर दिखाया है. इससे पहले की एक प्रैक्टिस में उन्होंने एक ही ओवर में 27 रन ठोक दिए थे, जिसमें 3 छक्के शामिल रहे थे.

टीम की हालत खराब, क्या वैभव के लिए बनेगी जगह अब?

आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स का हाल ज्यादा अच्छा है नहीं. टीम ने 6 में से सिर्फ 2 मैच ही जीते हैं. मतलब 4 हारे हैं और वो 10 टीमों के दंगल में 8वें नंबर पर हैं. इसके लिए टीम के बैटिंग क्रम पर सवाल उठ रहे

संक्षिप्त समाचार

न दिल में जगह, न दीवारों पर ;फिर उठा अंबेडकर जयंती पर तस्वीर वाला मुद्दा, आप का निशाना

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में रेखा गुप्ता के मुख्यमंत्री पद के रूप में कमान संभालते ही बाबा साहेब अंबेडकर की तस्वीर वाले मुद्दे ने खूब जोर पकड़ा था। आम आदमी पार्टी का आरोप था कि बीजेपी सरकार बनते ही सीएम के पीछे लगी डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की तस्वीर हटा दी गई। मामला दिल्ली विधानसभा तक पहुंचा था। बाद में बीजेपी ने खुद वीडियो बनाकर बताया था कि कोई तस्वीर नहीं हटी है, बस जगह बदल गई है। आज अंबेडकर जयंती के मौके पर आम आदमी पार्टी के नेता सौरभ भारद्वाज ने फिर तस्वीर वाला मुद्दा उठाया। कहा कि बाबा साहेब अंबेडकर को लेकर बीजेपी वालों के न दिल में जगह है और न ही दीवारों पर। यह दुख और शर्म की बात है। डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए पूर्व मंत्री सौरभ भारद्वाज ने बीजेपी पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने तय किया था कि आप दफ्तर में, सीएम आवास में, मंत्रियों के आवास में और हर सरकारी कार्यलाय में भीमराव अंबेडकर की फोटो होगी। केजरीवाल की हर प्रेस कॉन्फ्रेंस में आपन देखा होगा कि उनके पीछथे बाबा साहब की तस्वीर होती थी। सब जगह संदेश जाता था कि यह सरकार बाबा साहेब के पदचिन्हों पर चलने वाली है। दिल्ली में बीजेपी की सरकार बनते ही उन तस्वीरों को हटा दिया गया। सौरभ भारद्वाज ने आगे कहा कि हम यह उम्मीद करते थे कि बीजेपी बाकी राज्यों में अंबेडकर साहब की फोटो नहीं लगाएगी, लेकिन उन्होंने तो दिल्ली में सभी जगहों से उनकी तस्वीर हटा दी। अब आप देख सकते हैं कि जब रेखा गुप्ता सीएम हाउस से प्रेस कॉन्फ्रेंस करती हैं तो उनके पीछे बाबा साहेब की तस्वीर नहीं होती। कुर्सी वही है, दीवार और उसके रंग वही हैं,बाबा साहेब की तस्वीर गायब हो गई है। न तो बीजेपी वालों के दिल में अंबेडकर के लिए जगह है और न ही दीवारों पर।

एक बच्चे की कीमत 10 लाख, दिल्ली में मासूमों की तस्करी करता था गिरोह, पुलिस ने किया पर्दाफाश

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पलिस ने बच्चा तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया है। यह गिरोह गुजरात,राजस्थान और दिल्ली-एनसीआर में सक्रिय था। पुलिस ने सिंडिकेट के तीन लोगों को अपने कब्जे में लिया है। इस कार्रवाई के दौरान तीन आरोपियों -यास्मीन (30),अंजलि (36) और जितेंद्र (47) को गिरफ्तार किया गया और एक नवजात लड़के को आरोपियों के चंगुल से बचाया गया है। एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुएदिल्ली पुलिस की एक टीम ने एक ऑपरेशन शुरू किया जो 20 दिनों से अधिक चला। इसमें संदिग्धों से जुड़े 20 से अधिक फोन नंबरों का विश्लेषण शामिल था। गिरफ्तार आरोपियों को 8 अप्रैल को उत्तम नगर इलाके से तब पकड़ा गया जब वे एक बंद कार में बच्चे को छोड़कर चले गए थे। यह गिरोह गुजरात और राजस्थान के गरीब परिवारों को अपना निशाना बनाता था और दिल्ली-एनसीआर के अमीर और बेऔलाद जोड़ों को बच्चों की तस्करी करता था। इसके लिए वे एक बच्चे के बदले 5 से 10 लाख रुपये तक लेते थे। पुलिस ने बताया कि पकड़े गए आरोपी सरोज नाम की एक संदिग्ध महिला के कहने पर काम करते थे, जो अभी फरार है। द्वारका के पुलिस उपायुक्त अंकित सिंह ने एक बयान में कहा,अंजलि पहले भी ऐसे अपराधों में शामिल रही है। उसे पहले केंद्रीय जांच ब्यूरो ने मानव तस्करी के एक मामले में गिरफ्तार किया था। बचाए गए बच्चे की देखभाल की जा रही है और उसके असली माता-पिता का पता लगाने की कोशिश की जा रही है। पुलिस इस गिरोह के बाकी सदस्यों और उनके पूरे नेटवर्क को भी ढूंढने में लगी है,जिसके कई राज्यों में फैले होने का शक है।

नई फिल्म सिटी से जेवर एयरपोर्ट तक लाइट रेल चलाने की तैयारी

14.6 चरका बनेगा ट्रैक

नईदिल्ली, एजेंसी। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र में सेक्टर-21 स्थित नई फिल्म सिटी से नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट तक पब्लिक रैपिड ट्रांजिट (पीआरटी) चलाने की तैयारी है। पहले चरण में इसके लिए सिर्फ 14.6 किलोमीटर का ट्रैक बनेगा, यह ट्रैक एलिवेटेड होगा या सतह पर बनेगा इसका फैसला डीपीआर पर शासन की मुहर लगने के बाद होगा। फिलहाल सीमेंस कंपनी ने फिजिब्लिटी रिपोर्ट तैयार कर ली है।

प्राधिकरण के एक अधिकारी ने बताया कि फिल्म सिटी से एयरपोर्ट की सीधी और आसान कनेक्टिविटी के लिए 14.6 किलोमीटर के नए रूट पर पहले पॉड टैक्सी चलाने का प्लान था, लेकिन ग्लोबल टेंडर निकाले जाने के बाद भी इस परियोजना में मानकों के अनुसार कंपनियों ने रुचि नहीं दिखाई। इसके बाद गाजियाबाद से एयरपोर्ट तक बनने वाले 72.4 किलोमीटर लंबे एलिवेटेड ट्रैक पर ही नमो भारत ट्रेन और मेट्रो के साथ ही लाइट रेल ट्रांजिट (एलआरटी) चलाने पर सहमति बनी। इसकी डीपीआर को तैयार कर उत्तर प्रदेश सरकार और बाद में केंद्र सरकार के पास भेजी गई, लेकिन केंद्र सरकार ने नमो भारत व मेट्रो के साथ उसी ट्रैक पर एलआरटी चलाने के प्रस्ताव को नामंजूर करते हुए डीपीआर को लौटा दिया। अब एक बार फिर पीआरटी चलाने की तैयारी हो रही है। नए रूट पर पीआरटी चलाने के लिए प्राधिकरण ने सीमेंस कंपनी को संभावना तलाशने की जिम्मेदारी दी। कंपनी ने इसकी फिजिब्लिटी रिपोर्ट अब तैयार कर ली है। वहीं, लंदन की कंपनी अल्ट्रा पीआरटी लिमिटेड से भी फिजिब्लिटी रिपोर्ट को तैयार कराया गया है। अब इस पर अधिकारी मंथन करेंगे और शासन स्तर पर गठित पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप बिल्ड इवेलुएशन कमेटी के समक्ष रखा जाएगा। अंतिम निर्णय कमेटी के माध्यम से ही लिया जाएगा।

तीसरे चरण में आगरा तक चलेगी : लाइट रेल को पहले चरण में फिल्म सिटी से जेवर एयरपोर्ट तक चलाने की योजना है, जबकि दूसरे चरण में जेवर से वृंदावन तक और तीसरे चरण में वृंदावन से न्यू आगरा तक चलाने की योजना भी तैयार की गई है। इससे एयरपोर्ट की आगरा तक कनेक्टिविटी हो जाएगी, हालांकि यह कितना संभव हो जाता है इसका निर्णय कमेटी व तैयार होने वाली डीपीआर के बाद ही लिया जा सकेगा। फिलहाल इसके लिए सिर्फ संभावना तलाशने का काम चल रहा है। अधिकारियों ने दावा किया है कि पॉड टैक्सी के मुकाबले लाइट ट्रेन ज्यादा कारगर है। वर्तमान में पॉड टैक्सी को कुछ ही देशों की कंपनियां बनाती हैं। ये 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलती हैं। वहीं, बात की जाए लाइट ट्रेन की तो इसे दुनिया में 100 कंपनियां बनाती हैं। कम लागत होने के साथ ही ये 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलती हैं। यमुना विकास प्राधिकरण सेक्टर-9 में इंडिया इंटरनेशनल सेंटर और हेबिटेट सेंटर बनाने की भी तैयारी है। शहर में आंतरिक ट्रांसपोर्ट में इस्तेमाल करने के लिए हल्की स्पीड वाला यह ऐसा पब्लिक ट्रांसपोर्ट है, जिसमें दो-तीन बोगी होती हैं। लगभग पॉड टैक्सी की स्पीड या उससे थोड़ा सा ज्यादा स्पीड से यह चलती है। यह एक प्रकार से बैटरीचालित अर्बन लाइट ट्रांसपोर्ट सिस्टम है।

नोएडा के रियल एस्टेट कंपनी पर ईडी की छापेमारी, लाखों की नकदी जब्त; बैंक खाते फ्रीज

नईदिल्ली, एजेंसी। ईडी ने नोएडा के एक रियल एस्टेट कंपनी और उसके प्रमोटरों के खिलाफ छापेमारी की। मामला मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ा है। ईडी ने कहा कि कंपनी निवेशकों को कब्जा देने में विफल रही और निवेश की गई राशि हड़प ली। ईडी ने रविवार को कहा कि उसने नोएडा स्थित एक रियल एस्टेट कंपनी और उसके प्रमोटरों के खिलाफ छापेमारी के बाद 30 लाख रुपए नकद जब्त किए और कुछ बैंक खातों को फ्रीज कर दिया। कंपनी और उनके प्रमोटरों पर एक कमर्शियल प्रोजेक्ट के निवेशकों को धोखा देने का आरोप है। संघीय जांच एजेंसी ने एक बयान में कहा कि भसीन इन्फोटेक एंड इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड, ग्रैंड वेनेजिया कमर्शियल टावर्स प्राइवेट लिमिटेड और उनके प्रमुख कर्मियों के परिसरों में 10 अप्रैल को तलाशी ली गई। धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत की गई कार्रवाई के तहत नोएडा (उत्तर प्रदेश), दिल्ली और गोवा में नौ स्थानों पर छापेमारी की गई। धन शोधन का यह मामला नोएडा पुलिस द्वारा मुख्य आरोपी सतिंदर सिंह भसीन, भसीन इन्फोटेक एंड इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और अन्य के खिलाफ दर्ज की गई कई एफआईआर से जुड़ा है। ईडी ने कहा कि कंपनी ने ग्रैंड वेनेजिया कमर्शियल कॉम्प्लेक्स नाम से एक रियल एस्टेट प्रोजेक्ट शुरू किया। इस प्रोजेक्ट में फैंसी विज्ञापन और झूठे आश्वासनों के जरिए निवेशकों को लुभाया। ईडी ने आरोप लगाया कि वे निवेशकों को कब्जा देने में विफल रहे और निवेश की गई राशि हड़प ली। ईडी द्वारा उनके खिलाफ लगाए गए आरोपों पर प्रतिक्रिया के लिए कंपनी या उसके प्रमोटरों से संपर्क नहीं किया जा सका। एजेंसी ने कहा कि तलाशी के दौरान कुछ आपराधिक जानकारी, दस्तावेज, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, बैंक लॉकर की चाबियां और 30 लाख रुपए नकद जब्त किए गए और कुछ संदिग्ध बैंक खाते फ्रीज किए गए।

अफगानिस्तान में चार लोगों की गोली मारकर हत्या, तालिबानी नेता बोले- फांसी देना इस्लाम का हिस्सा

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान में तालिबान के सर्वोच्च नेता हिबतुल्ला अखुंदजादा ने कहा है कि फांसी देना इस्लाम का हिस्सा है। यह बयान तब आया जब हाल ही में चार लोगों को हत्या के आरोप में गोली मारकर मौत की सजा दी गई थी। यह घटनाएं शुक्रवार को खेल स्टेडियमों में हुई, जो 2021 में तालिबान की सत्ता में वापसी के बाद एक ही दिन में सबसे ज्यादा फांसी की घटनाएं मानी जा रही हैं। बता दें कि, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इन हत्याओं की निंदा हो रही है। संयुक्त राष्ट्र और कई मानवाधिकार संगठनों ने इन हत्याओं को अमानवीय बताया है।

वहीं तालिबान प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद की तरफ से जारी एक ऑडियो क्लिप में अखुंदजादा ने कहा, हमें सिर्फ नमाज या इबादत तक सीमित नहीं रहना चाहिए। इस्लाम एक पूरा जीवन पद्धति है जिसमें अल्लाह के सारे हुक्म शामिल हैं। इनमें सजाएं देना भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि तालिबान का संघर्ष सत्ता या धन के लिए नहीं था, बल्कि इस्लामी कानून को लागू करने के लिए था। उन्होंने यह भी कहा कि पश्चिमी देशों के कानूनों की अफगानिस्तान में कोई जरूरत नहीं है। इधर अफगान सुप्रीम कोर्ट ने बताया कि चारों दोषियों को हत्या का अपराध साबित होने पर मौत की सजा दी गई थी। पीड़ित परिवारों ने माफ करने से इनकार कर दिया था। यह बयान ऐसे समय आया है जब तालिबान दुनिया के देशों, खासकर पश्चिमी देशों, से रिश्ते सुधारने की कोशिश कर रहा है। अमेरिका ने हाल ही में तालिबान के तीन नेताओं से इनाम हटा दिया है और चार अमेरिकी नागरिकों को रिहा किया गया है।

दिल्ली में बुधवार से फिर लू का अलर्ट, 42 के पार पहुंचेगा पारा

नईदिल्ली, एजेंसी। पश्चिमी विक्षोभ के चलते भले ही दिल्ली को झुलसाने वाली गर्मी से दो दिन की राहत मिली हो, लेकिन दिल्ली पर लू की दूसरी लहर का खतरा मंडराने लगा है। मौसम विभाग ने बुधवार से फिर लू का अलर्ट जारी किया है।

मौसम विभाग का अनुमान है कि मंगलवार के बाद दिल्ली में फिर से लू की स्थिति बन सकती है। विभाग ने बुधवार और गुरुवार के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। साथ ही अधिकतम तापमान 42 डिग्री के पार पहुंचने का अनुमान जताया है।

इस मौसम में अभी तक 8 अप्रैल को अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था, जो इस सीजन का सबसे ज्यादा तापमान है। दिल्ली के ज्यादातर इलाकों में रविवार की सुबह से ही तेज चमकदार सूरज निकला रहा। दिन चढ़ने के साथ ही धूप भी तीखी और तेज हो गई। दिल्ली की मानक वेधशाला सफदरजंग में रविवार दिन का अधिकतम तापमान 36.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। जोकि सामान्य से 0.5 डिग्री सेल्सियस ज्यादा है, जबकि न्यूनतम तापमान 19.8 डिग्री सेल्सियस रहा जोकि सामान्य से 0.6 डिग्री सेल्सियस कम है। यहां पर आर्द्रता का स्तर 66 से 29 फीसदी तक रहा।

राजधानी में अप्रैल के अभी तक के दिनों का औसत अधिकतम तापमान 37.7 डिग्री सेल्सियस है। अप्रैल में सफदरजंग में औसत अधिकतम तापमान 36.5 डिग्री सेल्सियस रहता है। ऐसे में अप्रैल औसत अधिकतम तापमान से एक डिग्री ज्यादा गर्म है। वर्ष 2022 में अप्रैल खासा गर्म था। तब औसत अधिकतम तापमान 40.4 डिग्री सेल्सियस रहा था।

पिछले दिनों हुई मौसम की गतिविधियों के चलते दिल्ली की हवा साफ-सुथरी बनी हुई है। रविवार को राजधानी की हवा मध्यम श्रेणी में दर्ज की गई। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक, रविवार को दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 178 के अंक पर रहा। इस स्तर की हवा को मध्यम श्रेणी में रखा जाता है। अगले दो दिनों के बीच भी वायु गुणवत्ता का स्तर इसी के आसपास रहने की संभावना है। पश्चिमी विक्षोभ के कारण मिली राहत राजधानी दिल्ली में इस बार जनवरी महीने से ही मौसम असामान्य तौर पर गर्म है। जनवरी, फरवरी और मार्च का महीना सामान्य से ज्यादा गर्म रहा है। हालांकि, सामान्य से ज्यादा होने के बावजूद इन महीनों में अधिकतम तापमान असहनीय नहीं हुआ था। लेकिन, अप्रैल का सप्ताह बीतते-बीतते दिल्ली झुलसाने वाली लू की चपेट में आ गई। तेज धूप और गर्व हवा के थपेड़ों के चलते दिल्ली के लोगों का घरों से बाहर निकलना मुहाल हो गया। तीन दिन की लू के बाद पश्चिमी विक्षोभ से दिल्ली के लोगों को राहत मिली।

यूक्रेन-ग्रीनलैंड रिपोर्ट पर फूटा ट्रंप का गुस्सा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को अमेरिकी टेलीविजन पर प्रसारित होने वाली समाचार पत्रिका सीबीएस द्वारा अपने कार्यक्रम '60 मिनट्स में यूक्रेन और ग्रीनलैंड पर कार्यक्रम प्रसारित करने के तुरंत बाद सीबीएस और '60 मिनट्स पर तीखा हमला करते हुए कहा कि टेलीविजन नेटवर्क नियंत्रण से बाहर हो गया है और उनके पीछे पड़ने के लिए उसे ''बड़ी कीमत चुकानी होगी। राष्ट्रपति ने अपने 'ट्रुथ सोशल पर कहा, ''लगभग हर हफ्ते '60 मिनट्स में... अपमानजनक और बदनाम करने वाले तरीके से ट्रंप का नाम लिया जाता है, लेकिन इस सप्ताहांत का प्रसारण उन सभी कार्यक्रमों से ऊपर है। उन्होंने संघीय संचार आयोग के अध्यक्ष ब्रेंडन कार से ''उनके गैरकानूनी और अवैध व्यवहार के लिए अधिकतम जुर्माना और दंड देने का आह्वान किया। नेटवर्क ने इस बारे में तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की। ट्रंप ने पिछले साल डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस के साथ एक साक्षात्कार को संपादित करने के तरीके को लेकर '60 मिनट के खिलाफ 20 अरब डॉलर का मुकदमा दायर किया है। राष्ट्रपति का दावा है कि हैरिस को अच्छा दिखाने के लिए कार्यक्रम को संपादित किया गया था। हालांकि चैनल ने इस बात से इनकार किया है। ऐसी खबरें हैं कि ट्रंप के वकील और 'सीबीएस की मूल कंपनी समझौता वार्ता में शामिल हैं। कार और एफसीसी ने उसी मामले के बारे में सीबीएस न्यूज की समानांतर जांच शुरू की है, जो उन कई मामलों में से एक है जिसमें 'ऋष्ट न्यूज, 'ह्रश्ष्ट, 'पीबीएस, 'एनपीआर और 'वॉल्ट डिजनी कंपनी भी शामिल हैं।

कानूनी लड़ाई के बावजूद '60 मिनट ने ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के बाद से उनके प्रशासन की कवरेज में कोई कमी नहीं की है, खासकर संवाददाता स्कॉट पेली ने। पेली ने यूक्रेन की यात्रा की और देश के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ एक साक्षात्कार किया, जहां इस महीने की शुरुआत में रूसी हमले में नौ बच्चे मारे गए थे। रविवार को प्रसारित साक्षात्कार में जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन पर आक्रमण के लिए वह रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से ''100 प्रतिशत नफरत करते हैं और उन्होंने ट्रंप को अपने देश की यात्रा करने के लिए आमंत्रित किया ताकि वह देख सकें कि क्या किया गया है।

शेख हसीना, बहन रेहाना और भतीजी रिजवाना के गिरफ्तारी वारंट जारी

भ्रष्टाचार मामले में कोर्ट का आदेश

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। भ्रष्टाचार के एक और मामले में पूर्व पीएम शेख हसीना, उनकी बहन शेख रेहाना और भतीजी व ब्रिटिश सांसद ट्यूलिप रिजवाना सिद्दीकी समेत 50 अन्य के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी हुए हैं।

ढाका मेट्रोपॉलिटन वरिष्ठ विशेष न्यायाधीश जाकिर हुसैन ने भ्रष्टाचार निरोधक आयोग (एसीसी) द्वारा दायर तीन अलग-अलग आरोपपत्रों पर विचार करने के बाद राजनीतिक शक्ति का दुरुपयोग करके अवैध भूमि अधिग्रहण करने पर यह आदेश जारी किया। एसीसी के सहायक निदेशक (अभियोजन) अमीनुल इस्लाम ने कहा कि न्यायाधीश हुसैन ने गिरफ्तारी आदेशों के निष्पादन पर रिपोर्ट की समीक्षा के लिए 27 अप्रैल की तारीख तय की है।

हाल ही में एसीसी ने भूखंड आवंटन में भ्रष्टाचार के तीन अलग-अलग मामलों में 53 लोगों के खिलाफ अदालत में आरोपपत्र जमा किए हैं। 10 अप्रैल को इसी अदालत ने राजुक प्लॉट आवंटन से संबंधित एक अलग भ्रष्टाचार मामले में हसीना, उनकी बेटी साइमा वाजेद पुतुल और 17 अन्य के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। इससे पहले 13 जनवरी को एसीसी ने रेहाना के खिलाफ अधिकार का दुरुपयोग करके पुर्बाचल न्यू टाउन प्रोजेक्ट में 10 प्लॉट हासिल करने का मामला दर्ज किया। इस मामले में भी पूर्व पीएम हसीना और रेहाना की बेटी ब्रिटिश सांसद ट्यूलिप रिजवाना सिद्दीक सहित 15 आरोपियों के नाम शामिल किए गए थे। मामले की जांच के बाद एसीसी ने 10 मार्च को 17 व्यक्तियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया। भ्रष्टाचार निरोधक आयोग ने इसी दिन रेहाना के बेटे रादवान मुजीब सिद्दीकी के खिलाफ तीसरा मामला दर्ज किया। उन पर राजनीतिक प्रभाव का इस्तेमाल करके प्लॉट हासिल करने का आरोप है। इससे पहले बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने हसीना, उनके राजनीतिक सहयोगियों, वरिष्ठ नागरिक और सैन्य अधिकारियों के खिलाफ मानवता के खिलाफ अपराध और जबरन गायब होने जैसे आरोपों पर दो गिरफ्तारी वारंट जारी किए थे। बुधवार को एसीसी ने मुजीब शताब्दी समारोह के लिए हसीना, उनकी छोटी बहन शेख रेहाना और एक पूर्व अधिकारी द्वारा 4,000 करोड़ टका की बर्बादी की नई जांच शुरू की है।

सिंगापुर में आम चुनाव की तैयारी तेज, पीएम वोंग की पार्टी पीएपी उतारेगी भारतीय मूल के उम्मीदवार

सिंगापुर सिटी, एजेंसी। सिंगापुर में आम चुनाव की तैयारी शुरू हो गई है। इसे लेकर प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग की सत्तारूढ़ पीपुल्स एक्शन पार्टी (पीएपी) ने कहा है कि वह चुनाव में भारतीय मूल के उम्मीदवारों को उतारेगी। पीएम वोंग ने भारतीय समुदाय के युवाओं के साथ संवाद में यह एलान किया।

वोंग ने व्यापार, उद्योग और सार्वजनिक सेवाओं सहित कई क्षेत्रों में भारतीय समूह के योगदान को स्वीकार किया। उन्होंने युवाओं से कहा कि आप एक छोटा समुदाय हो सकते हैं, लेकिन निश्चित रूप से सिंगापुर में आपका योगदान और प्रभाव बिल्कुल भी छोटा नहीं है। आप पहले से ही सिंगापुर की भावना को दर्शाते हैं। आपकी कहानी सिंगापुर की कहानी है। यह छोटी है, लेकिन आपके वजन से ऊपर है।

पीएम वोंग ने कहा कि सिंगापुर को कई भारतीय सिविल सेवकों से लाभ हुआ है। जैसे डॉ जनिल जो वरिष्ठ स्वास्थ्य राज्य मंत्री भी हैं। आगामी चुनाव के लिए पीएपी से नए भारतीय उम्मीदवार होंगे। उन्होंने कहा कि यहां भारतीय समुदाय बहुत विविधतापूर्ण है और समुदाय ने एक अलग संस्कृति में विकसित होते हुए भी अपनी परंपराओं को बनाए रखा है।

उन्होंने कहा कि सिंगापुर के भारतीयों के लिए, आपके मूल्य, आपके मानदंड, आपके सोचने का तरीका, भारत में भारतीयों से अलग हैं। यह कुछ ऐसा अनमोल है जिसे हमने यहां बनाया है। यह एक सिंगापुरी रवैया, मानसिकता, जीवन शैली है। उन्होंने कहा कि आप अपनी जातीय जड़ों पर गर्व कर सकते हैं और साथ ही सिंगापुरी होने पर भी गर्व कर सकते हैं। यही सिंगापुरी होने का हमारा मतलब है। इस तरह हम

कोशिश कर सकते हैं, भले ही एक छोटे से लाल बिंदु के रूप में हम सुनिश्चित कर सकते हैं कि हम मजबूत और एकजुट रहें। हम एक दूसरे के साथ सद्भाव बनाए रख सकते हैं।

संवाद में भारतीय मूल के वरिष्ठ डिजिटल विकास और सूचना राज्य मंत्री जेनिल पुथुचेरी ने भी 130 युवाओं के साथ बात की। डॉ. जेनिल ने कहा कि भारतीय समुदाय का छोटा आकार है। हम सभी के साथ निकट संपर्क में रह सकते हैं, हमारे पास जो कनेक्शन, नेटवर्क, दोस्ती, विश्वास है उसका लाभ उठा सकते हैं। यह एक छोटा और संभावित रूप से बहुत अधिक घनिष्ठ समुदाय होने का एक फायदा है। हालांकि सिंगापुर में अधिकांश युवा एक ही चिंता साझा करते हैं, लेकिन भारतीय समुदाय नस्ल, धर्म और भाषा के मुद्दों को अलग तरह से दर्शाता है।

जल्द हो सकता है चुनाव का एलानः सिंगापुर में आम चुनाव का एलान जल्द हो सकता है। इसे लेकर राजनीतिक दलों ने तैयारी तेज कर दी है। सिंगापुर दैनिक की रिपोर्ट के अनुसार 2024 में भारतीयों ने सिंगापुर के नागरिकों का 7.6 प्रतिशत प्रतिनिधित्व किया, जबकि मलय और चीनी क्रमशः जनसंख्या का 15.1 प्रतिशत और 75.6 प्रतिशत थे।

सरकारी गैर सरकारी क्षेत्रों में बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर को दी गई श्रद्धांजलि

उपायुक्त ने बाबा साहब डॉ. भीम राव अंबेडकर के चित्र पर किया माल्यार्पण

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 134 वी. जयंती के अवसर पर सोमवार को उपायुक्त के गोपनीय कार्यालय परिसर में बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की चित्र पर उपायुक्त विजया जाधव समेत जिला स्तरीय अन्य पदाधिकारियों ने माल्यार्पण/पुष्प अर्पित किया।

मौके पर उपायुक्त विजया जाधव ने आमजनों को बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के दिखाएं मार्ग पर चलने एवं उनके विचारों को अपने जीवन में आत्मसात करने की बात कहीं। मौके पर डीपीएलआर निदेशक मेनका, अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, एलआरडीसी चास प्रभास दत्ता, जिला आपूर्ति पदाधिकारी शालिनी खालखो, जिला शिक्षा अधीक्षक अतुल कुमार चौबे, जिला भू अर्जन पदाधिकारी श्री द्वारिका बैठा, कार्यपालक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता विभाग रामप्रवेश राम, प्रखंड विकास पदाधिकारी चास डॉ. प्रदीप कुमार, अंचलाधिकारी चास दिवाकर दुबे, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, डीडीएमओ शक्ति कुमार, नोडल पदाधिकारी पंकज दुबे, परियोजना पदाधिकारी मानिकचंद प्रजापति सहित अन्यों ने बाबा साहब की चित्र पर माल्यार्पण/पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया।

अम्बेडकर जयंती पर बाबा साहेब को नमन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। भारत रत्न एवं संविधान निमार्ता बाबा साहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर की जयंती के अवसर पर 14 अप्रैल को बीएसएल के कार्यकारी निदेशक प्रभारी श्री चितरंजन महापात्रा,अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) सुश्री राजश्री बनर्जी, अधिशासी निदेशक (सामग्री प्रबंधन) श्री सी आर मिश्रा, अधिशासी निदेशक (माइंस) श्री विकास मनवटी, मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) श्री हरि मोहन झा, मुख्य महाप्रबंधक (नगर सेवा) श्री कुंदन कुमार, मुख्य महाप्रबंधक (तकनीकी) श्री लक्ष्मी दास, महाप्रबंधक (सुरक्षा) श्री आलोक चावला, संचार प्रमुख श्री मणिकांत धान, सहायक महाप्रबंधक (मानव संसाधन) शिप्रा हेमब्रम इत्यादि ने बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए.

भाजपा किसान मोर्चा ने मनाई अंबेडकर जयंती

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। भाजपा किसान मोर्चा के जैनामोड़ स्थित कार्यालय में भाजपा कार्यकताओं एवं आम नागरिकों के द्वारा बाबा डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की 134 वी जयंती धूमधाम से मनाई गई। जिसमें मुख्य रूप से भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश महामंत्री अर्जुन सिंह ने बाबा भीमराव अंबेडकर के जीवनी पर प्रकाश डाला। बाबा साहब ने कहा था भाग्य पर विश्वास करने से ज्यादा अपने शक्ति एवं कम पर भरोसा करें सभी कार्य सफल होगा। मुख्य रूप से कार्यक्रम में भाजपा एससी मोर्चा प्रदेश प्रवक्ता शंकर रजक, भाजपा जरीडीह प्रखंड महामंत्री विक्रम गोस्वामी, सुनील मंडल, सुमित कुमार, रंजीत महतो, कमल किशोर सिंह, प्रदीप कुमार, सुनील सिंह, सुमित जायसवाल, तेज नारायण महतो, वकील कुमार उपस्थित रहे।

ब्रह्मर्षि परिवार चलाएगा सदस्यता अभियान

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। ब्रह्मर्षि परिवार बोकारो के दायित्ववान कार्यकर्ताओ की एक बैठक सेक्टर 3 ई स्थित शिव मंदिर के प्रांगण में हुई, जिसकी अध्यक्षता ब्रह्मर्षि परिवार के वरीय सदस्य बैजनाथ प्रसाद शर्मा ने की। इस बैठक में आम सहमति से सभी सेक्टर मोहल्ले में कार्यकारिणी गठित करने तथा एक मासिक बैठक करने का निर्णय लिया गया। जिससे की समाज में आपसे प्रेम और भाईचारे का संचार हो साथ ही ब्रह्मर्षि परिवार के मूल कार्य अपने समाज के लोगों को चिकित्सीय मदद और अंतिम संस्कार में लोग बढ़ चढ़कर भाग लेकर दुख में परिवार के सदस्यों का संबल बनने व सदस्यता अभियान चलाने का निर्णय लिया गया जिससे सभी को इस संगठन का लाभ मिल सके। अपने अध्यक्षीय संबोधन में बैजनाथ प्रसाद शर्मा ने कहा कि थोड़े समय में इस संगठन के सदस्यों ने रक्तदान, अंतिम संस्कार मे सहयोग, अस्पताल मे मरीजों की देखभाल एवं अन्य सामाजिक कार्यक्रम का आयोजन कर एक मिशाल पेश किया है, जरूरत है इसी प्रकार एक दूसरे के दुख- सुख में सहभागी बनते रहने को विषय प्रवेश आयोजक मंडल के वरीय सदस्य कमलेश राय ने किया। इस बैठक को सुरेश राय, राजीव कुमार राय, डॉ नरेंद्र कुमार राय, प्रेम कुमार, सुधीर कुमार आदि ने भी संबोधित किया। इस बैठक में मुख्य रूप से कमलेश राय, सुरेश राय, राजीव कुमार राय, नग नारायण प्रसाद शाही ,नरेंद्र कुमार राय, श्याम मनोहर सिंह, पीयूष राय, बैद्यनाथ प्रसाद शर्मा, पंकज कुमार, सुधीर कुमार, दीनदयाल शर्मा, मदन प्रसाद सिंह, सुशील कुमार ठाकुर, संजय कुमार, शशांक शेखर, ओमप्रकाश राय, शिव शंकर कुमार, साधु शरण सिंह, दीपक कुमार मिश्रा, प्रमोद कुमार, प्रेम कुमार, शर्मा, शैलेंद्र कुमार, अशोक सिंह, अभय कुमार गोलू ,रविकांत राय आदि उपस्थित थे।

आज के युवा बाबा साहब के आदर्शों को आत्मसात करें : राजेंद्र कामत

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर 9 डी बोकारो में संविधान के निमार्ता एवं देश के प्रथम विधि न्याय मंत्री भारत रत्न बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई । कार्यक्रम का शुभारंभ बाबा साहेब के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्पार्चन के साथ किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य राजेंद्र कामत ने सभागार में उपस्थित भैया - बहनों एवं आचार्य बंधु भगिनी को संबोधित करते हुए कहा कि जब हम किसी महापुरुष की जयंती मनाते हैं तो यह उनके प्रति सच्चा सम्मान तब होगा जब हम उनके आदर्शों को आत्मसात करें। डॉक्टर साहब ने संविधान का निर्माण कर भारतवासियों को वह हथियार दिया है जो सभी को एक समान अधिकार प्रदान करता है। वे सामाजिक समरसता की ऐसी प्रतिमूर्ति थे। जिनके जीवन के प्रत्येक पल से शिक्षा लेने की आवश्यकता है। वह जिस समाज से आते थे उन्होंने यह सिद्ध किया की कोई भी जाति पंथ की बेड़ियां मनुष्य को महान बनने से नहीं रोक सकती । उन्होंने विपरीत परिस्थिति में भी शिक्षा ग्रहण कर न सिर्फ अपने परिवार नहीं अपितु पूरे समाज और भारतवर्ष को एक नई दशा और दिशा प्रदान की। उन्होंने अपना सारा जीवन दूसरों के कल्याण के लिए लगा दिया। आज डॉक्टर अंबेडकर के आदर्श को आत्मसात करने की आवश्यकता है। जिससे ऐसे व्यक्तियों का निर्माण होगा जो भारत में समरस समाज की स्थापना करे। विद्या भारती योजना में हम डॉ भीमराव अंबेडकर के आदर्शों को अपनाते हुए ऐसे बालक का निर्माण करते हैं जो अपने साथ-साथ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के जीवन में भी अलख जगाने का कार्य करें। डॉक्टर साहब के जीवन पर कक्षा द्वादश के भैया अनुभव एवं आचार्य राकेश कुमार ने भी अपने विचार व्यक्त किए । सभी छात्रों ने डॉक्टर साहब के आदर्शों को आत्मसात करने की शपथ ली । मंच संचालन अमृता दीदी ने की। इस अवसर पर विद्यालय के सभी भैया - बहन एवं आचार्य बंधु भगिनी उपस्थित रहे।

अधिवक्ताओं ने संविधान निमार्ता को किया याद

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव अंबेडकर की 134वीं जयंती बोकारो जिला अधिवक्ता संघ परिसर में धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की शुरूआत बाबा साहेब की तस्वीर पर माल्यार्पण के साथ हुई। अध्यक्षता श्री आर पी सिंह एवं संचालन श्री अशोक कुमार ठाकुर द्वारा किया गया। बोकारो बार के प्रभारी महासचिव महेश चौधरी ने आगंतुकों का स्वागत करते हुए कहा कि डॉ अम्बेडकर का जीवन एक ऐसी मिशाल है जो हमें सिखाता है कि कितनी भी विपरीत परिस्थित क्यों न हो शिक्षा दृढ़ संकल्प और सच्चाई के बल पर हर बाधा को पार किया जा सकता है।

इस अवसर पर अधिवक्ता रंजीत गिरी ने डॉ. अंबेडकर के संघर्षपूर्ण जीवन, उनके विचारों और सामाजिक न्याय, समानता एवं एकता के प्रति उनके योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब ने विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की नींव रखी। महिलाओं के अधिकारों और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए डॉ. अंबेडकर ने जो कार्य किए, वे आज भी प्रेरणादायक हैं। उनका जीवन हमें एक समतामूलक समाज की दिशा में आगे बढ़ने का मार्ग दिखाता है। सर्वसम्मति से श्री गिरि ने बार परिसर में बाबा साहब का आदमकद प्रतिमा लगाने की घोषणा की। बार परिसर में बाबा साहब के तस्वीर का लोकार्पण भी किया गया। धन्यवाद अतुल कुमार ने दिया।

कार्यक्रम में अधिवक्ता आर के सिंह, दिनेश प्रसाद शर्मा,अताउल्लाह अंसारी, बिहारी महतो, राम पद गोराई, सुमन कुमारी, सुनीता कुमारी, आयशा प्रवीण, राज श्री, अरेंद्र कुमार, नरेश कुमार महतो, अशोक कुमार, संतोष कुमार, श्रृष्टिधर सिंह, सम्पुर्ण चंद्र लायक,अतुल कुमार,संजय कुमार,बासुदेव गोस्वामी, सोमनाथ शेखर, भुवनेश्वर प्रसाद,कृष्णा गोरई,धन्जी चौधरी,जहीर अंसारी,सत्या पोल, राम सिंघासन राम,ललन कुमार,कमलेश कुमार आदि लोगों ने भी अपने विचार रखे।

लाभुकों के बैंक खाते में भेजी गई किश्त, बनाएं आवासः उपायुक्त

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उपायुक्त विजया जाधव ने जिले के अबुआ आवास योजना (एएवाई) के लाभुकों को वित्तीय वर्ष 2024-25 के द्वितीय एवं तृतीय किस्त का भुगतान किया। उन्होंने योजना के लाभुकों से अपील किया है कि वह योजना के किस्त (राशि) को अन्यत्र खर्च नहीं करेंगे। वह अपने आवास का निर्माण शुरू करें एवं अपूर्ण आवासों को पूरा करने के दिशा में काम करें। उपायुक्त ने लाभुकों से कहा कि वह अपने बैंक खाते का एटीएम कार्ड किसी दूसरें को नहीं दें। किसी बिचौलियां के चक्कर में नहीं आएं। अगर कहीं कोई दिक्कत झ परेशानी होती है, तो आवास समन्वयक, अपने प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) से संपर्क करें। जानकारी हो कि, अबुआ आवास योजना (एएवाई) के तहत ,वित्तीय वर्ष 2024-25 के कुल 3,079 लाभुकों के बीच द्वितीय एवं तृतीय किस्त की राशि भेजी गई है।

जनजाति आयोग की सदस्य ने जिले में किए गए कार्यों की ली जानकारी

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जनजाति आयोग की सदस्य आशा लकड़ा दो दिवसीय दौरे पर बोकारो पहुंची। बोकारो सर्किट हाउस में आज जनजातीय समुदाय के लोगों के साथ बैठक कर उनकी समस्याओं को जानने का प्रयास किया।

इस दौरान उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों से भी मुलाकात की और ट्राइबल फंड को लेकर जानकारी ली। लेकिन किसी भी मुखिया ने ट्राइबल फंड की जानकारी होने से इनकार किया। आयोग की सदस्य ने इसे गंभीर मुद्दा बताया है। उन्होंने कहा कि इसके लिए आज जो मुद्दे आए हैं। उसे जिला प्रशासन को अवगत कराया जाएगा। आज जनजाति समुदाय से आए लोगों ने सामूहिक वन पट्टा व्यक्तिगत वन पट्टा सरना स्थलों पर कंपनियों के द्वारा किए जा रहा कब्जे, आदिवासी इलाकों में विकास नहीं होने की जानकारी सदस्य को दी। किस दौरान बोकारो स्टील सहित और कल कारखानों में विस्थापित हुए आदिवासियों ने मुआवजा और नियोजन नहीं देने की बात भी आयोग की सदस्या आशा लड़का के सामने रखी।

मीडिया से बात करते हुए आशा लकड़ा ने कहा कि जो भी मुद्दे आज आदिवासी समाज के लोगों ने आयोग के समक्ष रखा है। उन सभी बातों को लेकर जिला प्रशासन को एक कंपाइल रिपोर्ट देने का निर्देश दिया जाएगा, ताकि रिपोर्ट और लोगों के द्वारा बताए गए जानकारी का मिलान कर आयोग इस पर कार्य कर सके। आशा लकड़ा ने बताया कि ट्राइबल फंड की जानकारी पंचायत के मुखिया को नहीं है जो गंभीर विषय है उन्होंने कहा कि सही से ग्राम सभा नहीं होना इसका प्रमाण है।

स्वावलंबन आत्मसम्मान का प्रतीक : बिपिन चाचान

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। रोटरी क्लब चास द्वारा कुर्रा पंचायत के रामडीह गांव के ग्रामीणों को स्वावलंबी बनाने की अनूठी पहल की गई। रोटरी जिला 3250 के जिलापाल रो. बिपिन चाचान एवं रोटरी जिला की प्रथम महिला शिल्पी चाचान के हाथों ग्रामीणों के बीच बत्तख के चूजों का निःशुल्क वितरण किया गया। बिपिन चाचान ने कहा कि योग्यता के अनुसार रोजगार नहीं मिल पाता है । ऐसे में लोगों को स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित करने हेतु रोटरी द्वारा यह अनुठी पहल की गई है। विपिन चाचान ने कहा कि रोटरी सदैव महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने एवं उन्हें प्रोत्साहित करने का कार्य करती रहती है। बिपिन ने कहा कि आत्मनिर्भरता से हम अपनी जरूरतों को पूरा कर सकते हैं। शिल्पी चाचान ने कहा कि ग्रामीण महिलाओं का आर्थिक स्तर एवं जीवन स्तर को उठाने मे यह पहल सार्थक रहेगी। रोटरी क्लब चास के अध्यक्ष बिनोद चोपड़ा ने कहा कि आत्मनिर्भरता से नए केवल खुद को बल्कि अपने परिवार और समाज को भी मजबूत बना सकते हैं। रोटरी क्लब चास के सचिव मुकेश अग्रवाल ने बताया की 30 ग्रामीण महिलाओं के बीच बत्तख के चूजों का वितरण किया गया। बत्तख के चूजों के मिलने पर ग्रामीणों के चेहरे खिल उठे और उन्होंने रोटरी क्लब चास का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में संजय बैद, कमल तनेजा, चनप्रीत, नरेंद्र सिंह, संजय रस्तोगी, विपिन अग्रवाल, प्रेम शंकर सिंह,पूजा बैद, ललिता चोपड़ा, डिंपल कौर, श्वेता रस्तोगी, माधुरी सिंह,रितु अग्रवाल,अर्चना सिंह, शैल रस्तोगी, पूनम अग्रवाल, नेहा अग्रवाल, डॉ श्रवण कुमार, मनोज चौधरी,बिनय सिंह आदि उपस्थित थे।

30 अप्रैल तक छूटे हुए लाभुक कराएं ई-केवाईसी

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। खाद्य आपूर्ति विभाग द्वारा राशनकार्ड धारियों (लाभुकों) का ई-केवाईसी की तिथि 30 अप्रैल तक अवधि विस्तार किया गया है। वैसे लाभुक यथा (दिव्यांग, बुजुर्ग, बच्चे) जिनका ई-पोस मशीन से ई-केवाईसी नहीं हो पाया है। वे अपने नजदीकी चिन्हित जन वितरण प्रणाली विक्रेता के पास उपलब्ध ईरीश मशीन के माध्यम से ई-केवाईसी करा सकते है। जिला आपूर्ति पदाधिकारी (डीएसओ) ने इस बाबत पत्र जारी कर जिला पंचायती राज पदाधिकारी, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, सभी अंचलाधिकारी सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी एवं डीपीएम जेएसएलपीएस को इस संबंध में अपने कर्मी/पंचायत प्रतिनिधि/ जन वितरण प्रणाली विक्रेता को अवगत कराना सुनिश्चित करने को कहा है। ताकि जिले के छुटे हुए राशनकार्ड धारी (लाभुकों) का ई-केवाईसी ससमय किया जा सके।

शहीद कॉमरेड गुरदास चटर्जी को किया याद

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सोमवार को देवली गोविंदपुर स्थित शहीद कामरेड गुरदास चटर्जी के शहादत स्थल पर उनके प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर झारखंड बांग्ला भाषा संघर्ष समिति ने श्रद्धांजलि दिया।श्रद्धांजलि देने वाले में मुख्य रूप से सम्राट चौधरी, राणा चट्टराज, सुशोभन चक्रवर्ती, मिंटू दास, समीर मंडल,अशोक कुमार राय, कल्याण चक्रवर्ती, अशोक चटर्जी, कल्याण घोषाल, जयदीप बनर्जी,आदि लोग शामिल थे।

चावल की बोरियां भींगी पर एफसीआई को कोई नुकसान नहीं : एम. के. गोगोई

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। पिछले दिनों हुई तेज बारिश में बरमसिया रेलवे यार्ड में डंप एफ सी आई के अनाज की बोरिया भीग गई थी। बोरिया भीगने से कोई नुकसान नहीं हुआ। यह बयान एफ सीआई के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर एम.के. गोगोई ने सोमवार को ओजोन गैलेरिया स्थित एक होटल के सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में दी। उन्होंने बताया 54 हजार बोरी चावल केंद्र सरकार की एथानॉल ओएमएसएस स्कीम के लिए पंजाब से मंगाया गया था। 10 अप्रैल को तेज बारिश हुई थी।अनाजो को तिरपाल से ढका भी गया था।तेज हवा के कारण कुछ बोरियां बारिश की चपेट में आ गई।क्यू सी अधिकारियों की निगरानी में नियमानुसार चावल को सुखाकर पूरी तरह से बचा लिया गया। एफ सी आई को कोई क्षति नहीं हुई है। ऐसी परिस्थिति भविष्य में दोबारा उत्पन्न नहीं हो इसके लिए संवेदक को भी अधिक संवेदनशील रहने को कहा गया है।रेलवे यार्ड में शेड निर्माण के सवाल पर उन्होंने कहा कि इस दिशा में भी विचार किया जा रहा है।रेलवे से भी इसपर पत्राचार किया गया है। इस मौके पर प्रेस वार्ता में निगम का पक्ष रखने के लिए श्री गोगोई के साथ क्षेत्रीय महाप्रबंधक झारखंड मनोज कुमार, मंडल प्रबंधक धनबाद चक्रपाणि सिद्धार्थ, डीजीएम रीजन हेमंत कुमार जयसवाल एवं जोनल क्यूसी सेठी मौजूद रहे।

बोकारो में राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की सदस्य डॉ आशा लकड़ा का भव्य स्वागत

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की सदस्य आशा लकड़ा के बोकारो आगमन पर भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश महामंत्री अर्जुन सिंह ने स्वागत किया। सर्किट हाउस में आयोजित स्वागत समारोह में पार्टी के विभिन्न मोर्चों के कार्यकताओं ने फूल-मालाओं और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ उनका अभिनंदन किया। इस मौके पर स्वागत करने वालों में जयनारायण मरांडी, अनिल मुर्मू, शंकर रजक, फूलचंद किस्कू ,विक्की लोहड़ा सहित कई अन्य पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल थे। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग भारत सरकार का एक संवैधानिक निकाय है, जिसका मुख्य उद्देश्य अनुसूचित जनजातियों के सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक और सांस्कृतिक अधिकारों की रक्षा करना है। आयोग न केवल जनजातीय समाज से जुड़ी समस्याओं की जमीनी हकीकत का अध्ययन करता है, बल्कि समय-समय पर केंद्र और राज्य सरकारों को सुझाव और सिफारिशें देकर नीति निर्माण में अहम भूमिका निभाता है। साथ ही, आयोग जनजातीय क्षेत्रों में योजनाओं के क्रियान्वयन की निगरानी भी करता है और जरूरत पड़ने पर हस्तक्षेप करता है, ताकि जनजातीय समाज को उनका न्याय और अधिकार मिल सके।

अग्नि सुरक्षा को लेकर जागरूकता कार्यक्रम

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जिले में अग्निशमन सेवा सप्ताह के तहत सोमवार को उपायुक्त विजया जाधव की अध्यक्षता में गोपनीय कार्यालय परिसर में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मौके पर जिला अग्निशमन पदाधिकारी भगवान ओझा ने विभिन्न तरह के आगजनी में आग से बचाव को लेकर जानकारी दी। वहीं, उपायुक्त ने सेवा सप्ताह के तहत विभिन्न विद्यालयों, कारखाना परिसर, अस्पताल आदि में आगजनी के समय राहत व बचाव को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने का निर्देश दिया। इस अवसर पर जिला अग्निशमन पदाधिकारी ने उपस्थित सभी वरीय पदाधिकारियों/कर्मियों को अग्निशमन सेवा सप्ताह का स्टीकर (बैच) लगाया। मौके पर उपायुक्त समेत अन्य पदाधिकारियों ने अग्नि प्रभावित पीड़ितों के सहायता के लिए अग्निशमन टीम द्वारा संग्रह किए जा रहे अनुदान पेटी में अपना-अपना सहयोग राशि दिया।

150 पेटी अवैध शराब जब्त

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उपायुक्त विजया जाधव को प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर *पेटरवार स्थानीय प्रशासन ने पेटरवार के बाजारटांड़ से वाहन संख्या जेएच 05 सीएच 5527 की तलाशी ली। वाहन में पूजा में इस्तेमाल होने वाला सूखा नारियल लदा था। टीम ने जब उसे हटाकर देखा तो पाया कि 150 पेटी अवैध शराब वाहन में रखा हुआ है। पुलिस ने वाहन चालक को हिरासत में लेते हुए वाहन को जब्त कर लिया है। पूछताछ में वाहन चालक बब्लू खुटिया ने बताया कि वह वाहन बोकारो के बालीडीह से सरायकेला खरसावां जिले के चांडिल चौका ले जा रहा था। उसके पास से वाहन एवं सामग्री का कोई दस्तावेज उपलब्ध नहीं था। स्थानीय प्रशासन ने पूरे मामले से जिला उत्पाद विभाग को अवगत करा दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

शहर के विभिन्न क्षेत्रों मे बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर को दी गई श्रद्धांजलि

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। संविधान निमार्ता, भारत रत्न, बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर सोमवार को अंबेडकर चौक (डीआरएम चौक) पर जिला प्रशासन की ओर से वरीय पुलिस अधीक्षक हृदीप पी जनार्दनन, उप विकास आयुक्त सादात अनवर, अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार, सहायक नगर आयुक्त प्रसून कौशिक सहित अन्य पदाधिकारियों ने बाबा साहेब की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर वरीय पुलिस अधीक्षक ने कहा कि बाबा साहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर संविधान निर्माण करने और उनकी प्रकांड विद्वता के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने लोगों को अंधविश्वास से दूर रहने, भयमुक्त बनने व विवेकशील और शिक्षा ग्रहण कर ज्ञानी बनने की प्रेरणा दी। आज उनके प्रति सम्मान व्यक्त करने के दिन है। वहीं उप विकास आयुक्त ने कहा कि बाबा साहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर ने अपना जीवन समाज के पिछड़े वर्गों, दलितों और गरीबों के उत्थान के लिए न्योछावर कर दिया। वे एक प्रख्यात अर्थशास्त्री और कानूनविद थे। उन्होंने सिर्फ सामाजिक न्याय व सामाजिक असमानता के खिलाफ ही लड़ाई नहीं लड़ी बल्कि उन्होंने महिला सशक्तिकरण, महिलाओं को बराबरी का अधिकार देने, मौलिक दायित्व की भी बात की। अपने प्रगतिशील विचारों के चलते वे आज करोड़ों भारतीयों के प्रेरणास्त्रोत हैं। आज पूरा देश बाबा साहेब को उनकी जयंती पर याद कर इस महान विभूति को श्रद्धांजलि दे रहा है। इस मौके पर वरीय पुलिस अधीक्षक श्री हृदीप पी जनार्दनन, उप विकास आयुक्त सादात अनवर, अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार, सहायक नगर आयुक्त प्रसून कौशिक, नेशनल फेडरेशन ऑफ अम्बेडकर मिशन, धनबाद, के अध्यक्ष शशि भूषण कुमार, नगर निगम के चिफ इंजीनियर अनूप कुमार सामंता, सिटी मैनेजर विशाल कुमार, सुपरवाइजर चिंटू कुमार, डीआरडीए के मनिष कुमार सहित बड़ी संख्या में लोगों ने संविधान निमार्ता, भारत रत्न, बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। कोयला नगर सामुदायिक भवन में मनाई गई भीमराव अंबेडकर जयंती। कोयला नगर सामुदायिक भवन में डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर कोयला नगर अंबेडकर चौक में बाबा भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। और माला अर्पण किया । बीसीसीएल के विभिन्न क्षेत्रों से संगठनों ने गाजे- बाजे के साथ शोभा यात्रा निकाली गई । इस अवसर पर सिस्टा के राष्ट्रीय महासचिव राजकुमार कनौजिया ने कहां की डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के संघर्षपूर्ण जीवन उनके विचारों और सामाजिक न्याय समानता एवं एकता के प्रति उनका योगदान था ।

उन्होंने कहा कि महिलाओं के अधिकारों और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए डॉक्टर भीमराव अंबेडकर ने जो कार्य किए हैं वह आज भी प्रेरणादायक है । इस मौके पर प्रमोद कुमार अध्यक्ष सिस्टा बीसीसीएल, अर्जुन पासवान महासचिव सिस्टा, रमन सिन्हा सभी उपस्थित थे । हाड़ी समाज ने केक काटकर मनाया बाबा साहब डा. भीमराव आंबेडकर की जयंती । हाड़ी जाति समाज सुधार समिति सामाजिक संस्था ने भारत रत्न बाबा साहब डा. भीमराव आंबेडकर की जयंती पर उन्हें याद किया।इस मौके पर झारखंड मुक्ति मोर्चा के महानगर अध्यक्ष वकील दास ने कहा कि संविधान निमार्ता बाबा साहब भीमराव अंबेडकर ने शिक्षित बनो संगठित रहो संघर्ष करो का नारा दिया। आज भी समाज को इस नारा की जरूरत है। बाबा साहब भीमराव अंबेडकर ने हमेशा दलितों पिछड़ों वंचितों के लिए आवाज उठाई और न्याय के लिए आंदोलनरत रहे। अपने अंतिम समय में बाबा साहब ने जो प्रतिज्ञा लिया वह समाज में पाखंड के खिलाफ था और समतामूलक व्यवस्था के लिए जयघोष था। आज भी बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के विचारों और सिद्धांतों की जरूरत है। कार्यकारी अध्यक्ष कार्तिक हाड़ी ने इस अवसर पर कहा कि बाबा साहब ने देश को संविधान देकर एकता, समानता और समरसता का संदेश दिया। देश की प्रगति उनके बताये रास्ते पर चलकर ही मुमकिन है.बाबा साहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर संविधान निर्माण करने और उनकी प्रकांड विद्वता के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने लोगों को अंधविश्वास से दूर रहने, भयमुक्त बनने व विवेकशील और शिक्षा ग्रहण कर ज्ञानी बनने की प्रेरणा दी। आज उनके प्रति सम्मान व्यक्त करने का दिन है। इस संविधान निमार्ता, भारत रत्न, बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर हाड़ी जाति समाज सुधार समिति से महासचिव भूचु हाड़ी,सचिव राजेश हाड़ी,कोषाध्यक्ष बिजय हाड़ी,रक्षामंत्री भोला हाड़ी,सूचनामंत्री रंजीत हाड़ी,वरिष्ठ पदाधिकारी चतुर हाड़ी,संरक्षक अमित किशोर हाड़ी, युवा समिति के अध्यक्ष बिनोद हाड़ी,उपाध्यक्ष मनोज हाड़ी,संगठन सचिव भरत हाड़ी,सचिव दिनेश हाड़ी, विक्की हाड़ी,महासचिव अजय हाड़ी,सूचनामंत्री श्रवण हाड़ी,राजू हाड़ी, अजीत राम,झरिया प्रखंड के विकास हाड़ी,मनोज हाड़ी उपस्थित हुए।

स्वत्वाधिकारी,
प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर-
9431145665
8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail-
nbtimesbihar@gmail.com